Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

Page 08

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :

खेल

संजोग गुप्ता आईसीसी के नए सीईओ बने, 2500 उम्मीदवारों में चुने गए

देश

पाकिस्तानी जासूस ज्योति मल्होत्रा पर बड़ा खुलासा, किसके बुलाने पर गयी केरल...

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, ज्येष्ठा, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • मंगलवार • 08 जुलाई 2025 • वर्ष 27 • अंक 207 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 98,290	₹ 1,10,000

आज का इतिहास

1758 : फ्रांसीसी और भारतीय युद्ध-फ्रांसीसी सेनाओं ने ब्रिटिश कोलोना के लेक कॉलप्लेन के तट पर ब्रिटिश एटफर्ट कारिलन को हराया।

1497 : 170 सदस्यीय दल के साथ समुद्र के रास्ते भारत पहुंचने के लिए वास्कोडीगामा यूरोप से रवाना हुए थे।

न्यूज बाइट्स

प्रधानमंत्री मोदी का 18 जुलाई को दौरा

पटना (नि.सं.) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जुलाई को बिहार के मोतिहारी जिले के दौरे पर आ रहे हैं। यहां से वह राज्य को अरबों की सौगात देंगे। इसके साथ ही वह यहां एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी का यह बिहार का 53वां दौरा होगा। इस बात की जानकारी बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को दी। दिलीप जायसवाल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री का हर दौरा बिहार के लिए खास होता है।

बैंक से 10 लाख की लूट

मुजफ्फरपुर (नि.सं.) । मुजफ्फरपुर जिला में स्थित एक ग्रामीण बैंक से सोमवार को 10 लाख रुपए की लूट हुई है। शुरूआती जांच में बताया जा रहा है कि हथियार लैस 3 अपराधी दोपहर 2:30 बजे बैंक आये और वारदात को दे गए। अपराधियों ने बैंक में घुसते ही बैंककर्मियों को बंधक बना लिया और कैश के बारे में पूछा। नहीं बताने पर उनके साथ मारपीट भी की। अपराधियों ने ग्रामीण बैंक में घुसकर स्टाफ से कैश की जानकारी मांगा। जानकारी नहीं देने पर बदमाशों ने बैंक स्टाफ को थप्पड़ मारे। इसके बाद गन पॉइंट पर अपराधी लॉकर से 10 लाख रुपए लेकर फरार हो गए। यह घटना गायघाट थाना क्षेत्र के बेरुआ की है।

नीतीश सरकार ने बीएसए के 9 अधिकारियों को दी नई जिम्मेवारी

पटना (नि.सं.) । बिहार प्रशासनिक सेवा के नौ अधिकारियों को नई जिम्मेवारी दी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने सोमवार को इस आशय की अधिसूचना जारी की। सारण में बंदोबस्त पदाधिकारी के रूप में तैनात चित्रगुप्त कुमार को विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, पटना, मुजफ्फरपुर के निदेशक राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम संजय कुमार को अपर समाहर्ता विभागीय जांच, मुजफ्फरपुर, वरीय उप समाहर्ता, गोपालगंज, शिवम गुप्ता को भूमि सुधार उप समाहर्ता बनाया गया है। बेतिया सदर, पदस्थापना की प्रतीक्षा में चल रहे ओम प्रकाश को जिला भू अर्जन पदाधिकारी, सारण, वैशाली की वरीय उप समाहर्ता दीपिका कश्यप को भूमि सुधार उप समाहर्ता हाजीपुर सदर, निदेशक लेखा प्रशासन, सारण, शिव कुमार पंडित को अपर समाहर्ता विभागीय जांच सारण, वरीय उप समाहर्ता, बक्सर सौरव आलोक को जिला पंचायती राज अधिकारी पश्चिमी चंपारण बनाया गया है। वरीय उप समाहर्ता, नालंदा प्रणव कुमार को भूमि सुधार उप समाहर्ता, दाउदनगर तथा संयुक्त सचिव गन्ना उद्योग विभाग श्रीप्रकाश को पर्यटन विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है।

पूर्णिया में डायन के शक में हुई घटना, पांच को जिंदा जलाने से गांव में दहशत

एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

- मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल

निज संवाददाता | पूर्णिया

पूर्णिया जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के टेटगामा गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां डायन बताकर एक ही परिवार के पांच लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई। आरोप है कि पहले इन सभी को बुरी तरह पीटा गया और फिर जिंदा जलाकर मार डाला गया। इस बर्बर कृत्य के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। मृतकों की पहचान बाबूलाल उरांव, सीता देवी, मनजीत उरांव, रनिया देवी और तपतो मोसमत के रूप में हुई है। ये सभी आपस में एक ही परिवार के सदस्य हैं। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव फैला हुआ है और बड़ी संख्या में लोग गांव छोड़कर भाग गए हैं। पुलिस मौके पर कैंप कर रही है, जबकि डॉग स्क्वायड और एफएसएल की टीम ने पहुंचकर साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया है।

बताया जा रहा है कि गांव के ही रामदेव उरांव के बेटे की तीन दिन पहले झाड़फूंक के दौरान मौत हो गई थी और दूसरा बेटा भी बीमार था। गांव के कुछ लोगों ने बिना किसी प्रमाण के मृतकों के परिवार पर 'डायन प्रथा' का आरोप लगाया और इसी अंधविश्वास के चलते यह पांच हत्याएं अंजाम दी गईं।

इसके बाद परिवार के लोग प्रशासन के पास पहुंचे और सबकुछ बताया जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शवों को जले हुए अवस्था में बरामद किया गया। एसपी स्वीटी सहरावत, एसडीपीओ पंकज कुमार, थाना प्रभारी उत्तम कुमार सहित तमाम पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। 4 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। जिसमें दो को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा कई लोगों को अभियुक्त बनाया गया है। एसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया में गांव में झाड़फूंक के विवाद को लेकर घटना की बात प्रकाश में आयी है। एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम की मदद से शवों की बरामदगी की कोशिश की जा रही है। फिलहाल गांव में पुलिस कैंप कर रही है।

परिवार के सदस्य ने बताया

वहीं मृतक के परिवार में बचे एक मात्र वारिस ललित ने बताया कि पूरे परिवार को डायन का आरोप लगाकर पहले निर्ममता से पीटा गया और फिर पीट-पीट कर जिंदा जला दिया। किसी तरह हम जान बचाकर वहां से भाग निकले। ललित ने बताया कि जलाकर सबको पानी में फेंक दिया गया। ललित भी घटना के बाद सहमा हुआ है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

घर में घुसकर मां-बेटी की हत्या, पिता को तीन गोलियां, मोहल्ले में दहशत

निज संवाददाता | पटना

सनसनीखेज वारदात से राजधानी पटना दहल गई है। सोमवार सुबह आलमगंज थाना क्षेत्र के न्यू अरफाबाद कॉलोनी में अपराधियों ने एक ही परिवार को निशाना बनाते हुए घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसमें मां और बेटी की मौत हो गई जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पीड़ित परिवार की पहचान रिटायर्ड नर्स महालक्ष्मी, उनके पति धनंजय मेहता और बेटी सिंथाली कुमारी (22) के रूप में हुई है। तीनों को गंभीर हालत में एनएमसीएच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महालक्ष्मी और सिंथाली को मृत घोषित कर दिया। घायल धनंजय को तीन गोलियां लगी हैं, जिनमें दो पैर में और एक हाथ में हैं। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज एनएमसीएच में जारी है। मृतक महालक्ष्मी एनएमसीएच की रिटायर्ड नर्स थीं। बताया गया कि सुबह करीब 7 बजे दो अपराधी बाइक पर सवार होकर आए और घर में घुसते ही गोलीबारी शुरू कर दी। चश्मदीदों के अनुसार, गोली चलाने के बाद अपराधी हवाई फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद की तस्वीरों में पीड़ित परिवार के घर की सीढ़ियों पर खून फैला हुआ दिखा और एक चाकू भी बरामद हुआ है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कर्पूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन और सबवे निर्माण का किया शिलान्यास

- 3.30 करोड़ की लागत से स्टेशन होगा आधुनिक, 14 करोड़ से बनेगा सब-वे, यात्रियों को मिलेंगी नई सुविधाएं
- स्टेशन के रिमॉडलिंग पर 3.30 करोड़ रुपये खर्च होंगे।
- एक 18 फीट चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) भी बनेगा।

निज संवाददाता | हाजीपुर

उत्साह और सरकारी सक्रियता के साथ सोमवार को केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव बिहार दौरे पर पहुंचे। अपने दौरे के क्रम में उन्होंने कर्पूरीग्राम स्टेशन के उन्नयन और स्टेशन के पश्चिमी छोर पर सबवे निर्माण परियोजना का शिलान्यास किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, दरभंगा के सांसद गोपाल जी ठाकुर, समस्तीपुर की सांसद शांभवी, विधान पार्षद डॉ. तरुण कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। रेल मंत्री ने 3.30 करोड़ रुपए की लागत से कर्पूरीग्राम स्टेशन के आधुनिकीकरण की योजना की घोषणा की। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर स्टेशन रिमॉडलिंग, यात्रियों के लिए बेहतर सुविधा, 18 फीट चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (FOB) का निर्माण और स्टेशन को संरचनात्मक रूप से आधुनिक स्वरूप देने का कार्य किया जाएगा। इसके अलावा स्टेशन के पश्चिमी छोर पर 14 करोड़ रुपए की लागत से एक सब-वे का निर्माण कराया जाएगा।

रेल मंत्री ने कहा कि यह सबवे सिर्फ रेल परिचालन को सुरक्षित और सुगम नहीं बनाएगा, बल्कि स्टेशन के दोनों ओर बसे गांवों को भी आपस में जोड़ेगा। इससे स्थानीय लोगों की सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण से समस्तीपुर तक

रेल मंत्री ने दीघा ब्रिज हाल्ट का निरीक्षण करने के बाद विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के जरिये कर्पूरीग्राम स्टेशन तक यात्रा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कर्पूरीग्राम के बाद वह समस्तीपुर स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने यात्रियों से संवाद किया और स्टेशन की सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने समस्तीपुर मंडल के उन्नत कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया।

रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे का माल ढुलाई में हिस्सा 20% से बढ़कर 29% हो चुका है, जिसे 35% तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 11 वर्षों में 35,000 किमी नए ट्रैक का निर्माण हो चुका है। अब रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण केंद्र सरकार खुद करवाएगी। रेलवे भर्ती प्रक्रिया को लेकर उन्होंने कहा कि वार्षिक परीक्षा कैलेंडर को और पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाया जा रहा है ताकि समयबद्ध तरीके से परीक्षाएं हो सकें।

अंत में उन्होंने कहा कि रेलवे केवल यात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की रीढ़ बन चुका है। बिहार के विकास में रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए हर जिले तक बेहतर रेल कनेक्टिविटी और सुविधा सुनिश्चित की जा रही है।

परियोजनाओं की समीक्षा और अहम बैठक

समस्तीपुर मंडल के सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अश्विनी वैष्णव ने रेलवे की चालू परियोजनाओं की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आम जनता को जमीन पर दिखने वाली गुणवत्ता मिलनी चाहिए।

सीएम ने 7468 एएनएम को दिया नियुक्ति पत्र

- सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों में एएनएम की कमी महसूस की जा रही थी, अब बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था और बेहतर होगी

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद भवन में आयोजित कार्यक्रम में 7468 महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एएनएम) को नियुक्ति पत्र दिया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से 5 एएनएम मोना कुमारी, नीलू कुमारी, अमृता कुमारी, प्रिया सिन्हा और रीमा कुमारी को नियुक्ति पत्र दिया। इस मौके पर उन्होंने सभी नई एएनएम को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी महिला स्वास्थ्य कर्मियों के जुड़ने से बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था और बेहतर होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी एएनएम ईमानदारी और निष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी। गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। पहले भी बड़ी संख्या में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि बिहार के स्वास्थ्य उपकेंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एएनएम की कमी महसूस की जा रही थी।

बिहार के हाईस्कूलों में होगी 7550 लिपिकों और 6421 परिचारियों की नियुक्ति

निज संवाददाता | पटना

बिहार के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में लिपिकों और परिचारियों के 13 हजार 971 पदों पर नियुक्ति होगी। इसमें लिपिकों के 7550 और परिचारियों के 6421 पद हैं। सबसे पहले इन पदों पर सेवाकाल में मृत शिक्षकों एवं कर्मियों के आश्रितों की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति होगी। इसकी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के लिए प्रत्येक जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) कार्यालय में 6 से 16 जुलाई तक आवेदन जमा होंगे। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक दिनेश कुमार के हस्ताक्षर से सोमवार को शेड्यूल जारी किया गया। इसके मुताबिक, अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति में आरक्षण का प्रविधान लागू नहीं होगा। मृत्यु तिथि के अनुसार अवरोही क्रम में मेधा सूची की तैयारी 17 जुलाई से 21 जुलाई तक होगी। औपबंधिक मेधा सूची 22 जुलाई को जारी होगी।

बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग एवं बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त

बिहार का श्रेष्ठ एवं उतम संस्थान

श्री राज नर्सिंग ट्रेनिंग एंड पारा मेडिकल इंस्टीच्यूट

courses :
ANM, GNM, B.Sc Nurshing, BOPT, BPT, BRIT, BHM, BMLT, DPT, DMRT, DOTA, DMLT, CMD

STUDENT CREDIT CARD Facility Available

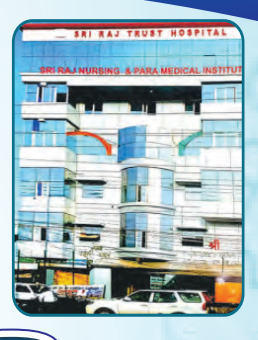

श्री राज ट्रस्ट हॉस्पिटल

पता- मीठापुर बस स्टैंड रोड, जक्कनपुर थाना के पास, पटना, बिहार 800001

Helpline No :.
9155558888, 9162413233
9102879092, 8092769193

Dr. N P PRIYEDERSHY
Consultant Surgeon / Managing Director

For Nursing srirajnursing.com
For More Details Scan This Or Codes
For Paramedical biharparamedical.org

बच्चों के सम्पूर्ण शारीरिक विकास एवं विशेष इम्युनिटी बढ़ाने में सहयोग करता है।

GROWMED®

ग्रामेड AD Vitamin Baby Oil बच्चों की हड्डियों एवं मांसपेशियों की मजबूती एवं सम्पूर्ण शारीरिक विकास के लिए जरूरी है।

नक्कलों से सावधान ग्रोमेड देखकर ही लें।

GROWMED® AD VITAMIN BABY OIL

Vitamin A 20000 I.U, Vitamin D 4000 I.U, Archis Oil,Olive Oil + Vitamin E

STOMAQUAR®
अब छुटकारा पाईये

पेट में गैस, जलन, अपच, खट्टे डकार, पुराना कब्ज पेप्टिक अल्सर, आँव, सिरदर्द, बेचैनी, मुँह में छाले हाइपर-एसीडीटी, हिचकी आना एवं पेट के अन्य तकलीफों से। साथ ही इसका नियमित सेवन रक्तचाप को भी सही रखने में काफी लाभदायक है।

Manufacturer : Tablet Capsule, Liquid, Ointment & Injection also facilities for third party manufacturing .

call : 9153924724, 9153924725, 9153924727, Basic No.: 0612-23311837

ऑनलाइन ऑर्डर के लिए लोग इन करे : www.growmed.in

GUJARAT GROWMED MKT.INDIA PVT.LTD.

ALSO AVAILABLE NO : Flipkart amazon Mindiamart

संक्षिप्त समाचार

अतिपिछड़ा संघ ने कैलाश पाल को दिया समर्थन

मानपुर। मुड़कट्टा गांव में रविवार को प्रखंड अतिपिछड़ा महासंघ की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने की। बैठक में बिहार कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष कैलाश पाल को समर्थन देने का फैसला लिया गया। वे वजीरगंज विधानसभा से कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार हैं। मुख्य अतिथि कैलाश पाल ने कहा, अब समय आ गया है कि अतिपिछड़ा समाज एकजुट हो। ताकि राजनीतिक दल उन्हें उनकी आबादी के अनुसार अधिकार और सम्मान दें। उन्होंने कहा, हमारी संख्या अधिक है, फिर भी न सामाजिक सम्मान मिला, न राजनीतिक अधिकार। इसी कारण आज भी हम बदहाली में जी रहे हैं। कैलाश पाल ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अतिपिछड़ों को राजनीतिक अधिकार देने का वादा किया है। रोजगार से जोड़ने की बात कही है। इसलिए हमें कांग्रेस और महागठबंधन को समर्थन देना चाहिए। उन्होंने माई बहिन मान योजना का जिक्र करते हुए कहा, महागठबंधन की सरकार बनी तो हर जरूरतमंद महिला को 2500 रुपए सम्मान राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा, हमारी सबसे बड़ी समस्या इज्जत और रोटी है। इसके लिए हमें खुद लड़ना होगा। शहीद जगदेव प्रसाद के नारे 'सौ में नब्बे शोषित हैं, नब्बे भाग हमारा है' को अमल में लाना होगा। कैलाश पाल ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग गहन पुनरीक्षण के नाम पर पिछड़े और दलित वर्ग के नाम वोटर लिस्ट से हटा रहा है। कांग्रेस और महागठबंधन के नेताओं ने समय रहते इस साजिश का पर्दाफाश किया। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की। बैठक में विनोद मिस्त्री, रघुनंदन भगत, आमोद पाल, राकेश ठाकुर, रामजी ठाकुर, चुन्नू शर्मा, रौशन मिस्त्री, विकास कुमार और विनोद चंद्रवंशी मौजूद रहे।

योग्य मतदाता छूटे नहीं, अयोग्य सूची में रहें नहीं

हरनौत। प्रखंड में अभी एक लाख 45 हजार मतदाता हैं। उनमें लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए गणना प्रपत्र बांट दिया गया है। इसमें दस हजार गणना प्रपत्र को अपलोड भी कर लिया गया है। बीडीओ उज्जवल कांत ने उक्त बातें कही। वे प्रखंड परिसर के सभागार भवन में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे थे। बीडीओ ने उनसे गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे कर्मियों को सहयोग की अपील की। बैठक में बीपीआरओ उमेश कुमार, प्रमुख सुविली देवी, मुखिया रणविजय पटेल, हरिनारायण सिंह, अशोक रजक, निर्मला देवी, रेखा देवी, सीता देवी, पंसस रौशन कुमार, रामनाथ प्रसाद, सरपंच शशिकांत व अन्य उपस्थित थे। बीडीओ ने कहा कि चुनावों के समय अक्सर पलायन कर गये वोटरों को वापस बुलाने, खेती-गृहस्थी में लगे मजदूरों को वोट देने के प्रति जागरुक करते हैं। मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण मतदाताओं के सत्यापन का अभियान है। इसमें वर्ष 2003 के मतदाता सूची से मिलान कर मतदाताओं को सत्यापन करना है। जनप्रतिनिधि यह सुनिश्चित करें कि योग्य मतदाता छूटे नहीं और अयोग्य मतदाता सूची में रहे नहीं। जनप्रतिनिधि बीएलओ को गणना प्रपत्र बांटने व उसे प्राप्त करने में सहयोग करें। अगर वोटर बाहर हैं तो उन्हें बुलाने का प्रयास करें। अन्यथा उनका नाम वोटर लिस्ट से कट जायेगा। मतदाताओं के सत्यापन में जरुरी दस्तावेजों के संबंध में अफवाहों पर भी बीडीओ ने विराम लगाया। उन्होंने बताया कि सत्यापन के लिए 11 अभिलेखों की सूची जारी की गई है।

731 कन्याओं ने निकाली कलशयात्रा

हरनौत। गोनावां रोड मोड़ के समीप हर हर महादेव धर्मशाला परिसर में अवस्थित प्रतिष्ठित हनुमंत प्रभु का प्रथम वर्षगांठ महोत्सव मनाया जा रहा है। इस मौके पर मंदिर परिसर में अष्टयाम संकीर्तन यज्ञ का आयोजन किया गया है। तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन कलश में गंगाजल भरकर नगर क्षेत्र की 731 महिला व कन्याओं ने कलश यात्रा निकाली। नगर भ्रमण के बाद यज्ञमंडप में कलशों को स्थापित किया गया। लव कुश बाल मंडली के सिक्कू यादव, गोरेलाल, धनराज, रौशन व अन्य ने बताया कि बख्तियारपुर के सीढ़ीघाट से गंगाजल लाया गया था। इसे कलश में धारण कर माता-बहनों ने नगर भ्रमण किया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ इन्हें यज्ञ मंडप में स्थापित किया गया। सोमवार से 24 घंटे का अखंड कीर्तन होगा। मंगलवार को समापन के बाद प्रसाद वितरण के साथ अनुष्ठान संपन्न होगा। मंडली के सदस्यों ने बताया कि फोरलेन निर्माण के दौरान यहां कई दशक पुराने हनुमान मंदिर को हटा दिया गया था। बाद में स्थानीय लोगों के सहयोग से धर्मशाला परिसर में मंदिर का निर्माण कराया गया है। वार्ड पार्षद राजीव रंजन उ ने प्रतिमा का खर्च उठाया। पंकज शर्मा ने चांदी का मुकुट दिया। इसी प्रकार हरनौत बाजार के समाजसेवी व्यवसायियों ने मंदिर की हर जरूरत को पूरा करने में अपना योगदान दिया।

अभाविप की नगर इकाई का पुनर्गठन

बोधगया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बोधगया नगर इकाई का पुनर्गठन कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें डॉ. जनमेजय सिंह को नगर अध्यक्ष और सौरभ स्वराज को नगर मंत्री बनाया गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख संजीव कुमार पांडे, जिला सह संयोजक अमित कुमार सिन्हा और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हर्ष कुमार सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रमुख संजीव कुमार पांडे ने कहा कि विद्यार्थी परिषद 1949 से राष्ट्र और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिला सह संयोजक अमित कुमार सिन्हा ने इसे शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाला दुनिया का सबसे बड़ा छात्र संगठन बताया और कहा कि यह किसी भी राजनीतिक दल से ऊपर उठकर समाजहित में कार्य करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हर्ष कुमार ने पिछले एक वर्ष में संगठन द्वारा सामाजिक और शैक्षणिक मुद्दों पर किए गए संघर्षों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक आर्या ने किया, जिन्होंने पूर्व कार्यकारिणी सदस्यों को उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। रविवार को हुए नई कार्यकारिणी के गठन में डॉ. जनमेजय सिंह को नगर अध्यक्ष व सौरभ स्वराज को नगर मंत्री चुना गया। इसके अलावा निखिल राज को जिला कोषाध्यक्ष, रवि कुमार को जिला एसएफडी प्रमुख, आदर्श सैनी को जिला एसएफएस प्रमुख, अमरनाथ कुमार को जिला राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख, पिंटू कुमार को जिला खेलो भारत प्रमुख, रॉकी कुमार व अर्जुन चौधरी को नगर सह मंत्री हर्षित सिन्हा को नगर सोशल मीडिया प्रमुख, निशांत पांडे को नगर एसएफडी प्रमुख, विक्रम राणा को एसएफडी सह प्रमुख, विशाल पांडे को नगर एसएफएस प्रमुख, सत्यम यादव को एसएफएस सह प्रमुख, अमन कुमार को राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख, शशि सौरभ को आरकेएम सह प्रमुख, अटल कुमार को नगर खेलो भारत प्रमुख चुना गया। दूसरी ओर राहुल कुमार, राजीव कुमार, अंकित कुमार, छोटू कुमार, लव कुमार, रौशन, अमर कुमार, सुमित, विकास, प्रिंस, बिट्टू बिपुल, रंजन, दिलीप, अभिषेक, निक्कू, आदित को नगर कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। कार्यक्रम में प्रांत सोशल मीडिया सह संयोजक सुमित मौर्य, ओमप्रकाश, सौरभ, सूरज और शशिकांत आदि थे।

तौलिक वैश्य चेतना सभा 13 जुलाई को होगी

बिहारशरीफ। शहर के टाउन हॉल में 13 जुलाई को तौलिक वैश्य चेतना सभा व भामा शाह सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समोराह की तैयारी को लेकर रविवार को बबूरबन्ना में डॉ. वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में तौलिक वैश्य महासभा की बैठक आयोजित की गई। वैश्य नेताओं ने बताया कि शैक्षणिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले समाज के लोगों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर शैलेंद्र कुमार, शंकर कुमार, प्रदुमन कुमार, सोनू, वार्ड पार्षद अर्जुन कुमार गुप्ता, डॉ. बालमुकुंद प्रसाद, डॉ. सचिन कुमार, चिंटू कुमार, वीरेंद्र कुटरियार समेत अन्य दर्जनों लोग मौजूद थे।

दूधिया मशरूम के उत्पादन से समृद्ध होंगे किसान

हरनौत। कृषि विज्ञान केन्द्र के ट्रेनिंग हॉल में मिल्की(दूधिया) मशरूम उत्पादन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। गृह विज्ञान विभाग के द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सीमा कुमारी , गृह वैज्ञानिक डॉ. ज्योति सिन्हा, बागवानी विशेषज्ञ डॉ. विभा रानी, पूनम पल्लवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर डॉ. सीमा ने बताया कि मशरूम के फायदों के बारे में लोगों को जानकारी होने के बाद को बाजार में इसकी डिमांड सालों भर हो गई है। आज मशरूम के लिए बाजार की उपलब्धता की कोई समस्या है। आम तौर पर गर्मी के मौसम में मशरूम बाजार से गायब हो जाते हैं। क्योंकि गर्मी में मशरूम की खेती कम या नहीं के बराबर हो जाती है। ऐसे में हम मशरूम के मौसम अनुकूल प्रभेदों की खेती करें तो यह सालों भर मिल सकता है। बाजार में इसके अच्छे दाम भी मिल जाते हैं।

नालंदा में पुराने विवाद के चलते युवती को मारी गोली

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोरायपुर में सोमवार को एक गंभीर गोलीबारी की घटना घटित हुई है। इस घटना में अंजली कुमारी (पिता-लक्ष्मण प्रसाद) को गोली मारकर घायल कर दिया गया है। पुलिस की तत्काल कार्रवाई के बाद तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है। नगरनौसा थाना की पुलिस को सोमवार को मिली सूचना के अनुसार, ग्राम गोरायपुर में गोलीबारी की घटना के बाद तुरंत घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि यह घटना पूर्व से चले आ रहे आपसी विवाद का परिणाम है। घायल युवती अंजली कुमारी के परिजनों के आनुसार, उनकी बाईं जांघ में गोली लगी है। घटना के तुरंत बाद उन्हें इलाज के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए पावापुरी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई: डीएसपी हिलसा सुमित कुमार ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। घटनास्थल पर सूक्ष्म जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम को बुलाया गया है। थानाध्यक्ष शशि रजंन मिश्रा ने बताया कि ग्राम गोरायपुर में विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है। पीड़ित पक्ष से आवेदन प्राप्त करने के बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। दरअसल गांव में दो पक्षों के बीच पूर्व के विवाद को लेकर झगड़ा चल रहा है। इस विवाद में गांव की महिलाएं घर के बाहर आपस में बातचीत कर रही थी। तभी आरोपी राजू आया और उसने गोली चला दी, गोली अंजली कुमारी को आकर पैर में लग गई। इसके बाद परिजन घायल को लेकर अस्पताल पहुंचे।

बंद कमरे की खिड़की उखाड़ चोरों ने उड़ाए 13 लाख

निज संवाददाता। मानपुर

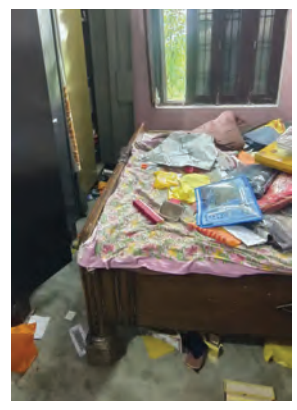

मानपुर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गेरे गांव में शनिवार देर रात अज्ञात चोरों ने सेवानिवृत्त सीआरपीएफ जवान सिद्धेश्वर सिंह उर्फ सिद्धि सिंह के घर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने एक खास कमरे की खिड़की में लगे शीशे को तोड़ा। फिर ग्रील उखाड़ कर अंदर घुसे। कमरे में रखे गोदरेज से एक लाख रुपये नकद और करीब बारह लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर चुरा लिए। घटना के समय घर के मालिक सोनू सिंह अपनी पत्नी के साथ जमीन की रजिस्ट्री के लिए गुरुवार को औरंगाबाद गए थे। चोर उसी दौरान घर में घुसे। खास बात यह रही कि चोरों ने कमरे को भीतर से बंद कर दिया। दरवाजे के नीचे तकिया लगा दिया ताकि कोई आवाज बाहर न जाए। रविवार सुबह जब घर के अन्य सदस्य कमरे की सफाई के लिए पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। उत्तर दिशा की खिड़की टूटी देख सबके होश उड़ गए। कमरे का सारा सामान बिखरा पड़ा था। गोदरेज खुली थी। घटना की जानकारी मिलते ही पीएसआई नेहा मंडल मौके पर पहुंचीं। छानबीन कर वापस लौट गईं। सूचना मिलते ही सोनू सिंह और उनकी पत्नी भी घर पहुंचे। सोनू सिंह ने स्थानीय थाना में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने बताया कि 11 मई को आरपीएफ पदाधिकारी संतोष कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह के बंद घर का ताला तोड़ कर भी चोरी हुई थी। दो माह बीतने के बाद भी उस मामले का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस पर मामले दबाने के आरोप लग रहे हैं।

गयाजी में सिर कुचलकर युवक की हत्या

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के वजीरगंज इलाके में रविवार को पत्थर से सिर कूचकर एक युवक की हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान शत्रुघ्न पासवान के तौर पर हुई है। टनकुप्पा थाना क्षेत्र के इच्यो गांव का रहने वाला था। शनिवार शाम से ही लापता था। परिजनों ने वजीरगंज थाने में हत्या का केस दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष व्यंकेटश्वर ओझा ने बताया कि शव की शिनाख्त हो गई है। आवेदन के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

शराब पार्टी के बाद हत्या: पतेर-मंगरामा मार्ग पर खून से लथपथ शव मिला था। चेहरा बुरी तरह से कुचला हुआ था। शराब पार्टी के बाद हत्या की आशंका है। घटनास्थल से 100 मीटर दूर बीयर का केन और नमकीन का खाली पैकेट मिला है। आशंका है कि देर रात शराब पार्टी के बाद किसी बात को लेकर बहस हुई थी। जिसके बाद युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। हाफ पैंट और टी-शर्ट पहन रखा था।

पड़ोसियों ने ईंट से कुचलकर की थी राजू की हत्या

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के बिंद थाना क्षेत्र में हुई एक संवेदनशील हत्या का मामला चौथे दिन सुलझ गया। स्थानीय पुलिस ने राजू रविदास हत्याकांड में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिंद गांव निवासी उपेंद्र रविदास के बेटे सूरज कुमार और दिनेश रविदास के बेटे रोहित कुमार के रूप में हुई है। दोनों आरोपी मृतक राजू रविदास के पड़ोसी थे। पुलिस जांच से पता चला है कि 1 जुलाई को दिन के समय मृतक राजू रविदास और उमेश रविदास के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी दिन शाम के समय दोनों आरोपी राजू के घर गए और उसे साथ चलने के लिए कहा। तीनों व्यक्ति कुंभरी नदी के किनारे गए जहां उन्होंने साथ में खाना खाया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने राजू के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने घटनास्थल के समीप स्थित खंडहर रूप में पड़े संस्कृत विद्यालय से ईंट लाकर राजू को कुचलकर मार डाला।

मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ था आरोपी रोहित: पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी रोहित मृतक राजू रविदास के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ था। बिंद थानाप्रभारी चंदन कुमार सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। हमारी टीम ने मामले की गहराई से जांच की और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय के सुपुर्द कर दिया है। आरोपियों के पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है, जो आगे की जांच में सहायक होगा।

❐ विवाद के बाद घर से बुला ले गए थे, अंतिम संस्कार में शामिल हुआ था एक आरोपी

घर से 300 मीटर की दूर मिला था शव: राजू रविदास की लाश उसके घर से 300 मीटर दूर कुंभरी नदी किनारे मिली थी। राजू की मां छठिया देवी ने कहा था कि एक दिन पहले पड़ोसी के बेटे से कहासुनी हुई ती। उसने जान से मारने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि मंगलवार की शाम कुछ लोग बुलाकर ले गए थे। इसके बाद से मेरा बेटा नहीं लौटा, सुबह जब गांव के लोग नदी किनारे गए तो लाश को देखा, जिसके बाद मुझे सूचना मिली।

हरियाणा में ईंट भट्ठा पर काम करता था राजू: राजू रविदास हरियाणा में ईंट भट्ठा पर काम करता था। 10 दिन पहले ही गांव आया था। दो दिन पहले उसकी पत्नी रेखा देवी मायके चली गई थी। राजू रविदास की दो बेटी और दो बेटा हैं।

नालंदा में डबल मर्डर, लड़का-लड़की के सिर में मारी गोली

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में रविवार को डबल मर्डर की वारदात को अंजाम दिया गया है। बच्चों के विवाद में एक लड़का और लड़की के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इस मामले में पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान ओमप्रकाश पासवान की बेटी अन्नू कुमारी (19) और संतोष पासवान के बेटे हिमांशु कुमार (16) के रूप में हुई है।बच्चों के बीच में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें बड़े भी शामिल हो गए और कहासुनी के बाद गोलियां चलने लगीं। गोली लगने के बाद इलाज के लिए मॉडल अस्पताल बिहार शरीफ ले जाया गया था। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों के सिर में गोली लगी है। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के डुमरावां गांव की है।

परिजनों ने अस्पताल के स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठाया सवाल: परिजन ने मॉडल अस्पताल में व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि अस्पताल में इमरजेंसी मरीजों का इलाज नहीं हो पता है। उन्हें रेफर कर दिया जाता है। वहीं, अन्नू के चाचा रंजन ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में वेंटिलेशन की सुविधा नहीं है।

गांव में पुलिस बल की तैनाती: सदर डीएसपी नुरुल हक ने बताया कि दीपनगर पुलिस को रविवार शाम सूचना मिली थी। डुमरावां गांव में मारपीट और गोलीबारी हुई है। 2 बच्चों की हत्या हुई है। इस घटना में शामिल कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गांव में फिलहाल विधि व्यवस्था की स्थिति सामान्य है। पुलिस कैंप कर रही है।

नर्सिंग में एडमिशन के लिए तैयारी कर रही थी अन्नू: डुमरावां गांव में हुई गोलीबारी के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

मैगरा में मुहर्रम पर फाइटर जेट ताजिया बना आकर्षण का केंद्र

निज संवाददाता। मैगरा

डुमरिया प्रखंड क्षेत्र के डुमरिया और मैगरा समेत कई गांवों में रविवार को मोहर्रम का त्योहार पूरी तरह शांति और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। प्रखंड के डुमरिया, मैगरा, कोल्हुबार, छकरबंधा, सेवरा और आसपास के गांवों में ताजिया और अखाड़े के साथ भव्य जुलूस निकाले गए। जुलूस के दौरान जगह-जगह मेले भी लगे, जिनमें लोगों ने खूब उत्साह से भाग लिया। जुलूस मार्ग पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए डुमरिया, बोदीबीघा, भदवर, मैगरा और छकरबंधा थानों की पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया गया था। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी से पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मौके पर भदवर थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह और मैगरा थानाध्यक्ष विद्याशंकर भी लगातार मौजूद रहे। प्रखंड के पश्चिमी इलाकों सिलडिलिया, इस्लामपुर-काचर, सैता, महुड़ी, कुसडीह, भंगिया, बताशपुर, मदारपुर, मंझौली, सलैया, पुरखानचक, पनकरा, खैरा आदि गांवों के ताजिया डुमरिया में मिलाए गए। वहीं, सेवरा और नारायणपुर, मैगरा, बिकुआ समेत दर्जनों गांवों का ताजिया गुड्डी फील्ड पर इकट्ठा हुआ, जहां जुलूस में शामिल हजारों लोगों ने मातम किया। फाइटर जेट ताजिया बना आकर्षण का केंद्र बिकुआ कला कमेटी के कलाकारों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तर्ज पर फाइटर जेट के आकार का ताजिया बनाया गया, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। बिकुआ कला कमेटी के सदस्यों ने बताया कि देश में उत्पन्न भयावह परिस्थितियों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चले ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरित होकर इस ताजिया का निर्माण किया गया है।

मविवि के शोधार्थियों ने आईसीपीपी-7 में बिहार का बढ़ाया मान

निज संवाददाता। बोधगया

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के लोक प्रशासन विभाग के चार शोधार्थियों ने 2 से 4 जुलाई 2025 तक थाईलैंड के चियांग माई में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पब्लिक पॉलिसी (आईसीपीपी-7) में भाग लेकर बिहार की शैक्षणिक प्रतिभा को वैश्विक मंच पर मजबूती से प्रस्तुत किया। इन शोधार्थियों में डॉ. शैलेन्द्र कुमार, अंशुमान अंकित, पंकज कुमार मिश्रा और शालिनी कुमारी शामिल रहे। भारत से गए 115 में 9 को मिला अनुदान, मगध विवि के 4 शोधार्थी शामिल : इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का आयोजन इंटरनेशनल पब्लिक पॉलिसी एसोसिएशन, फ्रांस द्वारा चियांग माई यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के सहयोग से किया गया था। दुनिया के अग्रणी पब्लिक पॉलिसी सम्मेलन माने जाने वाले आईसीपीपी में इस बार 75 देशों से 1200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। भारत से 115 प्रतिनिधियों में से केवल 9 को अंतरराष्ट्रीय यात्रा अनुदान मिला, जिनमें मगध विश्वविद्यालय के ये 4 शोधार्थी शामिल थे। इस दौरान डॉ. शैलेन्द्र कुमार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनलः मैन्यूवरिंग द एनवायरमेंटल जस्टिस पैराडाइम इन इंडिया विषय पर शोध प्रस्तुत किया। इसमें भारत और एशियाई देशों में पर्यावरणीय न्याय और न्यायिक संस्थाओं की भूमिका को रेखांकित किया गया। वहीं अंशुमान अंकित ने क्लाइमेट रेसिलियंस एंड इनक्लूसिव लीडरशिप पर शोध में भारत की जलवायु नीति में समावेशिता और सामाजिक संवेदनशीलता की जरूरत को रेखांकित किया।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी. (डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/09 दिनांक- 07.07.2025

डिप्लोमा-सर्टिफिकेट प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा-2025

पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय) [PM] / पारा मेडिकल (माध्यमिक स्तरीय) [PMM]

Online Counselling कार्यक्रम से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी.(डी.सी.ई.सी.ई.)-2025/05 दिनांक- 23.06.2025 के क्रम में DCECE (PM / PMM)-2025 के आधार पर बिहार सरकार के विभिन्न सरकारी अस्पतालों एवं अन्य मान्यता प्राप्त सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों के विभिन्न पारा मेडिकल (इंटरमीडिएट स्तरीय) [PM] तथा पारा मेडिकल (माध्यमिक स्तरीय) [PMM] पाठयक्रमों की रिक्त सीटों पर Online Counselling हेतु DCECE (PM / PMM)-2025 में सम्मिलित सभी पात्रता-प्राप्त अभ्यर्थियों / अभिभावकों / सम्बन्धित संस्थानों को सूचित किया जाता है कि **Online Choice Filling / Counselling कार्यक्रम की पूर्ण विवरणी, Choice filling की विधि आदि पर्षद के वेबसाइट bceceboard.bihar.gov.in पर विज्ञापन संख्या-BCECEB(DCECE)-2025/08 दिनांक 07.07.2025 द्वारा उपलब्ध करायी गयी है।** Choice Filling की प्रक्रिया दिनांक 14.07.2025 से प्रारम्भ होगा।

उक्त निदेश के अनुसार संस्थान एवं पाठ्यक्रम का Choice of Preference of Colleges / Course भरें। अगर कोई अभ्यर्थी 1st Round में अपना Choice Filling नहीं करते हैं तो वैसे अभ्यर्थी को दोबारा Choice Filling का मौका नहीं दिया जायेगा।

परीक्षा नियंत्रक

संक्षिप्त समाचार

किराए के विवाद में श्रद्धालु को मारपीट कर किया घायल

तिलौथू (रोहतास) । पर्यटन स्थल तुतला भवानी धाम में एक श्रद्धालु को किराए को लेकर विवाद के पश्चात मारपीट कर लहू लूहान कर दिया गया। इसके बाद पीड़ित ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना के संदर्भ में पीड़ित ने बताया कि सोमवार को मदारीपुर ग्राम निवासी प्रदीप कुमार अपने बेटे का मन्नत उतारने तुतला भवानी धाम गया था जहां 10 रुपए के जगह 25 रुपया किराया की मांग की जाने लगी। जिसमें हुए विवाद के पश्चात ऑटो चालक प्रीतम सिंह ग्राम रेडिया एवं अन्य चार लोगों द्वारा मारपीट कर घायल कर दिया गया। स्थानीय लोगों के बीच बचाव के बाद मामला शांत हुआ। जिसके बाद पीड़ित ने इलाज के पश्चात आवेदन थाने को दिया। थाना अध्यक्ष ने कहा कि आवेदन प्राप्त होने के पश्चात आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भूमि विवाद में दो पाटीदारों के बीच हुई मारपीट, तीन घायल

कोचस (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के कंजर पंचायत के मनिपुर गांव में रविवार की संध्या में भूमि विवाद को लेकर दो पक्ष में जमकर मारपीट हुई जिसमें एक पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में मनिपुर निवासी अवधेश दुबे उम्र 66 वर्ष पिता स्वर्ग रामायण दुबे, व रवि शंकर दुबे उम्र 36 वर्ष पिता अवधेश दुबे तथा जयशंकर दुबे उम्र 40 वर्ष पिता अवधेश दुबे शामिल हैं। घटना के बारे में बताया जाता है कि रविवार की संध्या दो पाटीदारों के बीच पहले से भूमि संबंधित विवाद चला आ रहा था जहां कहां सुनी के साथ तू तू मैं मैं होने लगा, इसके साथ ही विवाद बढ़ते गया और मामला खूनी संघर्ष तक पहुंच गया। जहां मारपीट के दौरान एक पक्ष के तीनों घायल हो गए। सभी घायलों को परिजनों की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौके पर उपस्थित डॉक्टर तुषार कुमार ने सर में चोट आने तथा शारीर मे अंतरिक चोट आने की बात कह बेहतर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। वही भानस थाना अध्यक्ष गुड़िया कुमारी ने बताई की मारपीट की आवेदन थाने को प्राप्त हुई है पुलिस आवेदन ले मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

गुरु पूर्णिमा पर घरवासडीह मठ पर होता है धार्मिक भक्तों का मेला

काराकाट /रोहतास। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर काराकाट प्रखंड क्षेत्र के घरवासडीह में स्थित मठ पर आयोजित मेला एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं। इस दिन, भक्त ठाकुर जी और गुरु जी के दर्शन करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। नर हो या नारी बुजुर्ग हों या बच्चे सभी लोग श्रद्धा भाव से आते हैं दर्शन करने।

गुरु पूर्णिमा का महत्व- गुरु पूर्णिमा एक पवित्र दिन है, इस दिन, भक्त अपने गुरुओं का सम्मान करते हैं और उनकी शिक्षाओं को याद करते हैं।आध्यात्मिक ज्ञान और आत्म-साक्षात्कार के लिए भी महत्वपूर्ण है। भक्तों का विश्वास है कि इस दिन गुरु के दर्शन करने से विशेष लाभ मिलता है। गुरु पूर्णिमा के दिन घरवासडीह मठ में आयोजित मेला में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं। वे ठाकुर जी और गुरु जी के दर्शन करते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। भक्तों का मानना है कि गुरु पूर्णिमा के दिन ठाकुर जी और गुरु जी के दर्शन से वे धन्य हो जाते हैं और उनका जीवन पवित्र हो जाता है।

झोला छाप चिकित्सक के यहां प्रसव के दौरान हुए जच्चा की मौत, बच्चा सुरक्षित

काराकाट । रोहतास थाना क्षेत्र के गोड़ारी में स्थित एक झोला छाप चिकित्सक के क्लीनिंक में प्रसव के दौरान जच्चा की मौत हो गई, जबकि बच्चा अभी सुरक्षित है। बताया जाता है कि सीएचसी काराकाट में प्रसव कराने आई जच्चा की स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें सदर अस्पताल सासाराम रेफर किया। लेकिन परिजनों को बरगला कर जनता नर्सिंग होम, एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां प्रसव के ऑपरेशन के दौरान जच्चा की मौत हो गई, जबकि बच्चा सुरक्षित बच गया। मृतका, 26 वर्षीय संगीता देवी, जयश्री गांव की निवासी है। उनके पति विनोद प्रसाद हैं। मृतका के मौसी का बेटा राहुल कुमार ने बताया कि रविवार की रात करीब 10 बजे प्रसव के लिए सीएचसी काराकाट में भर्ती कराया गया था। स्थिति गंभीर होने पर रेफर किया गया। इसी दौरान एक आशा ने बेहतर प्रसव व इलाज का आश्वासन देकर उन्हें जनता नर्सिंग होम गोड़ारी में भर्ती करा दिया। डॉक्टर राजदेव कुमार सिंह ने जच्चा का ऑपरेशन किया, बच्चा सुरक्षित रहा। थोड़ी देर बाद डॉक्टर ने कहा कि जच्चा को दूसरी जगह इलाज के लिए ले जाइए। जब परिवार ने जच्चा को देखने के लिए गए, तो उनकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टर ने कहा, "सीएचसी ले चलिए, हम आते हैं," और इसके बाद वह फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष भगीरथ कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि मृतका के पति हैदराबाद में रहते हैं। अभी प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है, लेकिन प्राथमिकी के बाद लापरवाह डॉक्टर पर कार्रवाई की जाएगी।

जगह अभाव में नहीं हुआ ताजिया का खेल, फीका हुआ मुहर्रम

करगहर(रोहतास) । करगहर इमामबाड़ा से अतिक्रमण नहीं हटाने और स्थानीय प्रशासन द्वार ताजिया जुलूस और खेल के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं कराई जाने से आक्रोशित लोगों ने ताजिया को इमाम बाड़ा के लिए लौटा गये।जिससे ताजिया का पहलाम देर रात नहीं हो सका।इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन के प्रति लोगों में नाराजगी देखी गई।स्थानीय प्रशासन के समझाने के बाद मुहर्रम कमिटी के लोगों ताजिया का पहलाम किया गया। मुहर्रम कमिटी का खलीफा सनौव्वर राइन और गुड्डू राईन ने बताया कि विगत कई वर्षों से इमामबाड़ा की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए आवेदन पत्र दिया गया है। जिसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन द्वारा उच्च विद्यालय का खेल मैदान इस्तेमाल करने की इजाजत दी गई थी लेकिन इस वर्ष मैदान में पानी भरने की वजह से जुलूस और खेल का आयोजन नहीं किया जा सका । इस मामले को शांति समिति की बैठक में उठाया उठाया गया कि इमामबाड़ा की भूमि अतिक्रमण मुक्त किया जाए या ताजिया जुलूस और खेलों के लिए सरकारी भूमि उपलब्ध कराई जाए । बैठक में या प्रस्ताव रखा गया कि मैदान में जल जमा होने के कारण प्रखंड परिसर में जुलूस की इजाजत दी जाए । जिसके लिए बीडीओ और थाना अध्यक्ष को आवेदन पत्र दिया गया । लेकिन जब जुलूस और खेल के लिए करगहर, सेमरी, कौआखोंच और शिवपुर ,धनेज,सहुआर,रूपैठा, से प्रखंड मुख्यालय खेलने के लिए ताजिया पहुंची तो स्थानीय प्रशासन ने जुलूस और खेल पर प्रतिबंध लगा दिया।जिससे नाराज लोगों ने ताजिया के साथ इमामबाड़ा लौट गए थे।खलीफा ने बताया कि जब तक इमामबाड़ा की भूमि उपलब्ध नहीं कराई जाती ताजिया पहलाम नहीं होगा । इस मामले को लेकर लोगों मे काफी नाराजगी थी ।

मशाल खेल प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

निज संवाददाता।तिलौथू (रोहतास)

प्रखंड के सोन बांध परियोजना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर खेल मैदान में बिहार राज्य खेल प्रतिभा खोज के अंतर्गत सोमवार को प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रजनीश कुमार ने बताया की यह खेल प्रतियोगिता 8 जुलाई से 25 जुलाई तक चलेगा। इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों का समावेश किया गया है।जिसमें U- 14 बालक बालिका एवं U-16 बालक बालिका ने भाग लिया ।प्रतियोगिता के प्रमुख खेल जो सोमवार को आयोजित किए गए हैं जिनमें अंडर 14 बालक एवं बालिका 100 मीटर दौड़ , अंडर 16 बालक एवं बालिका 600 मीटर दौड़ , अंडर 16 बालक एवं बालिका 800 मीटर दौड़ , U- 16 बालक एवं बालिका तथा U -14 बालक बालिका क्रिकेट बॉल थ्रो , कबड्डी अंडर 14 बालक बालिका एवं अंडर 16 बालक बालिका शामिल हैं। वहीं 600 मीटर दौड़ में अंडर 14 बालिका वर्ग में प्रथम स्थान जगोडीह के छात्रा आराध्या राज , द्वितीय स्थान तिलौथू पूर्वी के प्रिया कुमारी, तृतीय स्थान सेवही की छात्रा खुशबू कुमारी प्राप्त की। वहीं 600 मीटर दौड़ में अंडर 14 बालक वर्ग में प्रथम स्थान तिलौथू पश्चिमी के इंद्रजीत कुमार , द्वितीय स्थान चितौली के श्याम कुमार , तृतीय स्थान तिलौथू पूर्वी के छात्र विवेक कुमार ने प्राप्त किया है। वही 800 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग में प्रथम स्थान तिलौथू पूर्वी के छात्रा पूनम कुमारी , द्वितीय स्थान तिलौथू पश्चिम के अंशु कुमारी व तृतीय स्थान भदोखरा के स्वपना कुमारी तथा 800 मीटर बालक वर्ग में प्रथम स्थान तिलौथू पूर्वी के छात्र प्राजंल कुमार , द्वितीय स्थान तिलौथू पश्चिमी के छात्र नीरज कुमार व तृतीय स्थान सेवही के छात्र कृष्ण कांत सिंह प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ के U 16 बालिका वर्ग में प्रथम स्थान तिलौथू पश्चिमी की छात्रा साक्षी कुमारी , द्वितीय स्थान दुर्गा कुमारी , तृतीय स्थान चंदनपुरा की छात्रा किरण कुमार ने प्राप्त किया। वहीं 100 मीटर की दौड़ में अंडर 16 बालक वर्ग में प्रथम स्थान सरैया के छात्र शक्ति कुमार , द्वितीय स्थान मनजीत कुमार एवं तृतीय स्थान तिलौथू पश्चिम के अंकुश कुमार ने प्राप्त किया। वही 8 जुलाई को वॉलीबॉल , फुटबॉल और साइकलिंग खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस के पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ अंकिता जैन , बी ई ओ रजनीश कुमार , सीओ हर्ष हरि , मुखिया उमेश सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रतियोगिता कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विजय कुमार ने किया ।

कार बाइक की टक्कर में बाइक सवार का इलाज के दौरान मौत

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

करगहर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिरिसियां गांव के समीप रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक ज्योति प्रकाश कुमार की मौत हो गई। वह सेमरी गांव के निवासी थे और बाइक से कोचस जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार कार ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत करगहर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने के कारण उन्हें वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। वाराणसी में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद जब परिजन शव को गांव लेकर लौटे तो पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। सिरिसियां मोड़ और आसपास के क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों का संचालन आम बात है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार सड़क सुरक्षा के लिए प्रशासन से गुहार लगाई गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क पर स्पीड ब्रेकर लगाने, चिह्नित ब्लाइंड स्पॉट पर संकेत बोर्ड लगाने, और रात्रिकालीन पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की है।

रोटरी क्लब ऑफ नारायणा एवं एनसीसी यूनिट के बीच हुआ एमओयू

निज संवाददाता। डेहरी / रोहतास

सोमवार को गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार की एनसीसी यूनिट एवं रोटरी क्लब ऑफ नारायणा के बीच विभिन्न सामाजिक गतिविधियों एवं पारस्परिक उत्तरदायित्वों को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर नारायणा रोटरी के अध्यक्ष रोटेरियन त्रिविक्रम नारायण सिंह एवं जी एन एस यू के एनसीसी अधिकारी डॉ मयंक राय के बीच आवश्यक दस्तावेजों का लेन-देन किया गया। उल्लेखनीय है कि यह अनुबंध समाजहित में संयुक्त प्रयासों को मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर दोनों पक्षों की ओर से आधिकारिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने विचार साझा किए और इस साझेदारी को सामाजिक बदलाव की दिशा में एक अहम कदम बताया। इस उपलब्धि पर रोटरी क्लब ऑफ नारायणा तथा एनसीसी यूनिट के सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस साझेदारी से आने वाले समय में अनेक रचनात्मक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन की संभावनाएं प्रबल हुई हैं।

दलाई लामा जी का 90वाँ जन्मोत्सव श्रद्धा, सम्मान और तिब्बती संघर्ष की भावना के साथ मनाया गया

निज संवाददाता। डेहरी / रोहतास

भारत तिब्बत मैत्री सं रोहतास के तत्वावधान में आज श्री श्री रामकृष्ण आश्रम, पाली रोड, डेहरी में तिब्बती आध्यात्मिक गुरु परमपावन दलाई लामा जी का 90वां जन्मोत्सव हर्षोल्लास, श्रद्धा और तिब्बती संघर्ष की स्मृति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. निर्मल कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि दलाई लामा जी न केवल तिब्बत के आध्यात्मिक नेता हैं, बल्कि समूची मानवता के लिए शांति, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश हैं। मानव अधिकार कार्यकर्ता संतोष उपाध्याय ने दलाई लामा जी के जीवन, निर्वासन, भारत में उनके शरणार्थी जीवन और वैश्विक शांति के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तिब्बती समाज ने दशकों से अपने मूल अधिकारों, संस्कृति और धर्म की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण संघर्ष किया है, जिसकी मिसाल पूरी दुनिया में दी जाती है। भारत में बसे तिब्बती समुदाय ने लहासा मार्केट, बौद्ध मठों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से अपनी अस्मिता को जीवित रखा है, जो भारतीय समाज की सहिष्णुता और साझी विरासत का प्रतीक है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि उपस्थित थे जिनमें भाजपा नेता अजय कुमार सिंह, मिथलेश दीपक, विजय कुमार सिंह, जितेंद्र प्रसाद, अरुण उपाध्याय, श्यामबिहारी पांडेय, चंद्रिका राम, विवेक राज, नागेंद्र प्रसाद सिंह और अख्तर अंसारी प्रमुख रूप से शामिल थे। सभी वक्ताओं ने भारत-तिब्बत संबंधों को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से बेहद मजबूत बताते हुए तिब्बतियों के शांतिपूर्ण संघर्ष और भारत द्वारा उन्हें मिले आश्रय को विश्व में अनूठा उदाहरण कहा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना, तिब्बती संस्कृति से जुड़ी गीतों और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

अनुशंसित 34 अभ्यर्थियों में से 31 चयनित अभ्यर्थियों को आज औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र वितरित

निज संवाददाता। सासाराम

बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा कार्यालय परिचारी / परिचारी (विशिष्ट) पद पर नियुक्ति के लिए रोहतास समाहरणालय अंतर्गत अनुशंसित 34 अभ्यर्थियों में से 31 चयनित अभ्यर्थियों को आज औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम जिला पदाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिला पदाधिकारी ने सभी नियुक्त अभ्यर्थियों को उनके कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और सेवा भाव की जानकारी दी तथा ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति केवल एक सरकारी नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का अवसर है, जिसे पूरी जिम्मेदारी से निभाना होगा। नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थी रंजीत कुमार, अजीत कुमार, प्रभात शंकर पांडेय, सुनिल कुमार, अक्षयवर कुमार, कृष्णा कुमार, कृष्णा प्रसाद, सूरजीत कुमार, जयशंकर पाठक, पंकज कुमार, अजय कुमार, कुंज बिहारी पाल, अमरेन्द्र कुमार सिंह, जावेद अख्तर अंसारी, अनिल शर्मा, मनोज कुमार, चंद्रोज्जवल, जयप्रकाश, धनजीत कुमार, अभिषेक कुमार, अमित कुमार, अखिलेश कुमार गुप्ता, राधेश्याम कुमार प्रजापति, छोटेलाल साह, मनोज कुमार गुप्ता, संतोष पासवान, संजय कुमार राम, बिंध्याचल कुमार गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, दिलीप कुमार राम और कुमारी मीना। इस अवसर पर जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी नियुक्त अभ्यर्थियों ने अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती डेहरी कुशवाहा भवन में उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया

निज संवाददाता। डेहरी / रोहतास

भारत की एकता व अखंडता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाली प्रखर राष्ट्रवादी नेता, महान चिंतक और जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती डेहरी कुशवाहा भवन में उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। पूर्वी विधायक इंजीनियर सत्यनारायण यादव ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके द्वारा एक देश में दो विधान, दो प्रधान एवं दो निशान नहीं चलेगा। आज उसका अक्षरशः देखने को मिल रहा हैं। कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता प्रकाश गोस्वामी, नगर उपाध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता महामंत्री ग्रामीण मंडल अनिल सिंह शकुंतला सिंह, सोनी देवी, पतंजलि जिला प्रभारी सरोज देवी, शोभा देवी, हेमंती देवी, किरण देवी , रमा देवी, मिंटू देवी सुनीता देवी, अंजू लता देवी, अनीता देवी, सरोज अग्रवाल,अन्य सामाजिक महिला एवं कार्यकर्ता ने उनके मार्गों पर चल देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया

शिवपुर में हाईटेंशन तार की चपेट में आया युवक, हालत नाजुक; 12 साल में दूसरी बार हुआ हादसे का शिकार

निज संवाददाता। बिक्रमगंज/रोहतास

शिवपुर गांव में सोमवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई जब राकेश कुमार उर्फ रांगा, पिता मोहन सिंह, धारा प्रवाहित हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। इस हादसे में वह बुरी तरह झुलस गए हैं। उन्हें तुरंत बिक्रमगंज शहर स्थित करुणा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। राकेश के साथ यह कोई पहली बार नहीं हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि करीब 12 वर्ष पहले भी वह इसी स्थान पर इसी हाईटेंशन तार की चपेट में आकर घायल हो चुके हैं। यह दोहराव न केवल एक दुर्भाग्यपूर्ण संयोग है, बल्कि बिजली विभाग की लापरवाही और प्रशासनिक अनदेखी को भी उजागर करता है। राकेश तीन भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़े हैं। भाइयों में केवल उन्हीं की शादी हुई है और उनका एक पांच वर्षीय पुत्र भी है। पिता वृद्धावस्था में हैं, ऐसे में पूरे परिवार की जिम्मेदारी राकेश के कंधों पर थी।

स्थिति गंभीर, हाथ काटने की नौबतः डॉ. कामेंद्र सिंह की देखरेख में करुणा अस्पताल में राकेश का इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक इस बार की चोटें बेहद गंभीर हैं। उनका दाहिना हाथ काटना पड़ सकता है, और पैरों में कोई मूवमेंट नहीं हो रहा है। यदि समय पर और सटीक इलाज नहीं मिला, तो उनकी जीवनशैली पूरी तरह से बदल सकती है। हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। **बिजली विभाग की लापरवाही पर उठे सवालः** इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर से बिजली विभाग की लापरवाही को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि हाईटेंशन तार की स्थिति वर्षों से खतरनाक बनी हुई है, जिसकी सूचना कई बार विभाग को दी गई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। एक ही व्यक्ति के साथ दो बार ऐसा हादसा होना, केवल संयोग नहीं बल्कि व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस घटना की जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और राकेश के इलाज व मुआवजे की समुचित व्यवस्था की जाए। साथ ही पूरे क्षेत्र में बिजली के खतरनाक तारों की मरम्मत कर आम लोगों की जान को जोखिम से बाहर निकाला जाए।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के बाद जलजमाव, मच्छर से लोग परेशान, निगम के 13 फॉगिंग मशीन खराब

मुंगेर। एक सप्ताह से शहर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम में बदलाव होने के साथ ही जगह-जगह बारिश का पानी जमा होने के कारण शहरी क्षेत्र में मच्छरों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। सड़क किनारे लगे बारिश के पानी पर तेजी से मच्छर पनप रहे हैं। हालत यह है कि चौबीसों घंटे मच्छरों के भनभनाने की आवाज आती रहती है। लोगों को खुले में बैठना और सोना मुश्किल हो गया है। रात में जहां मच्छरदानी लगाए बिना सो नहीं पा रहे वहीं दिन में भी अगरबत्ती व क्वॉयल जलाना पड़ रहा है। स्थानीय सुरेंद्र सिंह, अमन यादव, गंगा राम, रविंद्र कुमार आदि ने कहा कि शहरी क्षेत्र में नियमित फॉगिंग कराया जाय तो मच्छरों और मच्छर-जनित बीमारियों से लोगों की जान बच जाएगी। ठंड कम होने के साथ ही मच्छरों की तादाद में वृद्धि हुई है। मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण बीमार पड़ने का सिलसिला आरंभ हो गया है।

भारी मात्रा में गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

मुंगेर। बासुदेवपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर भारी मात्रा में गांजा बरामद किया। गांजा की खरीद-बिक्री में शामिल एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना अध्यक्ष अजय कुमार और लॉगर सेल पुलिस की संयुक्त टीम ने की। फिलहाल मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। एसपी सैयद इमरान मसूद आज सोमवार को प्रेस वार्ता कर पूरे मामले का खुलासा करेंगे। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र में गांजा की तस्करी हो रही है। पहले इसकी पुष्टि कराई गई। फिर एसपी को जानकारी दी गई। इसके बाद एसपी के निर्देश पर सदर डीएसपी अभिषेक आनंद के नेतृत्व में छापेमारी टीम बनाई गई। टीम में लॉगर सेल और थाना पुलिस शामिल थी। छापेमारी में भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया।

विधायक ने सड़क व नाले का उद्घाटन किया

भागलपुर। वार्ड नंबर 11 नसरत खानी में हनुमान मंदिर के पास बनी नई सड़क और नाले का उद्घाटन हुआ। विधायक अजीत शर्मा ने फीता काटकर योजना की शुरुआत की। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद सविता देवी, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमरकांत मंडल, विशाल कुमार, विनय कुमार सिंह, राकेश कुमार, रविंद्र कुमार झा, फुतुरा मंडल, अमरजीत कुमार, सुबोध मंडल समेत अन्य लोग मौजूद थे।

स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए भागलपुर में ट्रायल

भागलपुर। बीएन कॉलेज परिसर में रविवार को जिला स्तरीय बॉक्सिंग ट्रायल हुआ। इसका आयोजन भागलपुर बॉक्सिंग एसोसिएशन ने स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए किया। ट्रायल में एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज कुमार, सचिव मोहम्मद शाहबाजुद्दीन व बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव अभिषेक कुमार यादव मौजूद रहे। कार्यक्रम बीएन कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. आरती कुमारी की उपस्थिति में संपन्न हुआ।बिहार बॉक्सिंग एसोसिएशन के महासचिव अभिषेक यादव ने कहा कि इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन 1949 से काम कर रहा है। इसी फेडरेशन से मैरी कॉम और विजेंद्र सिंह जैसे खिलाड़ी ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप में खेले हैं। हजारों बॉक्सर सरकारी नौकरी में हैं और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्र व महासचिव राकेश ठाकरान दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में कोलंबो, श्रीलंका में भारतीय बॉक्सरों ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। जिला अध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि भागलपुर में लगभग 100 बॉक्सिंग खिलाड़ी हैं। 17 से 18 वर्ष की उम्र के यूथ खिलाड़ी स्टेट, नेशनल और इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लेंगे। बिहार कप यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप भागलपुर में होने जा रही है। इसके बाद सब-जूनियर, जूनियर, सीनियर, हैवीवेट, गर्ल्स और बॉयज की जिला चैंपियनशिप होगी। इन्हीं खिलाड़ियों में से स्टेट चैंपियनशिप के लिए चयन होगा। इसकी तैयारी मिलकर की जा रही है। सचिव मोहम्मद शाहबाजुद्दीन ने कहा कि समय कम होने के कारण ट्रायल लिया गया। खिलाड़ी नेशनल व इंटरनेशनल चैंपियनशिप के लिए मेहनत कर रहे हैं। ट्रायल में उप सचिव अमित कुमार, यूथ कमीशन के साजन कुमार, सिलेक्शन कमिटी की पूजा राय, रिंग ऑफिशियल प्रदीप कुमार और आलोक राज मौजूद थे। इस ट्रायल में शेखर कुमार, कुणाल साहनी, सन्नी कुमार, गुलशन कुमार, आदित्य कुमार और शुभम कुमार का चयन स्टेट चैंपियनशिप के लिए हुआ।

सदर अस्पताल के जांच केंद्र में एक बजे तक ही लोगों से सैंपल लिया जाता है

भागलपुर। मॉडल अस्पताल में ओपीडी समय से पहले ही जांच सेंटर बंद कर दिया जाता है। मरीज सैंपल देने के लिए लाइन में खड़े रहते हैं, लेकिन दोपहर एक बजे के बाद उन्हें लौटा दिया जाता है। बुधवार को एक व्यक्ति अपने परिजन का इलाज कराने अस्पताल पहुंचा। जांच के लिए ओपीडी स्थित सेंटर गया, लेकिन वहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मी ने सैंपल लेने से मना कर दिया। कर्मचारी ने कहा कि एक बजे के बाद सैंपल नहीं लिया जाता। जबकि ओपीडी का समय दोपहर दो बजे तक है। मरीज को अगले दिन आने को कहा गया। इससे मरीजों को परेशानी होती है।

वोकेशनल की परीक्षा कल, दो पालियों में होगी

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स के बीसीए, बीबीए एवं बायोटेक की परीक्षा मंगलवार यानी 8 जुलाई से होगी। जिसमें बीसीए के सेमेस्टर-1, 3 व 5 की परीक्षा होगी। जबकि बीबीए पार्ट-1, 3 व बायोटेक पार्ट-3 की परीक्षा ली जायेगी। वहीं इन सत्रों की परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड भी जारी कर कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमर कुमार ने बताया कि बीसीए सेमेस्टर-1, 3 और 5 की परीक्षा 8 जुलाई से ली जायेगी। जो 18 जुलाई तक होगी। परीक्षा के लिए कुल दो परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। जहां प्रतिदिन दो पालियों में परीक्षा होगी। जिसमें प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक होगी। जबकि दूसरी पाली की परीक्षा अपराह्न 2 बजे से 5 बजे तक ली जायेगी।

भागलपुर में ट्रेन के चपेट में आने से युवक की मौके पर हुई मौत

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के नाथनगर रेलवे स्टेशन के समीप सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक युवक सूरत से आ रही भागलपुर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना नाथनगर के समपार फाटक के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक रेलवे लाइन पार कर रहा था। मृतक की पहचान नाथनगर थाना क्षेत्र के खटीक टोला निवासी गणेश प्रसाद खटीक के पुत्र छोटू कुमार के रूप में की गई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सूरत से भागलपुर की ओर आ रही एक्सप्रेस ट्रेन तेज गति से नाथनगर स्टेशन को पार कर रही थी, तभी छोटू कुमार ट्रैक पार करने के दौरान अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन की गति इतनी तेज थी कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कुछ ही देर में घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों में आक्रोश और शोक का माहौल देखने को मिला कई लोगों ने रेलवे प्रशासन की लापरवाही पर भी सवाल उठाए।

उनका कहना था कि अक्सर इस फाटक के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होते और ट्रेनों की तेज रफ्तार के बावजूद कोई चेतावनी या गार्ड की व्यवस्था नहीं होती। घटना की सूचना मिलते ही नाथनगर रेलवे स्टेशन पर तैनात रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स तथा मधुसूदनपुर थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का जायजा लिया। इसके साथ ही मृतक के परिजन को सूचित किया गया। कुछ ही देर में जब मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे, तो उनका रो-रो कर बुरा हाल हो गया। शोक की इस घड़ी में वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई।

परिजन ने शव को मौके से अपने साथ ले जाने का निर्णय लिया और बिना किसी औपचारिकता के शोक और अफरातफरी के बीच शव को लेकर चले गए। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी दर्ज कर ली गई है और मामले की प्राथमिक जांच की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया है। स्थानीय लोग रेलवे प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि समपार फाटक के पास उचित सुरक्षा व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं न दोहराई जाए।

अराजपत्रित कर्मियों ने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को सौपा मांग पत्र

निज संवाददाता। सहरसा

बिहार अनुसचिवीय कर्मचारी संघ एवं बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ संबद्ध बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के राज्य कमिटी के निर्णयानुसार सोमवार को भोजनावकाश में समाहरणालय गेट पर नारेबाजी कर मुख्य सचिव के नाम जिलाधिकारी को मांग पत्र समर्पित किया। मुख्य रूप से मांग में समाहरणालय के लिपिक संवर्ग में निम्न वर्गीय लिपिक को 2800 ग्रेड पे, उच्च वर्गीय लिपिक को 4200ग्रेड पे, प्रधान लिपिक को 4800 और सहायक प्रशासी पदाधिकारी को 5400 ग्रेड पे की मांग किए है।साथ ही समाहरणालय के कर्मचारियों का राज्यस्तरीय संवर्ग से मुक्त रखा जाए। सामुहिक बीमा के राशि को पचास लाख किया जाए। वहीं राजस्व कर्मचारियों के आंदोलन के दौरान सरकार से हुए समझौता का अक्षर सह पालन करने की मांग गृह जिले में पदस्थापन सहित अन्य मांगों का मांग पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से अपर मुख्य सचिव राजस्व विभाग के नाम सौंपा गया। मौके पर बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला मंत्री शरद कुमार,महासंघ के अध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह समाहरणालय संघ के अध्यक्ष रमन कुमार मंत्री समरेंद्र सिंह, मंत्री श्रवण कुमार, सुरज कुमार,मणीकांत पाल,अभिषेक, पवन पटेल,बिरेंद्र लाल, नीरज कुमार, चन्द्रहास सिंह सहित इत्यादि कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली ई–निविदा सूचना संख्या–एल.–ओपेन–25–26–07, दिनांक 04.07.2025

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य)/सोनपुर वास्ते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए 'खुली ई–निविदा' आमंत्रित करते है। खुली ई–निविदा की अंतिम तिथि दिनांक 28.07.2025 को 12:30 बजे तक निर्धारित की गई है। खुली ई–निविदा संबंधी निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है।

1. कार्य का नाम : सोनपुर मंडल के अंतर्गत ओ.आर.एच. भी.आई.पी. कमरों के उन्नयन और अन्य सेवा भवनों के मरम्मत के संबंध में विद्युतीय कार्य और सोनपुर मंडल में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि जैसे छोटे समारोह के प्रबंधन के लिए किफायती और परेशानी मुक्त समाधान। 2. अनुमानित लागत (रू. में): ₹84,14,118.78, 3. बयाने की राशि (रू. में) : ₹1,68,300.00, 4. निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू. में): ₹00.00

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार किसी भी समय निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नही होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक/(विद्युत/सा.)/
पूमरे/सोनपुर

पीआर/0549/एसईई/विद्युत/टी/25–26/40

धान की फसल को खैरा रोग से बचाने के लिए करें जिंक का प्रयोग :डॉ आशीष राय

अल्कलाइन व कैल्शियम की अधिक मात्रा वाली मिट्टी में होता है रोग का प्रकोप

निज संवाददाता। पूर्वी चंपारण

उत्तर बिहार के ज्यादातर कृषि योग्य भूमि पर धान की खेती की जाती है,लेकिन इस क्षेत्र के ज्यादा भूमि में जिंक की मात्रा कम है,वही अल्काइन और कैल्शियम की मात्रा ज्यादा पाया गया है।ऐसे भूमि में लगाये गये धान की फसल में खैरा रोग होने की संभावना ज्यादा है।उक्त बाते केवीके परसौनी के मृदा विशेषज्ञ डा.आशीष राय ने हिन्दुस्थान समाचार से कही। उन्होने कहा कि उत्तर बिहार के भूमि में जिंक की कमी होने से धान की उपज हमेशा कमी देखी जा रही है।इसके साथ जिंक की कमी से अल्काइन और कैल्शियम की मात्रा बढ जाती है,नतीजतन धान की फसल खैरा समेत कई रोगो के चपेट में आ जाते है। उन्होने कहा कि मिट्टी की जांच में जिस मिट्टी का पीएच मान 8.0 के आसपास है या ऊपर रहता है उसमें सूक्ष्म पोषक तत्वों खासकर जिंक की कमी हो जाती है। खैरा रोग धान रोपने के बीस से पच्चीस दिनों के अंदर दिखने लगते हैं। इस रोग के लग जाने से पौधे के विकास से लेकर उसका पुष्पण,फलन व परागण तक प्रभावित हो जाता है। किसानों के लिए समय पर इस रोग की पहचान कर निरोधी उपाय करना जरूरी है।

उन्होने बताया कि उत्तर बिहार की मिट्टी में जिंक की कमी के दो प्रमुख कारण है,जिसमे मिट्टी में विभिन्न कारणों से कैल्शियम, सोडियम की मात्रा का बढ़ना या पीएच मान 8.0 से ऊपर होना। उन्होने कहा कि एक सर्वेक्षण के आधार यह पाया गया कि किसान भाई एक ही खेत में हाई इंटेन्सिटी धान,मक्का,गन्ना आदि फसलें बार-बार लगाते है। जिस कारण भूमि में जिंक की कमी हो रही है।

कैसे करे रोग की पहचानः धान के पौधे में खैरा रोग लगने पर इसकी बीच की पत्तियों पर भूरे या लाल रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। जिससे पौधे का विकास रूक जाता है। बाद में ये पत्तियां सिकुड़ने व मुरझाने लगती हैं।

कैसे करे रोग से बचावः धान के पौधे में खैरा रोग लगने पर किसी फंगीसाइड या पेस्टीसाइड का इस्तेमाल नहीं करें। जानकारी के अभाव में किसान इसे फंगस या कोई दूसरा रोग समझ कर कीटनाशी का प्रयोग करने लगते हैं। यह गलत है। इस रोग के निदान के लिए पानी में 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट व 0.2 प्रतिशत बुझा हुआ चूना मिला कर रोगग्रस्त खेतों में लगी फसलों पर स्प्रे करना चाहिए। यह घोल 10-15 दिनों के अंतराल पर तीन बार स्प्रे करने से पौधे रोगमुक्त होने लगते हैं। खेत में धान की फसल लगाने से पूर्व प्रति हेक्टेयर 25 किलो जिंक सल्फेट डाल दिए जाने पर इसका नियंत्रण किया जा सकता है।

चोरी करने घुसे, पर गांववालों ने बजा दी किस्मत की घंटी

पूर्णिया। बीती रात खजांची थाना क्षेत्र स्थित जीशान अहमद के घर में चोरी की कोशिश करने वाले दो चोरों की किस्मत उस वक्त पलट गई, जब ग्रामीणों की सतर्कता ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। घर का ताला तोड़ते और कीमती सामान समेटते वक्त दोनों चोरों को स्थानीय लोगों ने धर दबोचा। सूचना मिलते ही सहायक खजांची थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए चोरों की पहचान पंकज महतो (24 वर्ष) और बप्पी सिंह (38 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के निवासी हैं। पुलिस ने तलाशी के दौरान दोनों के पास से दो चांदी के पायल, एक अंगूठी, एक चैन, एक घड़ी, 5,010 रुपये नकद, तांबे की चेन, ताला तोड़ने का उपकरण और एक बाइक जब्त की है। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म स्वीकार किया और बताया कि वे इस क्षेत्र में पहले भी कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।

समाहरणालय, औरंगाबाद
(जिला योजना कार्यालय)
Phone No:- 06186-222096 (O)
Email: aurangabad.dpo-bih@gov.in

बिहार सरकार

–: अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना :–

मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत श्री ऋषि कुमार, माननीय स0 वि0 स0, ओबरा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में औरंगाबाद जिले के ओबरा विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत प्रखंड दाउदनगर के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) तरार एवं ए0एन0एम0 ट्रेंनिंग स्कूल एवं हॉसटल में जिम उपस्करों की आपूर्ति एव अधिष्ठापन हेतु अनुशंसा की गई है। उक्त के आलोक में जिम उपस्करों की निर्माण एवं आपूर्ति हेतु निविदादाताओं/आपूर्तिकर्त्ताओं से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा **Double bid System** के अन्तर्गत **अंतिम तिथि दिनांक 21.07.2025 को 04:00 बजें अप0 तक** जिला योजना कार्यालय, औरंगाबाद में प्राप्त की जायेगी। तकनीकी एवं वित्तीय निविदा दो अलग–अलग मुहरबंद लिफाफों मेंएवं दोनों एक बड़े लिफाफे में मुहरबन्द स्वीकार की जायगी। तकनीकी निविदा संबंधित समिति के सदस्यों के समक्ष अध्यक्ष, निविदा समिति के कार्यालय में **दिनांक 21.07.2025 को 04:30 बजें अप0** में खोली जायेगी, जिसमें निविदादाता तथा उनके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति भाग ले सकते है।

निविदा की विस्तृत जानकारी state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

जिला योजना पदाधिकारी,
औरंगाबाद

PR- 007841 (Planning) 2025-26

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

भागलपुर में वोटर लिस्ट के नए नियमों का विरोध

निज संवाददाता। भागलपुर

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट रिवीजन पर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। भागलपुर के कहलगांव विधानसभा क्षेत्र स्थित माछीपुर महादलित टोला में लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की ओर से मांगे जा रहे दस्तावेज उनके पास नहीं हैं। उम्र और जन्म प्रमाण पत्र दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है, जो अधिकतर लोगों के पास नहीं है। अगर वोटर लिस्ट से नाम कटा जाएगा तो मतदान के अधिकार से वंचित होना पड़ेगा। सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पाएगा। प्रशासन और सरकार से वैकल्पिक प्रक्रिया अपनाने की मांग की है। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी लोगों ने गुहार लगाई है। ग्रामीण धीरज कुमार ने बताया कि पहले के समय में बच्चों का जन्म घर पर ही होता था। उस समय बर्थ सर्टिफिकेट नहीं बनता था। अब अचानक से ऐसे डॉक्यूमेंट्स की मांग की जा रही है, जिसे पूरा कर पाना संभव नहीं है। 1987 से पहले का बर्थ सर्टिफिकेट कहां से लाएंगे वोटर लिस्ट से नाम कट जाएगा तो हमलोग क्या करेंगे। कई सालों से वोट डालते आ रहे हैं। अब पुराने डॉक्यूमेंट मांगना बिल्कुल गलत है। इलाके के कई बुजुर्गों के पास कोई डॉक्यूमेंट नहीं है। अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं हुआ तो विरोध-प्रदर्शन करेंगे। गांव की महिला शीला देवी ने कहा कि 1977 में मेरा जन्म हुआ था। उस समय का मेरे पास कोई प्रमाण पत्र नहीं है। अगर बर्थ सर्टिफिकेट की वजह से वोट देने का अधिकार छीन लिया जाता है तो ये बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण होगा। पहले कोई सर्टिफिकेट नहीं बनता था।

30 हजार का गणना प्रपत्र जमा

भागलपुर। भागलपुर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत अब तक 30 हजार गणना प्रपत्र जमा हो चुके हैं। जिले में 24 लाख वोटर हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन की ओर से बनाए गए कंट्रोल रूम में रोज सौ से ज्यादा कॉल आ रहे हैं। लोग पूछ रहे हैं कि वोटर लिस्ट में नाम कैसे सुधारें। रविवार को डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने निर्वाचन कार्यालय और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने खुद कई वोटरों के कॉल आने पर रजिस्टर चेक किया। देखा कि किस तरह की शिकायतें आ रही हैं। उप निर्वाचन पदाधिकारी श्वेता कुमारी और सदर एसडीएम विकास कुमार के साथ कंट्रोल रूम प्रभारी कुंदन कुमार से अपडेट जानकारी ली। सदर एसडीएम विकास कुमार ने बताया कि रविवार रात 9 बजे तक 10 हजार फॉर्म ऑनलाइन अपडेट कर लिए गए हैं। श्वेता कुमारी ने डीएम को बताया कि बीएलओ ने प्रपत्र का वितरण कर दिया है। डीएम ने निर्देश दिया कि संग्रहण की गति और तेज करें।

विज्ञापन संख्या. 58/2025
भारत सरकार
लोक उद्यम चयन बोर्ड
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में सदस्य (प्रचालन)
पद के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
आवेदकों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 28/07/2025 (15:00 बजे तक) है।
नोडल अधिकारियों द्वारा आवेदनों को लोक उद्यम चयन बोर्ड में अग्रेषित करने की अंतिम तिथि 06/08/2025 (17:00 बजे तक) है।
जानकारी के लिए वेबसाइट
https://pesb.gov.in
में लॉग इन करें।
CBC : 03111/12/0007/2526

पूर्व रेलवे

सं.एफ–डीवाई–प्रोड –ओएफएफ–एटीएल–10891–सीएएमसी, दिनांक 04.07.2025, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन), पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, जिला–मुंगेर, बिहार–811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली के तहत प्रतिष्ठित फर्म (ओईएम) से भारतीय रेल पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से एकल ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** जमालपुर वर्कशॉप के सीएनसी एक्सल टर्निंग लेद, प्लांट नं. 10891/डब्ल्यूएस का 05 वर्ष के लिए सीएएमसी। **कार्य स्थलः** पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, मुंगेर (बिहार), पिन–811214, **निविदा मूल्यः** रु. 1,10,92,000/–(जीएसटी @18% सहित)। **बोली प्रतिभूति/बयाना राशिः** रु.2,05,500/–, **निविदा कागजात का मूल्यः** शून्य, **समापन अवधिः** मशीन का सीएएमसी कार्य भौतिक रूप से शुरू होने की तिथि से 05 वर्ष (60 माह)। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 26.07.2025 को 13.00 बजे। **निविदा का माध्यमः** ओईएम मेसर्स अस्कर माइक्रोन प्रा. लि./मैसूर के साथ एकल ई–निविदा। **प्रस्ताव की वैधताः** निविदा के खुलने की तिथि से 60 दिन। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट का स्थान जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण आदि देखा जा सकता है:**(www.er.indianrailways.gov.in के साथ हाइपरलिंक्ड www.ireps.gov.in) एवं उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन), पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को। **टिप्पणीः** तत्पर संदर्भ के लिए, अनुबंध, अप्रैल–2022 की सामान्य शर्त को नवीनतम तिथि के सभी संशोधन स्लिप के साथ रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)–भारतीय रेल की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। कार्य परिधि एवं अन्य नियम और शर्तें निविदा कागजात में उपलब्ध हैं।

MISC-122/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा।
Email ID:- dddogarhwa@gmail.com Mobile no-9934347324

(पशुपालकों के लिए आम सूचना)।

गढ़वा जिला के ग्रामीण क्षेत्रों के दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों/स्वयं सहायता समूह के सदस्यों/सखी मण्डलों के सदस्यों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) के राज्यादेश संख्याः– 05 रा0 (वि0), दिनांकः– 16.06.2025 के द्वारा स्वीकृत प्रशिक्षण, प्रसार एवं कौशल विकास योजना अन्तर्गत प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास), धुर्वा रांची के पत्रांकः–275, दिनांकः–26.06.2025 के द्वारा में वित्तीय वर्ष 2025–26 अन्तर्गत गढ़वा जिला के लिए निर्धारित कार्यक्रम अनुसार राज्य के अंदर **दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन निम्नलिखित तिथियों के अनुसार प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, सेक्टर– 2, धुर्वा, रांची में किया जाना है।**

इच्छुक पशुपालक प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि से अनुशंसा के साथ पहचान पत्र (आधार कार्ड का छाया प्रति), दो पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो, अपने नाम का बैंक खाता पासबुक की छाया प्रति जिसमें खाता एवं IFSC Code स्पष्ट पठनीय हो के साथ आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करेंगे। **प्रशिक्षण संस्थान धूर्वा, रांची तक आने–जाने का मार्ग व्यय स्वयं वहन करना है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरान्त प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किये गये मार्ग व्यय की राशि को सीधे उनके बैंक खाता के माध्यम से प्रतिपूर्ति की जायेगी।**

वित्तीय वर्ष 2025–26 का प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है।
प्रशिक्षण का नाम– दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण प्रशिक्षण। (छः दिवसीय)

क0	दिनांक	सामान्य जाति (OSP)			अनुसूचित जाति (SCSP)			कुल योग
	प्रशिक्षण अवधि	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	
1.	15.07.2025 से 21.07.2025	10	6	16	2	2	4	**20**
2.	05.08.2025 से 11.08.2025	10	6	16	2	2	4	**20**
3.	12.08.2025 से 18.08.2025	10	6	16	2	2	4	**20**
4.	26.08.2025 से 01.09.2025	10	6	16	2	2	4	**20**
5.	11.11.2025 से 17.11.2025	10	6	16	2	2	4	**20**
6.	18.11.2025 से 24.11.2025	10	5	15	2	2	4	**19**
7.	02.12.2025 से 08.12.2025	10	5	15	2	2	4	**19**
8.	30.12.2025 से 05.01.2026	10	5	15	2	1	3	**18**
9.	27.01.2026 से 02.02.2026	10	5	15	2	1	3	**18**
10.	03.02.2026 से 09.02.2026	10	5	15	2	1	3	**18**
11.	10.02.2026 से 16.02.2026	10	5	15	2	1	3	**18**
	कुलः–	**110**	**60**	**170**	**22**	**18**	**40**	**210**

पशुपालकों के चयन हेतु अहर्ता :–

1. योजनाओं से लाभान्वित/चयनित लाभुकों एवं निकटतम डेरी में दूध आपूर्तिकर्ता सदस्यों को प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण में भेजा जाएगा।
2. दो/पांच/दस दुधारू गाय/भैंस की योजना का लाभ प्राप्त कर चुके चयनित लाभुकों के लिये गव्य प्रक्षेत्र अन्तर्गत प्रशिक्षण (छः दिवसीय) में प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
3. प्रशिक्षण अवधि सभी पशुपालकों के लिये छः दिवसीय निर्धारित है।
4. प्रशिक्षणार्थियों का बच्चा के साथ प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण संस्थान में आना वर्जित है। बच्चा के साथ आने पर प्रशिक्षणार्थी को लौटाया जाएगा जिसका मार्ग व्यय (वाहन भाड़ा) एवं दैनिक मजदूरी कार्यालय द्वारा देय नहीं होगा।
5. प्रशिक्षणार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड एवं बैंक खाता की मूल प्रति लाना अति आवश्यक है।

उम्र न्यूनत्म 18 वर्ष से अधिकतम 55 वर्ष के अंदर हो।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
गढ़वा।

PR 356688 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 25-26 (D)

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल फोन वॉइस कॉलिंग और इंटरनेट सेवा प्रभावित

आरा। शहरी क्षेत्र में रविवार को कई दूरसंचार कंपनियों की वॉइस कॉलिंग और मोबाइल इंटरनेट सेवा बाधित रही। यह समस्या दोपहर बाद से शुरू हुई, जो देर शाम तक रही। उपभोक्ताओं के भारत संचार निगम लिमिटेड और एक निजी दूरसंचार कंपनी लचर सेवा से परेशानी हुई। भारत संचार निगम लिमिटेड के अधिकारियों को सूचना दी गई है। निजी दूरसंचार कंपनी को सूचना दी गई थी। लेकिन सेवा में सुधार नहीं हो रहा है। इंटरनेट की स्पीड कम होने की भी शिकायत है।

गड़हनी में शांतिपूर्ण ताजिया जुलूस निकला

गड़हनी। रविवार को मुहर्रम के मौके पर नगर पंचायत क्षेत्र में ताजिया जुलूस निकाला गया। जुलूस को लेकर गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत और चरपोखरी थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के साथ बीडीओ, ईओ और कई थानों की पुलिस तैनात रही। गड़हनी के सात अलग-अलग अखाड़ों से ताजिया निकला। सभी ताजिया गड़हनी गोला पर आकर एक साथ मिले। इसके बाद तय रूट से जुलूस गड़हनी गांव में प्रवेश कर गया। गोला पर ताजिया के मिलान के दौरान थोड़ी देर के लिए जाम लगा। पुलिस की सतर्कता से जाम जल्द ही खत्म हो गया। गांव में तय रूट पर ताजिया घुमाया गया। इसके बाद सभी अखाड़ों ने अपने-अपने ताजिया को चौक पर रखा। ताजिया रखने के बाद लोग कब्रिस्तान जाकर अपने पूर्वजों को याद करते हैं।

युवाओं ने दिखाए हैरतंगेज कारनामे

बक्सर। या अली-या हुसैन की सदाओं के बीच मुहर्रम की 10वीं पर दर्जनों अखाड़े से शनिवार को रात करीब ढ़ाई बजे ताजिया जुलूस निकाला गया। जिसे नगर भ्रमण के बाद निर्धारित चौकी पर रखा गया। शहर के मेन रोड, ठठेरी बाजार चौक समेत अन्य चौराहे परंपरागत लाठी, भाला, तलवार समेत हथियारों के साथ मुस्लिम समुदाय के युवा शामिल हुए। पूरा शहर या अली-या हुसैन के नारों से गुंजायमान रहा। डीजे के धून पर मर्सिया की आवाज गूंजती रही। रविवार को शाम चार बजे भी ताजिया जुलूस निकाला गया। मुहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो इसके लिए प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्था की गई थी। हर चौक चौराहे पर दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती की गई थी। शहर के सभी संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारी के साथ सुरक्षाकर्मियों की प्रतिनियुक्त प्रशासन की तरफ से की गई थी। शहर के सिविल लाइन स्थित मस्जिद के इमाम ने बताया कि यह शोक और मातम का महीना है। इसमें लोग इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं। मुहर्रम इमाम हुसैन की शहादत से जुड़ा है। जुलूस में शामिल मो अहमद ने बताया कि इस पर्व में सभी वर्ग के लोगों का सहयोग मिलता है।

मर्यादित और संयमित रहा है प्रभु श्री राम का जीवन

बक्सर। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर लालबाबा आश्रम, बक्सर में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह कथा के चतुर्थ दिवस पर जगदुरु रामानुजाचार्य विद्या वाचस्पति आचार्य धर्मेन्द्र जी महाराज ने कहा कि नारायण बडे कृपालु हैं। उनकी कृपा सब पर बरसती रहती है। बस शर्त इतना ही है कि श्रद्धा से उन्हे याद किया जाय। याद करने में देरी हो सकती है, उनको दया करने में देर नही होती। इसके प्रमाण मे गजेन्द्र मोक्ष की कथा कही।श्रीमद्भागवत की कथा व नारायण नाम मे इतनी शक्ति है कि पापी भी नारायण नाम से गोविंद लोक का अधिकारी बन जाता है। इस कथन की पुष्टि में अजामिल मोक्ष की कथा कही आचार्य जी ने। प्रह्लाद चरित्र का वर्णन करते हुए जगदुरु रामाशनुजाचार्य विद्या वाचस्पति आचार्य धर्मेन्द्र ने कहा कि कोई जरूरी नहीं है कि उत्तम कुल मे उत्तम संतान हो और संस्कार हीन कुल में संस्करहीन संतान हो। इस सिद्धांत के प्रमाण में आचार्य जी ने कहा कि कश्यप ऋषि के कुल मे हिरन्याच्छ, हिरन्यकिश्यपू का आना और हिरन्यकिश्यपू के कुल मे भक्त राज प्रह्लाद के आने की कथा कही। साथ मे दीती और क्याधू के जीवनव्यवहार से गृहस्थों को शिक्षा लेने की सलाह दी। सूर्य वंश का वर्णन करते हुए अम्बरीष, सगर चरित्र पर प्रकाश डाला। फिर सागर मंथन के हेतु और मंथन से निकले रत्नो, नासिक, उज्जैन, प्रयाग, हरिद्वार चारों कुम्भों की कथा कही। उन्होंने गंगा अवतरण की कथा कहते हुए कहा गंगा जी दुनिया के पापियों को पाप से मुक्त करती हैं। जबकि गंगा जब अपवित्र होती है तो वैष्णव के स्नान मात्र से पवित्र हो जाती है। वर्तमान संदर्भ मे गंगाको प्रदूषण मुक्ति पर बल दिया।

सनातन जागरण रथ का हुआ स्वागत

बक्सर। पटना से विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे द्वारा रवाना किया गया सनातन जागरण रथ अब भगवान श्रीराम की पावन कर्मभूमि बक्सर पहुंचा। यह रथयात्रा बिहार के कोने-कोने में जाकर उन उपेक्षित सनातनी स्थलों के इतिहास को पुनर्जीवित करने का कार्य करेगी, जिनकी पहचान समय के साथ धुंधली पड़ गई है। सनातन संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के प्रचार-प्रसार के इस महाअभियान का उद्देश्य प्रदेश भर में एक सांस्कृतिक जागृति लाना है। इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे ने कहा कि बिहार की धरती पर सनातन का पुनर्जागरण केवल एक सांस्कृतिक यात्रा नहीं, बल्कि यह हमारी पहचान, परंपरा और आस्था को पुनर्स्थापित करने का संकल्प है। विश्वामित्र सेना का यह रथ बिहार के हर उस स्थान तक पहुंचेगा जहां सनातन को भुला दिया गया है, और उसे पुनः सम्मान दिलाएगा। बक्सर के गांव-गांव में पहुंचकर यह रथ विश्वामित्र ऋषि के संकल्प और सनातन धर्म की महिमा का संदेश जन-जन तक पहुंचा रहा है। लोगों में इस अभियान को लेकर उत्साह देखा जा रहा है और अनेक युवा, बुजुर्ग तथा महिलाएं इस रथयात्रा से जुड़कर सनातन के पुनर्जागरण का हिस्सा बन रहे हैं। वहीं लोगों ने सनातन जागरण रथ का भव्य स्वागत किया। विश्वामित्र सेना द्वारा संचालित यह जागरण रथ भविष्य में अन्य जिलों और धार्मिक स्थलों की ओर प्रस्थान करेगा, जहां सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सनातन धर्म का प्रसार किया जाएगा।

कांट के आजाद चबूतरा पर रखा गया ताजिया

ब्रह्मपुर। कादरिया कमेटी कांट के द्वारा कांट के आजाद चबूतरा पर युवाओं द्वारा ताजिया रखा गया। इस मौके पर युवा टीम ने अपने कला प्रदर्शन में देशभक्ति का आयब नमूना की पेशवाई की इसे देखने के लिए पूरे गांव के सभी धर्मों के लोग शामिल होकर इस तरह प्रदर्शन पर नौजवानों का हौसला अफजाई किए।हर वर्ष बड़े सौहार्दपूर्ण माहौल में ताजिया का कार्यक्रम आयोजित होते जिसमें हिंदू धर्म के भी लोग अपने को शामिल बनीठी, बाना,इत्यादि सभी प्रकार के कौशल प्रदर्शन करते है और कमेटी प्रोत्साहित करने इनाम भी देती है। कार्यक्रम के सफल आयोजन की जिम्मेवारी अध्यक्ष असलम अंसारी उपाध्यक्ष करीम अंसारी,सचिव बसीर अंसारी , नाजिर अंसारी,मंजूर अंसारी, ईजाद, मुना,जाकिर,नजाबुदीन ,सादिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।इस मौके पर राजद के जिला उपाध्यक्ष शशि राय ने कहा कि आज तक कभी भी हमारे गांव में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रहता है और हिन्दू के पर्व में सभी धर्म और समुदाय के लोग शामिल होते है। मुसलमान के भी पर्व में हिंदुओं की सहभागिता रही है।जो गंगा जमुना तहजीब की मिशाल है।

पंडित ऋषिकेश का जीवन संघर्ष की प्रेरक गाथा

ब्रह्मपुर। स्व पंडित ऋषिकेश तिवारी जी का जीवन त्याग, संघर्ष और जनकल्याण की प्रेरक गाथा है। आठ जुलाई को उनकी पुण्यतिथि मनाई जाएगी। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत किसी स्वार्थ या पद की लालसा से नहीं, बल्कि समाज के लिए कुछ कर गुजरने की भावना से की थी। स्व पंडित तिवारी जी का जन्म सन् 1929 में ब्रह्मपुर विधानसभा के निमेज़ गांव के एक सामान्य एवं संस्कारी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनके अंदर सेवा और समाज के प्रति जागरूकता थी। इन्हीं संस्कारों के कारण वे हमेशा दूसरों की मदद को तत्पर रहते थे। वो एक स्वतंत्रता सेनानी परिवार के सदस्य थे।1942 के आंदोलन में उनका घर अंग्रेजी सरकार द्वारा डायनामाइट से उड़ा दिया गया था एवं उनके बड़े भाई एवं उनके हाथी को गोली मारने का आदेश हो गया था। पंडित तिवारी ने अपने शुरुआती अध्ययन अपने गांव के ही स्कूल से पूरा किए। उसके पश्चात पटना विश्वविद्यालय से वकालत की पढ़ाई पूरा किए एवं बक्सर न्यायालय में प्रैक्टिस करने लगे। कुछ वर्षों तक वकालत कने के पश्चात पंडित तिवारी गांव में आपस आ गए एवं जनसेवा में लग गए।उन्होंने जनसेवा की भावना से अपने राजनीति जीवन की शुरुआत की एवं अपने पंचायत के सरपंच के रूप में चुनाव लड़े एवं विजयी हुए।पांच वर्षों तक सरपंच रहने के उपरांत पंचायत के मुखिया का चुनाव लड़े एवं पंद्रह वर्षों तक मुखिया के पद पर रहकर पंचायत का विकाश किया।

अखौरीपुर गोला में जर्जर सड़क से लोग परेशान

♦ कीचड़ और फिसलन से हर दिन हो रही दुर्घटनाएं, छात्र और मरीजों को परेशानी

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौसा नगर के अखौरीपुर गोला स्थित बजरंग मोड़ पर मुख्य सड़क की स्थिति अत्यंत खराब हो गई है। सड़क पर जमा कीचड़ और फिसलन से आम लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। बारिश के मौसम में यह समस्या और बढ़ गई है। चौसा रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के बाद नीचे की सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। धूल-मिट्टी की परत और पानी जमा होने से सड़क पर फिसलन बनी रहती है। यह मार्ग शहर के व्यस्त इलाकों को जोड़ता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को इस रास्ते से गुजरना बेहद खतरनाक हो गया है। पिछले सप्ताह फिसलन के कारण एक बाइक सवार युवक घायल हो गया। इसके अलावा कई साइकिल सवार भी गिरकर चोटिल हुए हैं। स्थानीय निवासियों ने कई बार जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से सड़क की मरम्मत की मांग की है। साथ ही फिसलन को रोकने के लिए तत्काल उपाय करने की अपील की है।

डुमरांव के स्कूल में मशाल खेल प्रतियोगिता

निज संवाददाता। बक्सर

❐ विधायक और प्राचार्य ने किया उद्घाटन, छात्रों ने दिखाया दम

डुमरांव के राज हाई स्कूल में सोमवार सुबह 10 बजे प्रखंड स्तरीय मशाल प्रतियोगिता शुरू हुई। यह प्रतियोगिता मशाल पोर्टल पर पंजीकृत प्रतिभाशाली बच्चों के लिए आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, साइकलिंग और वॉलीबॉल की प्रतिस्पर्धाएं हुईं। डुमरांव विधायक डॉ अजीत कुमार सिंह और विद्यालय के प्राचार्य अनुराग मिश्रा ने फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विधायक और प्राचार्य ने अपने संबोधन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका देते हैं। प्रतियोगिता की सफलता के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासनिक व्यवस्था की गई। डुमरा प्रखंड के कृषि समन्वयक श्यामजी यादव और मृत्युंजय कुमार को दंडाधिकारी नियुक्त किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। खेल के दौरान प्रतिभागियों में उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना देखी गई। इस कार्यक्रम में डुमरांव के विशाल कुमार, स्वीटी कुमारी, प्रेमा कुमारी, अंजलि गुप्ता, पिंकी कुमारी, आयुष पांडेय, लकी वर्मा सहित सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया।

बरसात व नमी से डेंगू का खतरा बढ़ा सदर अस्पताल में आठ बेड तैयार

निज संवाददाता। आरा

आरा बारिश और नमी के कारण डेंगू का खतरा एक बार फिर मंडराने लगा है। बदलते मौसम में मच्छरों की बढ़ती संख्या से डेंगू खतरे बढ़ सकते हैं। इसके मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गया है। इसके लिए आरा सदर अस्पताल में डेंगू मरीजों के लिए विशेष वार्ड तैयार किया गया है। इस वार्ड में कुल 8 बेड लगाए गए हैं। जो पूरी तरह से डेंगू उपचार की जरूरी सुविधाओं से लैस हैं। सिविल सर्जन कार्यालय के निर्देश पर सदर अस्पताल में बनाए गए डेंगू वार्ड में भर्ती मरीजों को अलग से मॉनिटर किया जाएगा। वार्ड में एंटी मच्छर जाली, नियमित सफाई, पीने के लिए साफ पानी, जरूरी दवाएं और प्रशिक्षित चिकित्सकों की तैनाती की गई है। डेंगू की जांच के लिए अस्पताल में किट की व्यवस्था कर दी गई है। मरीजों को भर्ती करने के लिए पर्याप्त संख्या में बेड तैयार हैं, साथ ही डॉक्टरों की टीम 24 घंटे ड्यूटी पर रहेगी। डेंगू से बचाव को लेकर जिले के एसीएमओ डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने लोगों को जागरूक रहने और कुछ सावधानियों का पालन करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि डेंगू फैलाने वाला एडीज मच्छर साफ पानी में पनपता है और दिन के समय काटता है। स्वास्थ्य विभाग की तैयारी और जागरूकता अभियान स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से बचाव के लिए गांवों और शहरों में जागरूकता अभियान भी शुरू किया है।

आईटीआई बक्सर में 9 जुलाई को प्लेसमेंट ड्राइव

टाटा मोटर्स और इनोदया समेत कई कंपनियां विभिन्न तकनीकी पदों पर करेंगी भर्ती

निज संवाददाता। बक्सर

युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर देने की दिशा में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), बक्सर में 9 जुलाई को एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट ड्राइव बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग एवं ITI बक्सर के संयुक्त देखरेख में आयोजित की जा रही है। बक्सर नियोजनालय के अधिकारी अनीश तिवारी ने जानकारी दी कि, 'इस जॉब कैंप में देश की कई प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी और मौके पर ही योग्य उम्मीदवारों का चयन करेंगी। मुख्य रूप से टाटा मोटर्स (पंतनगर) और इनोदया (बेंगलुरु) जैसी कंपनियों के स्टॉल लगाए जाएंगे, जो विभिन्न तकनीकी पदों पर उम्मीदवारों की भर्ती करेंगी।'

अभ्यर्थियों के लिए सुनहरा अवसरः उन्होंने बताया कि, 'यह अवसर खासतौर से ITI पास अभ्यर्थियों के लिए सुनहरा साबित हो सकता है। इस प्रकार के कैंप न केवल युवाओं को उनके कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराते हैं, बल्कि उन्हें बड़े औद्योगिक घरानों के साथ काम करने का प्लेटफॉर्म भी देते हैं।'

9 जुलाई को ITI बक्सर में प्लेसमेंट ड्राइवः बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 9 जुलाई को सुबह 10:00 बजे तक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), बक्सर में पहुंचे। सभी आवेदकों को अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की मूल और छायाप्रति, बायोडाटा, फोटोग्राफ, और आधार कार्ड साथ लाना आवश्यक होगा।

नहीं ली जाएगी रजिस्ट्रेशन फीसः प्लेसमेंट कैंप के लिए किसी प्रकार की रजिस्ट्रेशन फीस नहीं ली जाएगी और पूरी प्रक्रिया मुफ्त होगी। इस पहल से न केवल स्थानीय युवाओं को फायदा होगा, बल्कि क्षेत्र में रोजगार दर बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। ITI बक्सर समय-समय पर इस प्रकार के रोजगार कैंप आयोजित करता रहा है, जिससे सैकड़ों युवाओं को निजी क्षेत्र की नामचीन कंपनियों में नौकरी मिली है। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाए रखने और व्यवस्था को सफलतापूर्वक संचालित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दे दिए हैं।

9 जुलाई को पूर्णिया से होगा पहला मुकाबला, 16 जिले की टीमें ले रही हैं भाग

निज संवाददाता। आरा

अंडर-17 बालक जूनियर स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए वीर कुंवर सिंह स्टेडियम, आरा मे भोजपुर के खिलाड़ियों को ट्रायल हुआ। ट्रायल में कुल 29 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों में कनिष्क कुमार, मणि कुमार सिंह, राज सिंह, आनंद राज पांडे, छोटू राज, प्रिंस कुमार सिंह, अमित राज सिंह, चिराग पासवान, शंकु कुमार, हिमांशु सिंह, युवराज कुशवाहा, सूरज कुमार, करण राज, मयंक कुमार, विश्वकर्मा सिंह, अंकुश कुमार, पीयूष कुमार एवं पवन कुमार। भोजपुर फुटबॉल संघ के सचिव रविंद्र कुमार ने बताया कि इस चैंपियनशिप में राज्य के 38 में से 16 जिलों को भाग लेने की अनुमति मिली है। भोजपुर जिला टीम का पहला मुकाबला 9 जुलाई को पूर्णिया जिला से होगा। टीम 8 जुलाई को टाटा पटना एक्सप्रेस से जमुई के लिए रवाना होगी। टीम के कोच की जिम्मेदारी विनीत गौतम को दी गई है, जबकि टीम मैनेजर की भूमिका में मोहम्मद शमशाद रहेंगे। चयन समिति में जिले के वरिष्ठ खिलाड़ी लाल बहादुर लाल, डॉ. रंजन कुमार सिंह, सौरव सिंह, विनीत गौतम, मोहम्मद शमशाद एवं राजकुमार रविराज शामिल थे। सहयोगियों के रूप में सुनील कुमार, गोलू कुमार, विनय सिंह, बच्चा सिंह, संजीव कुमार एवं देव राणा सिंह की उपस्थिति रही। मौके पर डॉ. एस.एम. ईशा (मुख्य संरक्षक, जिला फुटबॉल संघ), अध्यक्ष राममूर्ति प्रसाद, उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. अनिल सिंह, सुधीर कुमार सिंह, सह सचिव अशोक मानव, संरक्षक इंद्रदीप नारायण सिंह, लाल शरण सिंह, अरविंद कुमार सिंह, सुनील सिंह, रामकुमार सिंह, पप्पू सिंह, शशिभूषण सिंह, अजय कुमार सिंह, मोहन कुमार सिंह, जीतू चंद्रवंशी, मोहम्मद अशफाक, राजेश कुमार, मुकेश सिंह, धर्मेश उपाध्याय, राजेंद्र प्रसाद, सूर्यदेव सिंह, धनजी, पवन कुमार, वीर बहादुर यादव, मोहम्मद असलम, बुटन जी एवं रणधीर सिंह उपस्थित थे।

डुमरांव में 12 साल का बच्चा 8 दिन से लापता

♦ दोस्तों के साथ घर से निकला था, परिजनों की तहरीर पर थाने में शिकायत दर्ज

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के नया भोजपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 8 से 12 वर्षीय अरशद कुरेशी 24 जून से लापता है। अरशद अपने दोस्तों के साथ घर से निकला था। उसके बाद से वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने बच्चे की काफी खोजबीन की। कहीं भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिवार ने नया भोजपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पिता गुड्डू कुरैशी ने बताया कि बच्चे की गुमशुदगी से पूरा परिवार चिंतित है। गांव के लोग भी अरशद की गुमशुदगी से परेशान हैं। वे पुलिस से जल्द से जल्द बच्चे को ढूंढने की मांग कर रहे हैं। थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम बच्चे की तलाश कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है। अगर किसी को भी अरशद के बारे में कोई जानकारी मिले तो वह तुरंत थाने को सूचित करे।

मतदाता सूची में मोबाइल से जोड़ सकते हैं नाम

डुमरांव एसडीएम ने बताया तरीका बोलें- वोटर हेल्पलाइन ऐप से कर सकते हैं सत्यापन

निज संवाददाता। बक्सर

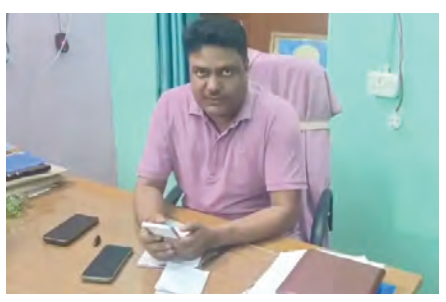

बक्सर के डुमरांव के एसडीएम राकेश कुमार ने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या सुधार की प्रक्रिया अब डिजिटल हो गई है। मतदाता अब वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से घर बैठे ही अपनी मतदाता सूची का पुनरीक्षण कर सकते हैं। यह प्रक्रिया मात्र कुछ मिनटों में पूरी हो जाती है।एसडीएम ने पुनरीक्षण की आवश्यकता के कारणों को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि के कारण नए मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। साथ ही मृतक मतदाताओं के नाम और कभी-कभी अवैध नागरिकों के नाम भी सूची में शामिल हो जाते हैं। एसडीएम ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए निर्वाचक नामावली की शुद्धता आवश्यक है।

कर्बला के शहीदों की याद में निकाला गया मातमी जुलूस

निज संवाददाता। आरा

मुहर्रम के अवसर पर रविवार को 10वीं तारीख यानी "यौमे आशूरा" के दिन आरा शहर में परंपरागत रूप से मुहर्रम का मातमी जुलूस निकाला गया। शिया समुदाय की अगुवाई में यह जुलूस महादेवा महाजन टोली नंबर1 स्थित डिप्टी शेर अली के इमामबाड़ा से सुबह 9 बजे निकला, जो महादेवा रोड, धर्मन चौक, टाउन थाना, नाला मोड़, पुरानी पुलिस लाइन होते हुए छोटी कर्बला मौलाबाग में जाकर समाप्त हुआ। ताजिया जुलूस में कर्बला के शहीद हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की कुर्बानी को याद कर नौहा पढ़ा गया और मातम किया गया। शिया समुदाय के लोगों ने काले वस्त्र पहन कर शोक व्यक्त किया। शिया समुदाय द्वारा जुलूस में निकले ताजिए ढोल-नगाड़े व बैंड-बाजे के साथ काफी आकर्षक दिख रहे थे। गोपाली चौक और शीश महल चौक पर युवाओं ने गोल जमा कर आकर्षक तलवारबाजी, कलाबाजी और अन्य पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया।

संक्षिप्त समाचार

गुमला के घाघरा में किराना दुकान से चोरी: 45 हजार का सामान व नकदी ले गए चोर,

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के घाघरा चांदनी चौक नेतरहाट रोड स्थित मां लक्ष्मी स्टोर में चोरी की वारदात हुई है। दुकान के मालिक को सुबह दुकान खोलने पर चोरी का पता चला। उन्होंने देखा कि दुकान की छत पर लगी शीट हटी हुई थी। सामान बिखरा पड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुनीत कुमार मिंज, एसआई विकास कुमार और उपेंद्र पाठक मौके पर पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज में दो अज्ञात चोर नजर आए। चोरों ने एक सीसीटीवी कैमरे का तार काट दिया और दूसरे को मोड़ दिया। दुकान से करीब 10,000 रुपए की नकदी, 4 चांदी के सिक्के और 35,000 रुपए का एलईडी टीवी चोरी हुआ है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

कोल्हान प्रमंडल के शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 तक

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड शैक्षिक, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक शशि रंजन के द्वारा शिक्षकों के सतत पेशेवर विकास कार्यक्रम के अवधि को विस्तार दिया गया है। कोल्हान प्रमंडल अंतर्गत वर्ग 1 से 8वीं तक के शिक्षकों का सतत पेशेवर विकास के अंतर्गत ऑनलाइन प्रशिक्षण पूर्व में 1 से 30 जून तक निर्धारित था। किंतु यह ऑनलाइन प्रशिक्षण का बृहद कार्यक्रम पहली बार हुआ। जिसमें कई शिक्षकों का प्रशिक्षण अभी तक पूर्ण नहीं हो पाया है। इसे ध्यान में रखते हुए कोल्हान प्रमण्डल के वर्ग 1 से 8वीं तक के शिक्षकों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण का समय 10 जुलाई तक विस्तार करने का निर्णय लिया गया है। यदि 10 जुलाई तक शेष शिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण नहीं किया जाता है, तो प्रशिक्षण पूर्ण नहीं करने वाले शिक्षकों के विरूद्ध यथोचित कार्रवाई प्रारंभ करने की बात निदेशक के द्वारा कही गई है। साथ ही प्रशिक्षण के लिए समय का विस्तार किसी भी दशा में नहीं किया जाएगा।

रांची के गौरव खेमका की बड़ी सफलता, देशभर में हासिल की 42वीं रैंक

रांची, एजेंसी। सपनों की ऊंचाई तब तय होती है जब मेहनत की उड़ान लंबी हो।卐 रांची के डंगराटोली निवासी गौरव खेमका ने यह साबित कर दिखाया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा मई 2025 में आयोजित सीए फाइनल परीक्षा में गौरव ने अखिल भारतीय स्तर पर 42वीं रैंक हासिल की है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने न सिर्फ रांची परीक्षा केंद्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया, बल्कि शहर और राज्य का नाम रोशन भी किया।सीए फाइनल परीक्षा के नतीजों में रांची से गौरव खेमका टॉप पर रहे, जबकि रिद्धिमा अग्रवाल द्वितीय, अर्पित राज तृतीय, वंश फोगला चतुर्थ और शिवम लाखोटिया पंचम स्थान पर रहे।सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में रांची से अभिनव कल्याणी, विदथ भारद्वाज, राधिका काबरा, प्रियांशु कुमार और आराध्य राज ने शीर्ष पांच स्थान प्राप्त किए। इन प्रतिभाशाली छात्रों की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि रांची का शैक्षणिक माहौल अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

सीएम सोशल मीडिया पर एक्टिव, दिल्ली से सुलझाई दर्जनों शिकायतें

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 जून से अपने पिता शिबू सोरेन के इलाज को लेकर दिल्ली में हैं। राज्य से दूर रहने के बावजूद सीएम सभी प्रशासनिक कार्यों पर नजर बनाये हुए हैं। मुख्यमंत्री लगातार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से न केवल आलाधिकारियों को निर्देशित कर रहे हैं, बल्कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित करा रहे हैं। सीएम हेमंत सोरेन ने दिल्ली से अब तक एक दर्जन से अधिक जनशिकायतों का निपटारा किया है। इनमें स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, और दिव्यांगजनों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से ही उन्होंने घायल अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विमल तिकी को शीघ्र बेहतर इलाज कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। वहीं मूकबधिर सौम्या को आवश्यक मशीन मुहैया कराने का भी आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने सभी मामलों में व्यक्तिगत दिलचस्पी दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत जरूरी निर्देश दिया।

सरकारी दफ्तर में सिगरेट पीना कर्मचारी को पड़ा महंगा,
सीएम के निर्देश पर डीसी ने किया सस्पेंड

रांची, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के एक सरकारी कार्यालय में खुलेआम सिगरेट पीने पर एक कर्मचारी के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर उपायुक्त चंदन कुमार ने कर्मचारी को निलंबित कर दिया है। कर्मचारी की पहचान जगन्नाथपुर प्रखंड कार्यालय के जन सेवक, जगमोहन सोरेन के रूप में हुई है। साथ ही उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को लापरवाह कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को भी कहा है।

दरअसल, एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सरकारी कर्मचारी जगमोहन सोरेन कार्यालय में बैठकर सिगरेट पीते दिख रहे थे। यह बात सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंच गई। इस वीडियो को के।देवराज हेस्सा नामक शख्स ने मुख्यमंत्री को टैग करते हुए एक्स पर पोस्ट किया था। इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फौरन संज्ञान लिया। उन्होंने सख्त नाराजगी जताते हुए पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त को टैग कर लिखा कि विधि-सम्मत कठोर कार्रवाई करते हुए सूचना दें। यह स्थिति बिल्कुल बर्दाश्त के काबिल नहीं है।

मुख्यमंत्री का निर्देश मिलते ही पूरा जिला प्रशासन संबंधित कर्मचारी की पहचान करने में जुट गया। पहचान होते ही उपायुक्त ने संबंधित कर्मचारी को फौरन सस्पेंड कर मुख्यमंत्री को बताया कि वीडियो में प्रदर्शित सरकारी कार्यालय में अशोभनीय कृत के लिए जगमोहन सोरेन- जन सेवक को झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2016 के कंडिका 9(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और उप विकास आयुक्त को विधिवत अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया है।

वहीं, के।देवराज हेस्सा ने मामले पर फौरन संज्ञान लेने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार जताते हुए लिखा कि सरकारी दफ्तर में बरते जा रहे अशोभनीय आचरण के विरुद्ध आधी रात को आपका एक्शन मोड में होना यह बताता है कि राज्य के प्रहरी मुख्यमंत्री जनसमस्याओं के प्रति सदैव सजग हैं।

बता दें कि 11 जून 2025 को ही सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण विनियमन) (झारखंड संशोधन) विधेयक, 2021 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की स्वीकृति मिली थी। इसके तहत झारखंड में सार्वजनिक स्थान यानी पब्लिक प्लेस में सिगरेट पीते पकड़े जाने पर 1000 रुपए का जुर्माना लगेगा। इस संशोधन विधेयक को करीब चार साल पहले हेमंत सरकार ने विधानसभा से पारित कराया था। इस संशोधन विधेयक के स्वीकृत होने से पहले तक राज्य में पब्लिक प्लेस में सिगरेट पीने पर 200 रुपए जुर्माना का प्रावधान था जो अब पांच गुणा बढ़कर 1000 रुपए हो गया है।

हजारीबाग के इस सरकारी कार्यालय में बड़ा हादसा, बारिश के बीच ढह गयी जर्जर चहारदीवारी

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के जीएसटी राजस्व संग्रहण कार्यालय राज्य-कर भवन में रविवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। यहां भवन के पिछले हिस्से में स्थित जर्जर चहारदीवारी अचानक ढह गई। इससे लोगों में असुरक्षा बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, हजारीबाग शहर के महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में से एक जीएसटी राजस्व संग्रहण कार्यालय राज्य-कर भवन के पिछले हिस्से (कचहरी तरफ का भाग) में जर्जर दीवार अचनक पूरी तरह गिर गया।

यह घटना हर दिन रूक-रूक कर हो रही बारिश के बीच हुई। बताया जाता है कि यह दीवार बहुत पुरानी और जर्जर हो चुकी थी। लेकिन काफी लंबे समय से कभी भी चहारदीवारीकी कोई मरम्मती नहीं हुई थी। चहारदीवारी गिरने से इसमें लगे ईंट और प्लास्टर झड़कर जमीन पर गिर रहे हैं।

इधर, संबंधित अधिकारियों ने कार्यालय का दीवार गिरने की जानकारी रांची मुख्यालय को दे दी है। इसमें बताया गया है कि पहले की बनी हुई चहारदीवारी काफी जर्जर हो गई है। वहीं, शुरूआती बारिश में जर्जर चहारदीवारी गिरकर धाराशायी हो गई है। इससे राज्य-कर भवन परिसर में असुरक्षा बढ़ी है। परिसर के अंदर दर्जनों पुरानी गाड़ियां खड़ी हैं।

वहीं, चेकिंग के दौरान अधिकारियों की ओर से पकड़ी गई विभिन्न तरह की सामान लोडेड गाड़ियों को परिसर में खड़ा कर सुरक्षित रखा जाता है। लेकिन दीवार के टूट जाने से गाड़ियों में रखे सामान और अन्य चीजों का रख-रखाव असुरक्षित हो गया है। इसकी मरम्मती या फिर नये सिरे से चारदिवारी के निर्माण कार्य करने को लेकर विभाग से मांग की गई है।

तालाब में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मौत, गांव में मची चीख-पुकार

रनिया, एजेंसी। खूंटी जिले के रनिया थाना क्षेत्र के बघिया आरसी टोली में नहाने गए दो बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गयी। घटना कल रविवार की शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है। मृतकों की पहचान 10 वर्षीय आशीष केरकेट्टा और 9 वर्षीय बिल्फ्रेड मड़की के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कल रविवार को दोनों बच्चे नहाने के लिए तालाब गए थे। शाम होने के बाद भी जब बच्चे वापस घर नहीं लौटे तो परिजनों ने पड़ोसियों के घरों में खोजबीन खोजबीन शुरू की। लेकिन, रात तक बच्चों की कोई जानकारी नहीं मिली।

आज सोमवार की सुबह तालाब किनारे शौच करने गए गांव के एक व्यक्ति ने तालाब में बच्चों का शव देखा और इसकी जानकारी ग्रामीणों को दी। इसके बाद ग्रामीणों ने दोनों शवों को तालाब से बाहर निकाला। घटना की जानकारी पाकर रनिया थाना पुलिस बघिया गांव पहुंची और दोनों किशोर के परिजनों से घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के सदर अस्पताल खुंटी भेज दिया है। इधर घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुण्यतिथि पर याद किए गए जगजीवन राम, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

चाईबासा, एजेंसी। भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर रविवार को कांग्रेस भवन, चाईबासा में कांग्रेसियों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेसियों ने कहा कि बाबू जगजीवन राम आजादी की लड़ाई से ही शोषितों और वंचितों की आवाज को उठाने का बीड़ा उठाया था। खुद के जीवन में शोषण के खिलाफ बगावत करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन का झंडा उठाकर दलित-पिछड़ों को सम्मान दिलाने के मिशन की अगुवाई का उदाहरण पेश किया।

संसद में जनप्रतिनिधि, उप प्रधानमंत्री, कई महत्वपूर्ण विभागों में केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष एवं विचारक की भूमिका में उनका योगदान अतुलनीय है। बाबू जगजीवन राम ने देश को सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक अधिकारों की ताकत का एहसास कराया।

इस दौरान कांग्रेसियों ने उनके सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलते रहने का संकल्प लिया। मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, महासचिव लियोनार्ड बोदरा, प्रवक्ता त्रिशानु राय, शिक्षा विभाग चेयरमैन पुरुषोत्तम दास पान, सोशल मीडिया चेयरमैन रवि कच्छप, नगर अध्यक्ष मो।सलीम, वरीय कांग्रेसी सुरसेन टोपनो, महीप कुदादा, नंद गोपाल दास, नगर उपाध्यक्ष सुभाष राम तुरी मौजूद थे।

कंपोजिट यूजर शुल्क मामले में हाईकोर्ट के फैसले से प्रार्थियों को बड़ी राहत, इस दिन होगी अगली सुनवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड हाइकोर्ट में कंपोजिट यूजर शुल्क मामले में दायर 100 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई की गयी। अदालत ने प्रार्थियों को अस्थायी राहत दी है। जानकारी के अनुसार, मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने की। इसमें सुनवाई की अगली तारीख 6 अगस्त की है।

खंडपीठ ने राज्य सरकार के महाधिवक्ता के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए कहा कि प्रार्थियों को अस्थायी राहत दी जा रही है। इस शुल्क के बिना ही उन्हें परमिट मिलते रहेंगे। खंडपीठ ने सभी याचिकाओं को एक साथ सूचीबद्ध करते हुए अगली सुनवाई की तारीख छह अगस्त तय की है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन व अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा।

इन्होंने खंडपीठ को बताया कि अभी इस शुल्क की वसूली नहीं की जायेगी। स्पष्ट किया कि भले ही यह शुल्क जिम्मस पोर्टल पर दिख रहा हो। लेकिन प्रार्थियों को वर्तमान में इसे चुकाने की कोई आवश्यकता नहीं है। महाधिवक्ता राजीव रंजन व अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने कहा, हालांकि यह शुल्क प्रार्थियों द्वारा देय दिखाया जा रहा है। लेकिन उन्हें वर्तमान में इसका भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। उनके द्वारा भुगतान किये बिना भी अपेक्षित परमिट जिम्मस पोर्टल के माध्यम से जारी किये जायेंगे।

वहीं, रिट याचिकाओं पर निर्णय होने के बाद, जिसके लिए सुनवाई की जल्द तारीख मांगी गयी है। अगर फैसला प्रतिवादियों के पक्ष में होता है, तो उक्त राशि का संग्रह किया जायेगा। महाधिवक्ता की बातों को खंडपीठ ने कोर्ट के रिकॉर्ड पर लिया। वहीं, प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता सुमित गाडोदिया और अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा ने बहस की।

इन्होंने खंडपीठ को बताया कि राज्य सरकार खनन कार्यो से संबंधित परमिट जारी करने के लिए 1200 रुपये का कंपोजिट यूजर शुल्क ले रही है। यह राशि झारखंड माइंस एंड मिनरल्स पोर्टल (जिम्मस पोर्टल)) पर जोड़ दी जाती है, जो कि पूरी तरह से गैरकानूनी है। अधिवक्ता गाडोदिया ने कहा कि यह शुल्क बिना किसी वैध अधिसूचना के लगाया जा रहा है। राज्य सरकार का ऐसा कोई अधिकार नहीं बनता कि वह एकतरफा तरीके से इस तरह का शुल्क तय करे। खनन विभाग द्वारा लगाया जा रहा शुल्क अवैध व उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

ट्रैक के नजदीक हाथी के आते ही कंट्रोल व चालक को मिलेगी सूचना

धनबाद, एजेंसी। रेलवे ट्रैक के समीप आने वाले हाथियों की निगरानी के लिए धनबाद-गया ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन में चिचाकी-हजारीबाग रोड और केशवारी व चौबे अनुभाग में आइडीएस (इंटूजन डिटेक्शन सिस्टम) से लैस करने की कवायत तेज हो गयी है। जरूरी प्रक्रिया पूरी कर रेलवे की ओर से टेंडर की प्रक्रिया की गयी है। इसका फायदा आने वाले दिनों में मिलने लगेगा।

सिस्टम के चालू होने के बाद जहां ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होने से बचेगी। वहीं दूसरी ओर ट्रेन की टक्कर से हाथियों की मौत नहीं होगी। रेलवे की ओर से जनवरी माह में भी इसकी प्रक्रिया की गयी थी। दूसरे जगहों पर लगे सिस्टम की टेस्टिंग का इंतजार किया जा रहा है।

हाथियों के रेलवे ट्रैक के पास पहुंचते ही रेलवे को इसकी जानकारी मिल जायेगी। समय रहते ट्रेनों को रोक दिया जायेगा या सावधानी के साथ चलाया जायेगा। इसके लिए रेलवे की ओर से ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन को आइडीएस (इंटूजन डिटेक्शन सिस्टम) से लैस किया जायेगा।

25 जुलाई तक टेंडर डाला जायेगा। काम आवंटित होने के छह माह में काम पूरा कर लेने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसकी सेंट्रलाइज्ड मॉनिटरिंग धनबाद से होगा। हजारीबाग को भी कंट्रोल का अधिकार दिया जायेगा।

यह उपकरण धनबाद रेल मंडल में पहली बार इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि दूसरे रेल मंडलों में भी इसे लगाया गया है। ट्रैक के करीब आने वाले हाथी या फिर हाथी के बच्चे की पहचान करने के लिए एआइ का इस्तेमाल किया जायेगा। प्रणाली में हाथी व उसके बच्चे के चित्र को डाला जायेगा। यह प्रणाली तभी काम करेगी, जब हाथी या हाथी का बच्चा सामने आये। इसके अलावा दूसरा कोई भी जानवर इस प्रणाली के करीब आता है, तो यह काम नहीं करेगा। आइडीएस के तहत ओएफसी केबल को जमीन के नीचे बिछाया जाता है। साथ ही सेंसर लगाये जायेंगे। हाथी जब केबल के नजदीक आयेंगे, तो यह कंट्रोल रूम को सूचना देगा। साथ ही ग्रेंड कॉड लाइन में चल रहे लोको पायलट को इसकी सूचना मिल जायेगी और लोको पायलट ट्रेन को रोक देगा। ट्रैक क्लीयर होने पर ही ट्रेन पास होगी। यह प्रणाली हजारीबाग रोड के 40 किलोमीटर अप व डाउन लाइन को कवर करेगी। सिस्टम को चिचाकी-हजारीबाग रोड और केशवरी-चौबे तक लगाया जाना है। यह गोमो के पास से लेकर कोडरमा तक कवर करेगा। इसके लिए चार करोड़ 83 लाख 62 हजार 797 रुपये का प्राक्कलन तैयार किया गया है।

मुख्य मंदिर लौटे प्रभु जगन्नाथ, रथ खींचने उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा भी हुए शामिल

खरसावां, एजेंसी। हरिभंजा में कल शनिवार की देर शाम चतुर्था मूर्ति प्रभु जगन्नाथ, बलभद्र, देवी सुभद्रा व सुदर्शन की बाहुड़ा यात्रा निकाली गयी। भक्तों के समागम, जय जगन्नाथ की जयघोष, शंखध्वनी व पारंपरिक हुल-हुली के बीच भाई-बहन के साथ प्रभु जगन्नाथ अपने मौसी के घर गुंडिचा मंदिर से वापस श्रीमंदिर लौटे। सैकड़ों भक्तों ने श्रद्धा व उत्साह के साथ भगवान जगन्नाथ के नंदीघोष को खींच कर गुंडिचा मंदिर से श्रीमंदिर तक पहुंचाया। आम भक्तों के साथ-साथ पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी प्रभु जगन्नाथ के रथ को खींचा। इस दौरान सभी धार्मिक रीति-रिवाजों को निभाया गया।

हरिभंजा में रथ पर प्रभु की महाआरती आरती हुई साथ ही अधरपणा व छप्पन भोग भी लगाया गया। इसके बाद चतुर्था मूर्ति को रथ से श्री मंदिर के गर्भ गृह में ले जाकर रत्न सिंहासन में आरुढ़ कर महाआरती की गयी। साथ ही भव्य श्रंगार किया गया। मौके पर प्रभु जगन्नाथ की ओर से मां लक्ष्मी को रसगुल्ला भेंट किया गया। बाहुड़ा रथ यात्रा के सभी धार्मिक रस्मों को मंदिर के मुख्य पुरोहित प्रदीप कुमार दाश, भरत त्रिपाठी समेत अन्य सेवायतों ने संपन्न कराया। मौके पर हरिभंजा के जमीनदार विद्या विनोद सिंहदेव, संजय सिंहदेव, राजेश सिंहदेव, पृथ्वीराज सिंहदेव समेत अन्य उपस्थित रहें।

बाहुड़ा यात्रा की समाप्ती पर हरिभंजा के मंदिर में प्रभु जगन्नाथ नें मां लक्ष्मी को उपहार में रसगुल्ले भेंट किये। मान्यता है कि 8 दिनों तक भाई-बहन के साथ गुंडिचा मंदिर में प्रभु जगन्नाथ के रहने के कारण मां लक्ष्मी प्रभु जगन्नाथ से नाराज हो जाती है। जब प्रभु जगन्नाथ 9वें दिन गुंडिचा मंदिर पहुंचते हैं, तो मां लक्ष्मी अंदर से दरवाजा बंद कर देती है। इसमें भी भक्तों की दो टोली रहती है। एक प्रभु जगन्नाथ के साथ तो दूसरा मां लक्ष्मी के साथ। इस दौरान पांच मीनट तक दोनों के बीच नोक-झोंक होती है। काफी मान-मनौवल के बाद मां लक्ष्मी अंदर से दरवाजा खोलती है। तब प्रभु जगन्नाथ मां लक्ष्मी को उपहार स्वरुप रसगुल्ले भेंट करते है।

डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करें : मुंडा

चाईबासा, एजेंसी। भाजपा जिला कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने सर्वप्रथम माल्यार्पण किया। इसके उपरांत सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनकी विचारधारा आज भी भारतीय जनता पार्टी की प्रेरणा स्रोत है। हमें उनके सपनों का भारत गढ़ने के लिए कार्य करना है। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता जे।बी। तुबिद और पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने भी डॉ। मुखर्जी के जीवन और योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने डॉ। मुखर्जी को भारतीय राजनीति के एक सच्चे राष्ट्रनायक के रूप में स्मरण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुवर गागराई, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, जितेंद्र नाथ ओझा,प्रदेश प्रवक्ता जे।बी। तुबिद, पूर्व विधायक गुरु चरण नायक,अशोक सारंगी, गीता बलमुचू समेत काफी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

ज्वेलरी शॉप की रूफिंग शीट को काट महिला ने चुराए लाखों के आभूषण, सीसीटीवी में कैद हुई पुरी घटना

चक्रधरपुर, एजेंसी। गुदड़ी बाजार चक्रधरपुर में रविवार की सुबह एक सनसनीखेज चोरी की घटना सामने आई है। यहां एक अज्ञात महिला चोर ने नरेश प्रसाद ज्वेलर्स एंड बर्तन हाउस दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया।

यह घटना रविवार की अहले सुबह करीबन 2-50 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह जब दुकान के मालिक राजु कसेरा ने दुकान खोला तो देखा कि उपर के अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण रखने वाले शो स्टैंड काउंटर पर रखा हुआ था। इसके बाद वह काउंटर में जा कर बैठ गए तब उन्होंने देखा कि सामने छत की ओर से तेज रौशनी आ रही है। यह देख वह चौंक गए। इसके बाद वह ठीक से छत को देखा तो छत में लगा हुआ स्टील आयरन रूफिंग शीट कटा हुआ मिला।इसके बाद उन्होंने ने दुकान में लगी सीसीटीवी डीवीआर की रिकॉर्डिंग फुटेज को प्लेबैक कर चेक किया तो उन्हें पता चला कि अहले सुबह 02-50 से 55 बजे के बीच सलवार जंपर पहनी एक महिला मुंह में पट्टी बांध दुकान में रखे आभूषणों की चोरी करती दिखाई पड़ी।

साथ ही फुटेज में दिखा कि महिला रूफिंग शीट को काट कर दुकान के भीतर चोरी करने घुसी थी। रूफिंग शीट को काटने के दौरान महिला की हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया, जिससे पूरे दुकान में और गेट के पास खून के धब्बे मिलना शुरू हो गए।

माना जा रहा है कि यही खून के निशान अब इस चोरी के जांच की सबसे बड़ी कड़ी साबित हो सकते हैं। चोरी की खबर मिलते ही थाना प्रभारी अवधेश कुमार मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। दुकान में लगे सीसी फुटेज को खंगालने पर महिला की तस्वीरें साफ-साफ सामने आईं।महिला ने बड़ी ही चतुराई से घटना को अंजाम दिया, लेकिन जख्मी होने की वजह से वह अपने सुराग भी पीछे छोड़ गई है। पुलिस अब आसपास के सरकारी अस्पतालों और निजी नर्सिंग होम से जानकारी जुटा रही है, जहां किसी महिला का कटे हाथ का इलाज हुआ हो।

अनुमान लगाया जा रहा है कि घायल अवस्था में महिला को कहीं न कहीं इलाज जरूर कराना पड़ा होगा। गुदड़ी बाजार में यह पहली बार है जब किसी महिला ने इतनी बड़ी चोरी को अंजाम दिया है। इससे न केवल स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल बन गया है, बल्कि पुलिस भी इसे बेहद गंभीरता से ले रही है।चोरी गए गहनों की कीमत लाखों में आंकी गई है। दुकान के मालिक ने अज्ञात महिला चोर के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस टीम महिला की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

परिवार ने रचा मौत का खेलः पत्नी और बेटी ने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई मेरठ में युवक की हत्या

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के एक और हत्याकांड ने सबको हैरान कर दिया है। कुछ दिन पहले ही मेरठ की मुस्कान ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी और शव के टुकड़ों को नीले ड्रम में डालकर सीमेंट से भर दिया था। लेकिन 2 हफ्ते पहले हुए हत्याकांड के नए खुलासों ने सबको चौंका दिया है। 23 जून को सुभाष नाम के व्यक्ति की हत्या हुई थी, जिसमें उसकी पत्नी और बेटी दोनों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि पत्नी और बेटी ने अपने-अपने प्रेमियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी।

मेरठ के एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा के मुताबिक, सुभाष 23 जून को खेत में पानी लगाने के बाद वापस लौट रहा था। रास्ते में उसे बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी। घायल अवस्था में सुभाष को अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ घंटों के बाद उसका निधन हो गया था। इस मामले में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मेरठ के एसपी ग्रामीण राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पूरे घटनाक्रम में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें मृतक सुभाष की पत्नी कविता और बेटी सोनम भी शामिल हैं। सोनम का दोस्त विपिन भी इस हत्याकांड में गिरफ्तार हुआ है। अन्य आरोपियों में गुलजार (सुभाष की पत्नी का प्रेमी) और अजगर उर्फ शिवम शामिल हैं।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सुभाष की बड़ी बेटी पहले ही लव मैरिज कर चुकी थी। इसी तरह दूसरी बेटी सोनम अपने दोस्त विपिन के साथ लव मैरिज करना चाहती थी। गुलजार नाम के आरोपी के साथ सुभाष की पत्नी के संबंध थे। इन बातों को लेकर सुभाष का पत्नी और बेटी के साथ वाद-विवाद बना रहता था। मां-बेटी ने मिलकर सुभाष को रास्ते से हटाने की प्लानिंग की। अधिकारी ने बताया कि सुभाष की पत्नी और बेटी ने ही अपने-अपने प्रेमियों को इस प्लानिंग में शामिल किया। विपिन, गुलजार और उनके एक दोस्त अजगर उर्फ शिवम ने सुभाष पर 23 जून को हमला किया था। अजगर उर्फ शिवम ने सुभाष को गोली मारी थी, जिसकी निशानदेही पर हथियार को बरामद किया जा चुका है। पुलिस फिलहाल आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

तबादलों, ऑनलाइन हाजिरी के खिलाफ शिक्षक करेंगे विरोध प्रदर्शन, 31 को हर जिले में होगा विरोध

लखनऊ, एजेंसी। सरकार की शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी नीतियों के खिलाफ 31 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों पर माध्यमिक शिक्षक धरना व प्रदर्शन करेंगें। इस निर्णय रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पांडेय गुट) की दारुलशफ़ा बी ब्लॉक में हुई राज्य परिषद की बैठक में लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र कुमार पटेल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली, दो हजार बचे शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ देने, 2300 तदर्थ शिक्षकों का वेतन भुगतान और नियमितीकरण नहीं किया गया है। इससे शिक्षकों में काफी नाराजगी है। महामंत्री आशीष कुमार सिंह ने निदेशालय स्तर पर लंबित ऑफलाइन तबादला सूची न जारी कर, आनलाइन तबादला पाए शिक्षकों को कार्यभार न ग्रहण कराने पर नाराजगी जताई। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से इस पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने की माग की। बैठक में शिक्षक नेताओ ने शिक्षकों, छात्रों की आनलाइन हाजिरी के आदेश पर कड़ा विरोध जताते हुए, इसे तत्काल वापस लिए जाने की भी मांग की। बैठक में प्रधान संरक्षक अमरनाथ सिंह, संरक्षक भगवान शंकर त्रिवेदी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, विजय कुमार सिंह, सुरेश चंद वैश्वार, उपाध्यक्ष ओपी त्रिपाठी, सुरेश मित्तल, रमेश चंद सिंह, जगदीश पांडेय, बच्चू लाल भारती, तारा सिंह आदि उपस्थित थे।

जिले-जिले जाकर पौधे लगाएंगे योगी के मंत्री, अयोध्या-आजमगढ़ में सीएम... बाराबंकी में राज्यपाल करेंगी पौधरोपण

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 9 जुलाई से पौधरोपण महाभियान-2025 शुरू होने जा रहा है। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसके तहत एक दिन में पूरे प्रदेश में 37 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। सभी 75 जिलों में मंत्री पौधरोपण करेंगे। इससे पहले जनपदों में शासन स्तर के अधिकारियों को नोडल अफसर बनाया गया है। ये 8 जुलाई की सुबह जिलों में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लेंगे। इसको लेकर वन विभाग के अधिकारी विभिन्न विभागों, मंत्रालयों से समन्वय स्थापित कर रहे हैं।

9 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या और आजमगढ़ में पौधरोपण करेंगे। उनके साथ वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, वन राज्यमंत्री केपी मलिक मौजूद रहेंगे। वहीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल बाराबंकी में पौधरोपण करेंगी। इस मौके पर राज्यमंत्री सतीश शर्मा मौजूद रहेंगे। इसके अलावा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य- मेरठ और ब्रजेश पाठक- लखनऊ में पौधे लगाएंगे।

इन जिलों में ये मंत्री लगाएंगे पौधा

इसके अलावा कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना- शाहजहांपुर, सूर्यप्रताप शाही- अयोध्या, स्वतंत्र देव सिंह- गोरखपुर, बेबीरानी मौर्य- अलीगढ़, चौधरी लक्ष्मी नारायण- मथुरा, जयवीर सिंह- मैनपुरी, धर्मपाल सिंह- बरेली, नंदगोपाल गुप्ता नंदी- प्रयागराज, अनिल राजभर- आजमगढ़, राकेश सचान- कानपुर देहात, एके शर्मा- जौनपुर, योगेंद्र उपाध्याय- आगरा, आशीष पटेल- मीरजापुर, डॉ. संजय निषाद- अंबेडकरनगर, ओमप्रकाश राजभर- गाजीपुर, दारा सिंह चौहान- देवरिया, सुनील कुमार शर्मा- गाजियाबाद और अनिल कुमार- बिजनौर में पौधरोपण करेंगे। सात ही राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल- कानपुर नगर, कपिलदेव अग्रवाल- मुजफ्फरनगर, रविंद्र जायसवाल- वाराणसी, संदीप सिंह- एटा, गुलाब देवी- संभल, गिरीश यादव- प्रतापगढ़, धर्मवीर प्रजापति- झांसी, असीम अरुण- कन्नौज, जेपीएस राठौर- मुरादाबाद, दयाशंकर सिंह- बलिया, नरेंद्र कश्यप- हापुड़, दिनेश प्रताप सिंह- रायबरेली, दयाशंकर मिश्र दयालु- चंदौली में पौधरोपण महाभियान का हिस्सा बनेंगे।

सरकार ने बंद कर दिए वाटर ट्रीटमेंट प्लांट..., अखिलेश बोले- नालों का पानी व गंदगी सीधे नदियों में जा रही

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सोमवार को सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर सरकार को घेरा। कहा कि भाजपा के लोग जहां देखों जमीन कब्जा करने पहुंच जाते हैं। अयोध्या में लोगों के घर उजाड़े गए। उन्हें ठीक से मुआवजा भी नहीं मिला। गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर लोगों के घर उजाड़े गए।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि भाजपा सरकार आस्था को व्यापार बना रही है। कारिडोर के नाम पर विरासत खत्म की जा रही है। गलियां खत्म की जा रही हैं। कारोबार या किसी भी प्रकार के आयोजन लोगों को आपस में जोड़ते हैं। मेले और पर्व हमें खुशियां देते हैं। लेकिन, ये लोग किसी को खुश नहीं देख सकते। इस सरकार में सभी अवैध काम हो रहे हैं। संगी साथी सब अवैध काम कर रहे हैं। आज पार्क, तालाब, ट्रस्टों में कब्जा किया जा रहा है।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए: उन्होंने आगे कहा कि पूरे प्रदेश के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद कर दिए गए हैं। नालों का पानी और गंदगी सीधे नदियों में डाली जा रही है। बुंदेलखंड की नदियों को इतना खोद दिया गया कि हर जिले में सड़क पर, खेत के किनारे टीले बने हुए हैं। हमने सुना है कि नोएडा के लोगों की प्रति व्यक्ति आय जापान के लोगों से ज्यादा है। ये लोग इस तरह के आंकड़े लेकर आते हैं। अखिलेश यादव ने शिल्पग्राम में आयोजित किए गए तीन दिवसीय आम महोत्सव के आखिरी दिन आम लेने के लिए मची लूट पर सरकार की चुटकी ली। कहा कि यदि हादसे में किसी की मौत हो जाती, तो खबर बनती। ये सरकार किसी कार्यक्रम का आयोजन ठीक से नहीं कर पाती। मैनेजमेंट की कमी से आम लूटने के लिए भगदड़ मची।

कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया: सपा मुखिया ने आगे कहा कि ये सरकार आस्था के नाम पर सिर्फ वोट लेती है। 9 वर्षों में कांवड़ियों के लिए कुछ भी काम नहीं किया। सात हजार करोड़ से गोरखपुर के लिए एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है। लेकिन, कांवड़ियों के लिए एक हजार करोड़ से कॉरिडोर नहीं बना पाई। मुख्यमंत्री ने अपने घर के लिए तो काम किया। लेकिन, कांवड़ियों के लिए कुछ नहीं किया।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, डिग्री को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को इलाहाबाद कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनकी डिग्री को चुनौती देने वाली याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दी थी। अधिवक्ता दिवाकर नाथ त्रिपाठी ने मौर्य की डिग्री को फर्जी बताते हुए क्रिमिनल रिवीजन याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ कर रही है।

दिवाकर त्रिपाठी ने केशव प्रसाद मौर्य की डिग्री को फर्जी बताते हुए क्रिमिनल रिवीजन दाखिल किया था, जिसे कोर्ट ने सुनवाई के बाद 25 मई को आर्डर रिजर्व कर लिया था। सोमवार को क्रिमिनल रिवीजन याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

युवती से दुष्कर्मः युवक ने नौकरी का झांसा देकर बुलाया, बेहोश कर किया अगवा, पीलीभीत में लूटी आबरू

बरेली, एजेंसी। बरेली के किला क्षेत्र निवासी युवती ने पीलीभीत के युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसएसपी से शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई। उनके आदेश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पीलीभीत के युवक ने बरेली के किला क्षेत्र निवासी युवती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया और रुमाल में नशा सुंघाकर बेहोश कर दिया। कार में डालकर पीलीभीत ले गया। वहां जबरन निकाह कर युवती से दुष्कर्म किया। यह आरोप लगाकर युवती ने एसएसपी से कार्रवाई की गुहार लगाई। एसएसपी के आदेश पर प्रेमनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

किला क्षेत्र निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि उसके फोन पर मोहल्ला पंजाबियान पीलीभीत निवासी सैफ शम्सी उर्फ शाना का कॉल आया। सैफ ने युवती को मीठी बातों में फंसा लिया और नौकरी लगवाने का झांसा दिया। सैफ ने कागजात लेकर लड़की को कोहाड़ापीर बुलाया। वहां सैफ ने युवती को रुमाल से नशा सुंघाकर बेहोश कर दिया, फिर कार में डालकर पीलीभीत ले गया।

फर्जी निकाहनामा पर दस्तखत न करने पर गला दबाने की कोशिशः सैफ, उसकी बहन, बहनोई, बड़ा भाई, मामा आदि लोग मौलवी को लेकर आए। पहले से छपा हुआ निकाहनामा देकर हस्ताक्षर करने को कहा। युवती के मना करने पर उसका गला दबाने की कोशिश की। युवती ने जान बचाने के लिए हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद सैफ ने तमंचा दिखाकर तीन-चार दिन तक दुष्कर्म किया। जब युवती के परिजनों को पता चला तो वह रिश्तेदारों को लेकर सैफ के घर गए। बड़ी मुश्किल से युवती को छुड़ाकर अपने साथ लाए। युवती ने एसएसपी से शिकायत की। उनके आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर प्रेमनगर पुलिस छानबीन कर रही है।

बाबा विश्वनाथ की आरती के टिकट फुल

भजन गाकर सुलाते हैं काशीवासी; डेढ़ करोड़ से अधिक भक्त आएंगे

वाराणसी,एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सावन मास में बाबा विश्वनाथ की होने वाली सभी आरती के टिकट ऑनलाइन बुक हो चुके हैं। बाबा विश्वनाथ की पांच आरती होती है, जिसमें चार के लिए टिकट बुक होता है। जबकि रात में शयन आरती खुद काशीवासी करते हैं। इसमें कोई टिकट नहीं लगता है। सावन महीने की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है। नौ अगस्त तक सावन मास में प्रदेश सरकार ने प्रशासन को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मंदिर प्रशासन ने आरती में शामिल होने के लिए भक्तों की सुविधा के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा दी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाते हुए सावन में प्रतिदिन होने वाली सभी आरती के टिकट बुकिंग के स्लॉट फुल हो चुके हैं। मंगला आरती, भोग आरती, सप्तऋषि आरती, शृंगार/भोग आरती के टिकट बुक होते हैं। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की विशेष बात यह है कि बाबा के शयन आरती की बुकिंग कभी नहीं होती। यह आरती विशेष रूप से काशी के स्थानीय निवासी करते हैं। परंपरा के अनुसार, रात को शयन आरती के समय काशी वासी बाबा को भजन गाकर खुद शयन कराते हैं।

सीएम ने प्रशासन को दिए निर्देशः बीते दिनों काशी आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में प्रशासन को निर्देश दिए थे कि सावन में श्रद्धालुओं को सुरक्षा, सुविधा, सफाई और उचित संसाधन उपलब्ध कराएं। किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

69 साल बाद बीएचयू ने दी दलाई लामा की डि.लिट डिग्री की कॉपी, इसे धर्मशाला के संग्रहालय में रखा जाएगा

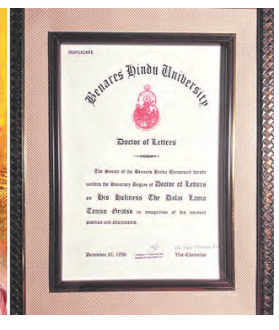

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू ने बौद्ध धर्म के गुरु परमपावन दलाई लामा की 69 साल पहले गुम हुई डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डि.लिट) की डिग्री की दूसरी प्रति प्रदान की है। परमपावन के 90वें जन्मदिन पर रविवार को डिग्री की दूसरी प्रति बीएचयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार और संयुक्त कुलसचिव ने तिब्बती संस्थान के कुलपति को पुनः दी। अब यह डिग्री धर्मशाला के संग्रहालय में रखी जाएगी।

बौद्ध धर्म के गुरु परमपावन दलाई लामा को बीएचयू ने डॉक्टर ऑफ लेटर्स की डिग्री 1956 में दी थी। उस समय तिब्बत आजाद हुआ करता था। 1959 में दलाई लामा ने तिब्बत छोड़कर भारत में शरण ली। आशंका जताई जा रही है कि उसी समय उनकी यह डिग्री कहीं गुम हो गई। पिछले महीने संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा धर्मशाला में परम पावन के दर्शन के लिए अपने परिवार के साथ गई थीं। धर्मशाला के मैक्लॉडगंज में बने संग्रहालय में परम पावन के सारे सम्मान रखे गए हैं। वहां उन्होंने देखा कि बीएचयू द्वारा दिए गए सम्मान की फोटो तो लेकिन डिग्री नहीं है। संग्रहालय के निदेशक से वार्ता के दौरान पता चला कि वह डिग्री गुम हो गई है।

समर्थकों में खुशी : कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा के पति डॉ. अवधेश कुमार बीएचयू में संयुक्त रजिस्ट्रार हैं। वह भी साथ में ही थे। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह डिग्री की दूसरी प्रति दिलाने का प्रयास करेंगे। धर्मशाला से लौटकर आने के बाद उन्होंने प्रभारी कुलपति से इस संबंध में बात की।

गुर्दे की खराबी से युवाओं का ब्लड प्रेशर हाई, ये बातें जानना बेहद जरूरी

कानपुर, एजेंसी। गुर्दे में खराबी युवाओं का ब्लड प्रेशर हाई हो रहा है। चिंता की बात यह है कि इन रोगियों का ब्लड प्रेशर एक दवा से कम नहीं होता, उन्हें दो-तीन दवाएं या फिर दवाओं का कॉम्बिनेशन लेना पड़ता है। खराबी गुर्दे में पहले होती है और पता पहले ब्लड प्रेशर का चलता है। मल्टी सुपर स्पेशियलिटी एंड पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट के नेफ्रोलॉजी विभाग के सैंपल सर्वे में यह तथ्य पता चला है। रोगियों की जांच से पता चला है कि गुर्दे की छन्नियों और नसों में पहले खराबी आती है जिससे रेनिन नामक रसायन निकलता है, जो ब्लड प्रेशर बढ़ा देता है। नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. युवराज गुलाटी ने बताया कि ओपीडी में हर महीने औसत 1000 गुर्दा रोगी आते हैं। इनमें 100 रोगी ऐसे होते हैं, जिनका ब्लड प्रेशर बढ़ा होता है। उन्हें कई दवाएं बीपी के लिए देनी पड़ती हैं। इन रोगियों का आयु वर्ग 20 से 40 वर्ष के बीच होता है। इनके ब्लड प्रेशर बढ़ने का मुख्य कारण गुर्दे की खराब होना होता है। यह समस्या रोगी को पता नहीं होती। जांचों में गुर्दे की गड़बड़ी पकड़ में आती है। उन्होंने बताया कि गुर्दा रोग का यह एक नया तरह का ट्रेंड सामने आ रहा है। यह स्थिति बढ़ रही है। रोगियों की हिस्ट्री का अध्ययन किया गया तो कई तरह के बिंदु सामने आए हैं।

उन्होंने बताया कि कुछ में ऑटो इम्यून कारण होते हैं। शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली उसे नुकसान पहुंचाने लगती है। इससे रोगी के पेशाब से प्रोटीन निकलने लगता है। इससे गुर्दे में खराबी आती है और रेनिन तत्व का रिसाव शुरू हो जाता है। इसकी वजह से ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। रेनिन का रिसाव होता रहता है तो बीपी जल्दी काबू में नहीं आता है। रोगी के पेशाब में खून भी आता है, लेकिन सामान्य तरीके से देखने पर यह पता नहीं चलता। जब माइक्रोस्कोप से देखा जाता है तो खून के कण दिखते हैं। इसके अलावा धूम्रपान, मोटापा भी गुर्दे में खराबी का बड़ा कारण होता है। रोगियों को बीमारी की असली वजह जांचों के बाद पता चल पाती है।

ऐसे होते हैं गुर्दे खराब

शरीर में रेनिन एल्ट्रोस्टेरोन सिस्टम होता है। इसमें गड़बड़ी होने पर पेशाब से प्रोटीन जाने पर शरीर में पानी और नमक का जमाव बढ़ने लगता है। इससे शरीर का ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। इसके अलावा गुर्दे की नसें सिकुड़ने लगती हैं और छन्नियां खराब हो जाती हैं। ऐसा कोई संक्रमण होने, धूम्रपान से शरीर में निकोटीन तत्व बढ़ने और कोलेस्ट्राल बढ़ने से होता है।

संक्षिप्त समाचार

सीढ़ियों पर पटका, बाल पकड़कर घसीटा; इंजीनियर बहू ने मां के साथ मिलकर सास को बेरहमी से पीटा

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के गोविंदपुरम में बहू ने मां के साथ मिलकर बुजुर्ग सास को बेरहमी से पीटा। ससुर ने शिकायत दी, लेकिन कविनगर पुलिस ने छह दिन तक केस दर्ज नहीं किया। रविवार को वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने बहू और उसकी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। गोविंदपुरम में रहने वाले सत्यपाल सिंह केंद्रीय विद्यालय दिल्ली के रिटायर टीचर हैं। परिवार में तीन शादीशुदा बेटियों के अलावा इकलौता बेटा अंतरिक्ष है, जो गुरुग्राम में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उन्होंने ढ़ाई साल पहले बेटे की शादी स्वर्ण जयंतीपुरम निवासी आकांक्षा के साथ की थी। आकांक्षा भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, जो एक साल से वर्क फ्रॉम होम कर रही है। सत्यपाल सिंह का कहना है कि बहू आकांक्षा उन्हें लंबे समय से परेशान कर रही है। बहू के पिता दिल्ली पुलिस में दरोगा हैं, वह हमेशा पिता की धमकी देती है। गृह क्लेश से तंग आकर बेटे ने घर आना छोड़ दिया और गुरुग्राम में ही रह रहा है। सत्यपाल सिंह का कहना है कि एक जुलाई को आकांक्षा ने अपनी मां को घर बुलाया और उनकी पत्नी सुदेश को पीटना शुरू कर दिया। उसने उनकी पत्नी को बाल पकड़कर घसीटा। मारपीट में आकांक्षा की मां ने भी साथ दिया। आरोप है कि आकांक्षा ने पहले उनकी पत्नी को पीटा फिर उन्हें मारने के लिए दौड़ी। उसके हाथ में चाकू था, लिहाजा उन्होंने कमरे में घुसकर जान बचाई। घटना के संबंध में उन्होंने कविनगर थाने में शिकायत दी, लेकिन छह दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, रविवार को बहू द्वारा मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। एसीपी कविनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि आरोपी बहू तथा उसकी मां के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

वनतारा की तर्ज पर गुरुग्राम में भी बनेगी जंगल सफारी, ष्टर्स्सैनी ने बताई सरकार की योजना

गुरुग्राम , एजेंसी। गुजरात के जामनगर स्थित विश्व प्रसिद्ध वनतारा जंगल सफारी और पुनर्वास केंद्र की तर्ज पर गुरुग्राम में प्रस्तावित एशिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी बनाने की योजना है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश के वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने दो दिन पहले वनतारा का दौरा किया। वहां की तकनीकों, संसाधनों और प्रबंधन प्रणालियों के बारे में जानकारी हासिल की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि गुरुग्राम में प्रस्तावित जंगल सफारी को एशिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी बनाने की योजना है। वनतारा जंगल सफारी का दौरा करने के बाद केंद्रीय मंत्री खट्टर ने अंबानी परिवार द्वारा विकसित इस केंद्र को एक मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि हम गुरुग्राम में भी ऐसा ही कुछ बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के निकट होने के कारण गुरुग्राम में इस तरह की सफारी न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगी, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि दौरे का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि गुरुग्राम में जंगल सफारी स्थापित करने के लिए किन-किन संसाधनों, तकनीकों और प्रबंधन प्रणालियों की आवश्यकता होगी।

मानसी और नंदिनी बन करते थे प्यार की बातें, शादी के नाम पर ठगने वाले 2 लोग दबोचे

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने सोशल मीडिया पर लड़की बनकर दोस्ती और शादी का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक युवक को अपने प्रेम जाल में फंसाकर उससे साढ़े चार लाख रुपये की ठगी की थी।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सूरजपुर कस्बे में एक मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवक ने पुलिस से शिकायत की थी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि एक युवक ने लड़की बनकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप के माध्यम व भिन्न-भिन्न मोबाइल नंबरों से संपर्क करते हुए खुद को अविवाहित लड़की बताकर विवाह का प्रस्ताव दिया। पीड़ित को विश्वास में लेकर मेडिकल इमरजेंसी, पारिवारिक संकट, शादी की तैयारी आदि बहाने बनाकर करीब 4,50,000 रुपये की ठगी कर ली गई। इसके बाद दो युवक उससे मिलने आए और गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देते करीब बीस हजार रुपये लेकर भाग गए। पीड़ित की शिकायत

पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज किया और मोबाइल की कॉल डिटेल और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान अमित उर्फ आरव निवासी केशवपुरम, दिल्ली और मोहम्मद रिजवान निवासी पीतमपुरा दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल और एक बाइक बरामद की है। पुलिस को पीड़ित ने बताया था कि वह एक मेडिकल स्टोर पर नौकरी करता है। आरोपियों ने उसकी कई साल की कमाई हड़प ली। वह धीरे-धीरे कर अपनी शादी के लिए पैसे जोड़ रहा था। उसने सैलरी के पैसे इकट्ठे किए थे। आरोपियों ने एक झटके में उसका सारा पैसा हड़प कर लिया। घटना के बाद से पीड़ित काफी परेशान हैं।

पकड़े गए आरोपी अमित और रिजवान पीड़ित से मानसी और नंदिनी बनकर बात करते थे। मानसी, संजू व नंदनी के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बना रखी थी। पुलिस के मुताबिक, अमित दिल्ली में फास्ट फूड की स्टाल लगाता है, जबकि रिजवान बीए की पढ़ाई कर रहा है। दोनों ने मिलकर युवक को जाल में फंसा कर ठगी की थी। पुलिस के मुताबिक अमित व रिजवान ने इंस्टाग्राम पर पीड़ित से दोस्ती कर शादी का झांसा दिया था। इसके बाद पीड़ित से ऑनलाइन पैसा मांगना शुरू कर दिया। जब पीड़ित द्वारा शादी करने की जिद की गई तो आरोपियों द्वारा कथित लड़कियों के भाई बनकर गंदी बात करने को लेकर जेल भिजवाने की धमकी दी गई। पीड़ित से मिलकर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए 20 हजार रुपये लिए गए थे। ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वह सोशल मीडिया पर अजनबी व्यक्तियों से दोस्ती करते समय अत्यधिक सतर्कता बरतें।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर को हिंदू होने पर है गर्व, वीडियो शेयर कर समझाया

तिरूवंतपुरम एजेंसी।
कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे हिंदू धर्म के बारे में बात करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। उन्होंने हिंदू धर्म को 33 करोड़ दिव्य रूपों की आस्था और स्वीकृति में निहित धर्म बताया है।

वीडियो में, थरूर ने हिंदू धर्म को एक ऐसी आस्था बताया है जो बेहद व्यक्तिगत है और कठोर संरचनाओं से मुक्त है। शशि थरूर ने वीडियो में कहा, मैं एक हिंदू हूं और यह मूल रूप से मेरे और मेरे निर्माता की मेरी अवधारणा के बीच है। ऐसे 33 करोड़ तरीके हैं जिनसे आप ईश्वर का नाम ले सकते हैं और उनकी कल्पना कर सकते हैं। अपने हिसाब से चुनें, जो आपको पसंद हो, आधा दर्जन या एक दर्जन चुनें...हमारे पास कोई हिंदू पोप नहीं है, कोई रविवार नहीं है, और आप सचमुच सप्ताह के किसी भी दिन अपने देवता उनके लिए उपवास कर सकते हैं या उनके लिए प्रार्थना कर सकते हैं या जो भी आप चाहें कर सकते हैं।

वीडियो को सबसे पहले एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यूजर सिमरन भाटिया ने पोस्ट किया। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, हिंदू धर्म को पूरी तरह से समझने वाले व्यक्ति शशि थरूर। यह सच है कि हिंदू धर्म कठोर नहीं है, ईश्वर से जुड़ने के अनंत तरीके हैं और यह भी उतना ही सच है कि हिंदू धर्म सभी को आत्मसात करता है और इसमें अतिवाद और कट्टरता के लिए कोई जगह नहीं है, ठीक कहा सर।

वीडियो में, कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि उन्हें स्वामी विवेकानंद की तरह हिंदू होने पर गर्व है, उन्होंने कहा कि यह किसी हिंदुत्व कट्टरपंथी का गर्व नहीं है। उन्होंने आगे कहा, आप यह भी तय कर सकते हैं कि आपको निर्गुण ब्रह्म का विचार पसंद है। ईश्वर बिना रूप, बिना गुण, बिना आकार के हैं। इसलिए हिंदू धर्म द्वारा आपको दिए जाने वाले ये सभी विकल्प, मेरे विचार से, बिल्कुल अद्भुत हैं। इस अर्थ में, मुझे हिंदू होने पर बहुत गर्व है, और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है।

बादलों की दस्तक से डगमगाया राजस्थान, जयपुर में जलजमाव तो श्रीगंगानगर में हादसा

जयपुर एजेंसी। राजस्थान में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार सुबह से राजधानी जयपुर में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। बारिश के चलते शहर की कई सड़कों पर पानी भर गया, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के 2 जिलों में ऑरेंज और 22 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश का यह सिलसिला आने वाले दिनों में और तेज हो सकता है। रविवार को प्रदेश में बारिश की रफ्तार कुछ धीमी जरूर हुई, लेकिन राहत की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। जयपुर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर और जोधपुर संभाग में रविवार को हल्की धूप खिली, जिससे तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं, बीकानेर संभाग के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। माउंट आबू में रविवार सुबह 5 से 7 बजे के बीच हल्की बारिश हुई, जिससे ठंडक का अहसास हुआ। वहीं, श्रीगंगानगर जिले के श्रीविजयनगर में शनिवार रात बड़ा हादसा हो गया। रात करीब 11:30 बजे तेज बारिश के बीच दो मकानों की छत गिर गई, जिसमें 5 साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई और 5 लोग घायल हो गए। बूंदी जिले के नमाना क्षेत्र में भी बारिश ने खतरा बढ़ा दिया। श्यामू पुलिया पर करीब दो फीट तक पानी भर गया, जिससे एक कार उसमें फंस गई और घोड़ा पछाड़ नदी में बह गई। गनीमत रही कि कार में सवार पिता-पुत्र समय रहते बाहर निकल आए। बाद में क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला गया। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश का अगला दौर और अधिक असरदार हो सकता है। पश्चिम बंगाल के ऊपर बना एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन अब उत्तर-पश्चिम भारत की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से 8 और 9 जुलाई से जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में फिर से तेज बारिश शुरू हो सकती है।

पाकिस्तानी जासूस ज्योति पर बड़ा खुलासा, किसके बुलाने पर गई केरल; उठ रहे सवाल

चंडीगढ़ एजेंसी।
हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा को लेकर नया खुलासा हुआ है। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में बंद ज्योति केरल सरकार के बुलावे पर वहां गई थी। यह बात सामने आई है एक आरटीआई में। इसके मुताबिक ज्योति मल्होत्रा केरल टूरिज्म डिपार्टमेंट के ऑफिशियल डिजिटल कैंपेन का हिस्सा थी। अपने यूट्यूब चैनल ट्रैवल विद जो के लिए जानी जाने वाली ज्योति को केरल सरकार ने चुना था। केरल सरकार ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर्स के बीच से उसको चुना था। ज्योति का काम केरल को ग्लोबल ट्रैवल डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट करना था।

ज्योति के साथ केरल सरकार ने कोलैबोरेशन किया था। इस तरह सरकार उसके ट्रैवेल, ठहरने समेत विभिन्न खर्च उठाती थी। साल 2024 से 2025 के बीच ज्योति केरल की विभिन्न जगहों पर गई। इसमें कन्नूर, कोझिकोड, कोच्चि, अलापुझा और मुन्नार शामिल हैं। ज्योति ने जो कंटेंट बनाए, उसे बड़ी संख्या में लोगों ने देखा। लेकिन पाकिस्तान से जासूसी के आरोपों ने ज्योति मल्होत्रा की केरल

यात्रा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ज्योति के ऊपर आरोप हैं कि उसने पाकिस्तान की कई बार यात्रा की थी। इसके अलावा पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से संपर्क रखने के आरोप भी उसके ऊपर हैं।

भारत में पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों से उसके संबंधों पर भी सवाल हैं। बताया जाता है कि ज्योति से जुड़ा यह खुलासा होने के बाद पाकिस्तानी अधिकारी को निकाल दिया गया है। ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद देशभर में छापेमारी हुई है। इसमें कुल 12 संदिग्ध पकड़े गए हैं। यह संदिग्ध पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से संबंध रखने वाले हैं। बताया जाता है कि यह सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और इंफ्लुएंसर नेटवर्क का इस्तेमाल खुफिया सूचना जुटाने में करते थे।

हमारे इलाके में पूछ लीजिए हमारी शराफत, विनेश फोगाट के इलाके में पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह

चंडीगढ़ एजेंसी।
महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह रविवार को हरियाणा के चरखी दादरी के गांव बौंद कलां में एक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहलवान रचना परमार को सम्मानित किया। यह इलाका विनेश फोगाट के गृह जिले का था, जहां बृजभूषण के दौरे का कई खाप पंचायतें और किसान संगठन विरोध जता रही थीं। वहीं, राजपूत महासभा ने कार्यक्रम के समर्थन में बयान जारी करते हुए 36 बिरादरी से भाईचारा बनाए रखने की अपील की थी और विरोध करने वालों

को चेतावनी दी थी।

पुलिस प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। समारोह में सांसद धर्मबीर, विधायक सुनील सांगवान व योगेश्वर दत्त भी मौजूद रहे। बृजभूषण शरण ने खाप पंचायतों व किसान संगठनों द्वारा दादरी आगमन को लेकर जताए जा रहे विरोध को नजरअंदाज किया और वे करीब ढाई घंटे दादरी में रहे। इस दौरान बृजभूषण शरण ने शायराना अंदाज में कहा कि इतने गहरे घाव कहां से आए होंगे, कभी उसने भी दोस्त बनाए होंगे। बृजभूषण ने शायरी से खाप व विनेश पर अप्रत्यक्ष पर रूप से निशाना साधा। कांग्रेस व खापों के विरोध पर उन्होंने कहा कि जिनका जो काम हैं, वे करते रहेंगे। जो हम हैं, हमारी शराफत का परिचय हमारे इलाके में जाकर पूछ लेना।

बृजभूषण ने कहा कि ओलंपिक में अभी तक कुश्ती में भारत का गोल्ड मेडल नहीं आया है, लेकिन गोल्ड का सूखा खत्म होगा और हरियाणा का ही कोई सपूत इस उपलब्धि को हासिल कर भारत के लिए गोल्ड मेडल लाने का काम करेगा और इसकी जिम्मेदारी योगेश्वर दत्त की होगी। उन्होंने कहा वे हरियाणा से प्यार करते थे और करते रहेंगे।

चरखी दादरी जिले में बृजभूषण शरण सिंह के दौरे को लेकर खाप पंचायतें और किसान संगठन भड़क थे। उनका कहना था कि बृजभूषण ने विनेश फोगाट व दूसरे महिला खिलाड़ियों का अपमान किया है। दादरी जिला विनेश का गृह जिला है, ऐसे में बृजभूषण का दादरी आना जनभावनाओं के विरुद्ध है, इसलिए बृजभूषण का विरोध किया जाना चाहिए। उन्होंने बृजभूषण के साथ कार्यक्रम में शिरकत करने पर सांसद और विधायक को चुनावी नतीजे भुगतने की चेतावनी भी दी थी।

गाजियाबाद में पेपर फैक्ट्री-होटल में आग लगने से मचा हड़कंप

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के साहिबाबाद इलाके में आज सुबह आग लगने की दो बड़ी घटनाओं से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की पहली घटना एक पेपर फैक्ट्री में हुई और दूसरी घटना होटल से सामने आई। दोनों ही जगहों पर अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया जा रहा है कि आग लगने के समय होटल में कई लोग मौजूद थे, जिन्हें समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल की टीमें आग बुझाने के काम में जुटी हैं।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के साहिबाबाद लिंक रोड इंडस्ट्रियल एरिया की एक पेपर फैक्ट्री में सोमवार तड़के आग लग गई। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं फायर ब्रिगेड की 18 गाड़ियां आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हैं। आग बुझाने का काम जारी है। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल सका है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

वहीं, साहिबाबाद स्थित होटल प्लूटो में भी सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। चार मंजिला इस इमारत में आग लगने से चीख-पुकार मच गई। इस घटना में कई लोग बाल-बाल बच गए। दमकल टीम ने पांच फायर टेंडर की मदद से एक घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने के समय होटल में कई लोग मौजूद थे, सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

केवल सोशल मीडिया पर है... महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी विवाद होने से आदित्य ठाकरे का इनकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में चल रहे हिंदी बनाम मराठी विवाद पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने अपनी राय रखी है। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में किसी भी तरह का कोई भाषा विवाद नहीं है। यह सब मीडिया और सोशल मीडिया पर है, यहां जमीन पर कोई विवाद नहीं है। विवाद केवल कक्षा एक के छात्रों पर तीन भाषाओं के बोझ के बारे में तीसरी भाषा हिंदी क्यों होनी चाहिए इसके बारे में था। हम हिंदी के थोपने के विरोध में हैं। महाराष्ट्र में बढ़ते भाषा विवाद पर मीडिया से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, मुझे लगता है कि यह विवाद केवल पक्षपातपूर्ण मीडिया और सोशल मीडिया पर ही है। इसके अलावा महाराष्ट्र में हिंदी बनाम मराठी जैसी कोई बात नहीं है। यहां पर विवाद केवल कक्षा एक के छात्रों पर तीन भाषाओं के बोझ के बारे में था। हमारा तर्क केवल यह था कि आखिर तीसरी भाषा हिंदी ही क्यों होनी चाहिए.. हम हिंदी भाषा के थोपे जाने के विरोध में हैं। आदित्य ने महाराष्ट्र में मराठी भाषा की अस्मिता को लेकर कहा, विवाद की पूरी वजह यह भी है कि हम अपने राज्य में अपनी मातृभाषा का अपमान नहीं सहेंगे.. बाकी महाराष्ट्र में कई भाषाएं बोली जाती हैं।

इच्छा जताने में तो कोई बुराई नहीं है; सीएम बनाने की मांगों पर बोले डीके शिवकुमार

बैंगलूरू एजेंसी।
कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद की रेस फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है। अब राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि वह संतों और पार्टी कार्यकर्ताओं की इच्छा का सम्मान करते हैं। दरअसल, रांबापुरी पीठ के संत राजदेशीकेंद्र शिवाचार्य ने कहा कि कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत के बाद शिवकुमार को और अधिक प्रमुख भूमिका मिलनी चाहिए थी।

वहीं, शिवकुमार ने संयमित रुख अपनाते हुए कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं और संतों की इच्छाओं का सम्मान करते हैं लेकिन वह कांग्रेस आलाकमान के निर्णय का पालन करेंगे। शिवकुमार कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी हैं। राजनीतिक हलकों, विशेष रूप से सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कुछ समय से इस बात को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद में बदलाव हो सकता है। इसका कारण मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

के बीच हुए कथित सत्ता साझाकरण समझौते को बताया जा रहा है। रविवार को कनकपुरा तालुक में सिद्धेश्वरस्वामी पहाड़ियों पर नव-निर्मित सीढ़ियों के उद्घाटन कार्यक्रम में संत ने शिवकुमार की संगठनात्मक क्षमताओं और कर्नाटक में कांग्रेस को सत्ता में लाने में उनकी भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा, 'उन्हें (शिवकुमार को) पिछले विधानसभा चुनावों के बाद और ऊंचा पद मिलना चाहिए था। ईश्वर करें कि आने वाले दिनों में उन्हें और बड़ा पद प्राप्त हो।' राजदेशीकेंद्र शिवाचार्य ने यह भी कहा कि नेतृत्व को लेकर कांग्रेस के भीतर क्या आंतरिक समझौता हुआ था, इसकी जानकारी केवल राष्ट्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और शिवकुमार को ही है। उन्होंने कहा, 'नेताओं को अपने वचन का सम्मान करना चाहिए। अगर चुनाव से पहले कोई समझौता हुआ था तो उसका पालन होना चाहिए। बिना उस वादे को पूरा किए शिवकुमार से कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष पद छोड़ने को कहना सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।' शिवकुमार ने इसके जवाब में कनकपुरा के कोडिहल्ली स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से कहा कि वह जनता और संतों की भावनाओं का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा, 'पार्टी कार्यकर्ताओं, संतों या आम जनता द्वारा अपनी इच्छाएं व्यक्त करना गलत नहीं है लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हमसे इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बोलने से मना किया है। हम पार्टी के फैसले का पालन करेंगे।'

नेतृत्व को लेकर संत शिवाचार्य के समर्थन और किसी संभावित समझौते के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं इस बारे में खुलकर क्यों बात करूं? यह मेरे और पार्टी के बीच का मामला है। हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं।'

संक्षिप्त समाचार

उत्तरी इराक में गुफा में मीथेन गैस के संपर्क में आने से पांच सैनिकों की मौत

बगदाद, एजेंसी। उत्तरी इराक की एक गुफा में 2022 में कुर्द उग्रवादियों द्वारा मारे गए एक सैनिक के अवशेषों की रविवार को तलाश करते समय मीथेन गैस के संपर्क में आने से तुर्किये के पांच सैनिकों की मौत हो गई। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि सैनिक एक पहाड़ी गुफा में अवशेष तलाश रहे थे, तभी 19 सैनिक मीथेन गैस के संपर्क में आ गए। यह गैस बिना रंग और गंध की होती है, ज्वलनशील होती है और ज्यादा मात्रा में होने पर दम घुटने से मौत भी हो सकती है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जिसमें से पांच जवान की मौत हो गयी।'' इसमें कहा गया, ''इलाके में बचाव अभियान जारी है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान ने अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या की

क्वेटा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तानी तालिबान से जुड़े आतंकवादियों द्वारा कथित तौर पर दो दिनों तक बंधक बनाए रखने के बाद अर्धसैनिक बल के तीन जवानों की हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के शहजैब बेटनी समूह के आतंकवादियों ने दो दिन पहले टैंक जिले में एक यात्री वाहन से तीन निहत्थे फ्रंटियर कॉर्प्स जवानों को अगवा कर लिया। उसने बताया कि दोनों के शव लक्की मरवात जिले के पेजू बयाना क्षेत्र के पहाड़ी क्षेत्र में पाए गए। उनकी पहचान लांस नायक नसीम, लांस नायक मुहम्मद राशिद और सिपाही मुहम्मद शेर के रूप में हुई है।

ब्रिक्स की पॉलिसी मानने वाले देशों पर आगबबूला हुए ट्रंप, बोले- अब लगाऊंगा 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने व्यापारिक साझेदार देशों को साफ चेतावनी दी है कि अगर वे 9 जुलाई तक व्यापार समझौता नहीं करते हैं, तो 1 अगस्त से उन पर भारी टैरिफ लगा दिए जाएंगे। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेन्ट ने कहा कि यह फैसला पहले से तय था और अब इसे लागू किया जाएगा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में टैरिफ की घोषणा की थी, लेकिन बातचीत के लिए उसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया था। अमेरिका ने अब तक ब्रिटेन और वियतनाम के साथ व्यापार समझौते किए हैं। चीन के साथ अस्थायी रूप से टैरिफ में कमी करने का फैसला हुआ है। फ्रांस और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत जारी है, उम्मीद है समझौता जल्द होगा। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह मैक्सिमम प्रेशर की नीति है। ट्रंप ने कहा कि हर देश को बता दिया जाएगा कि अमेरिका के साथ व्यापार के लिए कितना शुल्क देना होगा। इस पर जापान के प्रधानमंत्री ने कहा, हम आसानी से समझौता नहीं करेंगे। ब्रिक्स देशों ने रियो डि जेनेरियो में हुई बैठक में इन टैरिफ को अवैध और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक बताया।

रूस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, पुतिन ने परिवहन मंत्री से छीना पद

मॉस्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने परिवहन मंत्री रोमन स्टारोवोइट से उनका पद छीन लिया है। रूसी राष्ट्रपति के आदेश के बाद रोमन स्टारोवोइट को निष्कासित कर दिया गया है। हालांकि, पुतिन के इस फैसले के पीछे क्या वजह है? अभी नहीं हो सका है। रूसी सरकार ने 14 मई 2024 को रोमन स्टारोवोइट को परिवहन मंत्री बनाया था। इससे पहले स्टारोवोइट को 5 साल तक रूस के पश्चिमी हिस्से में मौजूद कुर्स्क का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। स्टारोवोइट राज्यपाल के पद से हटाकर परिवहन मंत्री बना दिया गया। हालांकि, इसी के बाद यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया था। रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना ने भारी तबाही मचाई थी।रूस के डेली न्यूजपेपर वेदोमोस्ती के अनुसार, स्टारोवोइट की जगह अब उपमंत्री आंद्रेई निकितिन को परिवहन मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर मस्क का मजाक उड़ाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नई पार्टी बनाने पर अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क का मजाक उड़ाया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें दुख हो रहा है कि इलॉन मस्क पूरी तरह पटरी से उतर चुके हैं और पिछले पांच हफ्तों में एक बेकाबू ट्रेन जैसे हो गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर ट्रम्प ने कहा कि मस्क अब अमेरिका में तीसरी राजनीतिक पार्टी शुरू करना चाहते हैं, जो इतिहास में कभी सफल नहीं रही है।

ट्रम्प ने कहा, अमेरिका की व्यवस्था ऐसी पार्टियों के लिए बनी ही नहीं है। तीसरी पार्टियों का एक ही काम होता है, अव्यवस्था और अराजकता फैलाना। और हमारे पास पहले से ही पर्याप्त अराजकता है, जिसे रैडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट्स फैला रहे हैं। अरबपति बिजनेसमैन इलॉन मस्क ने शनिवार को अमेरिका में एक नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का ऐलान किया। उन्होंने इसका नाम अमेरिका पार्टी रखा है।

मस्क ने अपनी सोशल पोस्ट में कहा कि आप में से 66 प्रतिशत लोग एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं और अब यह आपको मिलेगी। जब बात अमेरिका को बर्बाद करने और भ्रष्टाचार की आती है तो अमेरिका में दोनों पार्टी (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट) एक ही

जैसी हैं। अब देश को 2 पार्टी सिस्टम से आजादी मिलेगी। उन्होंने लिखा- आज अमेरिका पार्टी का गठन किया जा रहा है, ताकि आपको आपकी आजादी वापस मिल सके। इसे लेकर उन्होंने एक्स पर पब्लिक पोल भी किया था।

मस्क ने 4 जुलाई को अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक्स पर एक पोल पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पूछा था कि क्या आप दो पार्टी वाले सिस्टम से आजादी चाहते हैं? क्या हमें अमेरिका पार्टी बनानी चाहिए? पोल के नतीजों में 65.4 प्रतिशत लोगों ने हां और 34.6 प्रतिशत ने नहीं में वोट दिया। अमेरिकी संविधान के अनुसार अमेरिका में जन्मा शख्स ही चुनाव लड़ सकता है। मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ है। ऐसे में वे अमेरिका में चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। मस्क अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारेंगे। नवंबर, 2026 में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की सभी 435 और सीनेट की 100 में से 34 सीटों पर चुनाव होंगे। मस्क का प्लान हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की 8-10 व सीनेट की 3-4 सीटें जीतना है, जिससे ट्रम्प के बिलों पर रोक लगाकर वे किंगमेकर की भूमिका में आ सकें। मस्क ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को 2500 करोड़ रु. का चंदा दिया था। लेकिन फिर मस्क डीओजीई संस्था से अलग हुए और अब ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल के विरोध में उतरे हुए हैं।

अमेरिका की राजनीति में बीते डेढ़ सौ साल से डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दो ही पार्टियों का दबदबा रहा है। देश में राष्ट्रपति चुनाव से लेकर राज्यों की विधानसभाओं तक इन दोनों दलों का वर्चस्व हैं। इस टू-पार्टी सिस्टम को अमेरिकी लोकतंत्र की स्थिरता की वजह भी माना जाता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की शुरुआत 1828 में एंड्रू जैक्सन के दौर में हुई। यह शुरुआत में किसानों और आम जनता की पार्टी मानी जाती थी। 20वीं सदी में यह सामाजिक कल्याण, न्यू डील जैसे आर्थिक सुधारों और नागरिक अधिकारों की पैरोकार बनी। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी 1854 में गुलामी के विरोध में बनी और अब्राहम लिंकन इसके पहले राष्ट्रपति बने। 20वीं सदी में यह व्यापार और टैक्स कट के समर्थन वाली पार्टी बन गई। अमेरिका में कई बार तीसरी पार्टियां बनाई गईं, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। 1912 में राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने बुल मूस पार्टी बनाई और 88 इलेक्टोरल वोट हासिल किए। हालांकि पार्टी अगले चुनाव तक भी नहीं टिक सकी।

माली में अगवा हुए भारतीयों के बदले फिरौती मांग रहे अलकायदा के आतंकी; अपहृत युवक के रिश्तेदार का दावा

बामाको, एजेंसी।
पश्चिम अफ्रीकी देश माली में अगवा हुए तीन भारतीयों में से एक के रिश्तेदार ने दावा किया है कि अल-कायदा से जुड़ा आतंकी संगठन उन्हें छोड़ने के बदले फिरौती मांग रहा है। उन्होंने एक बार फिर केंद्र से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर उनकी रिहाई सुनिश्चित करने की अपील की।

माली के विभिन्न हिस्सों में एक जुलाई को सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों के बीच एक सीमेंट फैक्टरी से तीन भारतीयों का अपहरण हो गया था। अल-कायदा से जुड़े जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने बाद में इन हमलों की जिम्मेदारी ली थी।

तीन अपहृत भारतीयों में से एक ओडिशा निवासी पी वेंकटरमण के बहनाई ने शनिवार को बताया कि शुरुआत में कंपनी ने उन्हें बताया था कि आतंकवादियों ने फैक्टरी को आग के हवाले कर दिया था। इसलिए वेंकट समेत कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि

आतंकवादियों ने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। उन्होंने कहा, हमने इसकी पुष्टि करने के लिए कंपनी को फोन किया तो उन्होंने हमें यह सूचना लीक करने से मना कर दिया और कहा कि आतंकवादी लोगों के बदले में फिरौती मांग रहे हैं। वेंकटरमण के बहनोई ने सरकार से उनकी सुरक्षित घर वापसी अपील की है। उधर, विदेश मंत्रालय ने भारतीयों के अपहरण पर गहरी चिंता जताई है और माली के अधिकारियों से उनकी सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस मामले में अपहृत युवक की मांग ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसका बेटा, जो पश्चिम अफ्रीकी देश माली के एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता है, उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। उन्हें डर है कि बेटा कहीं अगवा न हो गया हो।

रूस और यूक्रेन के बीच ड्रोन हमले, हवाई यात्रा बाधित

कीव, एजेंसी।
रूस और यूक्रेन ने रविवार को एक-दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन से हमला किया, जिससे रूसी हवाई यातायात में व्यवधान उत्पन्न हो गया। यह हमला तीन साल से अधिक पुराने युद्ध में मॉस्को द्वारा सबसे बड़ा हवाई हमला करने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

रूस के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग सहित अन्य रूसी हवाई अड्डों पर भीड़ देखी जा सकती है, क्योंकि शनिवार और रात को यूक्रेनी ड्रोन हमलों के कारण सैकड़ों उड़ानें विलंबित या रद्द कर दी गईं। मॉस्को के शेरेमेत्येवो और सेंट पीटर्सबर्ग के मुख्य पुलकोवो हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित रहीं। पश्चिमी और मध्य रूस के अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें बाधित रहीं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात के हमलों के दौरान 120 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया, और रविवार को दोपहर दो बजे से पहले 39 और ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन हमलों में कीव में तीन नागरिक और उत्तर-पूर्व में यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में कम से कम दो नागरिक घायल हो गए। स्थानीय गवर्नर विटाली किम के अनुसार, शाहेद ड्रोन से किए गए एक बड़े रूसी हमले में मध्य यूक्रेन के माइकोलाइव में बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि गोदामों और बंदरगाह के बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

टेक्सास बाढ़ पर मेलानिया ट्रंप की पोस्ट से बढ़ा विवाद, सोशल मीडिया पर लोगों का फूटा गुस्सा

टेक्सास, एजेंसी।
टेक्सास में आई भीषण बाढ़ ने अब तक कम से कम 67 लोगों की जान ले ली है, जिनमें 21 बच्चे शामिल हैं। कुछ लड़कियों की तलाश अभी भी जारी है, जो एक समर कैंप से लापता हैं। इसी बीच अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने इस त्रासदी पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर संवेदना जताई।

उन्होंने लिखा, टेक्सास के माता-पिता के लिए मेरा दिल दुखी है। मैं आपको अपनी दुआओं में शामिल कर रही हूं और आपको शक्ति, सुकून और सहनशक्ति की कामना करती हूं।

हालांकि, मेलानिया का यह संदेश लोगों को अच्छा नहीं लगा और सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना होने लगी। कई लोगों ने इसे औपचारिक और दिखावटी प्रतिक्रिया बताया।

लोगों ने सिर्फ मेलानिया ही नहीं, बल्कि ट्रंप प्रशासन को भी इस आपदा के लिए जिम्मेदार ठहराया। कई यूजर्स ने याद दिलाया कि ट्रंप सरकार ने आपदा प्रबंधन और मौसम पूर्वानुमान बजट में कटौती की थी, जिससे राहत कार्यों पर असर पड़ा।

टेक्सास के डेमोक्रेटिक सांसद जोआक्विन कास्त्रो ने बताया कि नेशनल वेदर सर्विस में

स्टाफ की कमी जैसी चीजें बाढ़ जैसे हालात में जानलेवा साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, अगर मौसम विश्लेषण और पूर्वानुमान देने के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं, तो इससे बड़ी त्रासदियां हो सकती हैं। मेलानिया ट्रंप की पोस्ट पर गुस्साए लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा, जब उनके बच्चे मर रहे थे, आप बालकनी पर डांस कर रही थीं। एक अन्य यूजर ने कहा, प्रार्थनाएं घर नहीं बनातीं। सहानुभूति उन चीज़ों को वापस नहीं लाती जो आपके पति की सरकार ने छीन लीं। इस त्रासदी के बाद फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी को सक्रिय कर दिया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आपदा घोषित किए जाने के बाद स्वश्रूने राहत सामग्री और संसाधन भेजने शुरू कर दिए हैं। अमेरिकी कोस्ट गार्ड के हेलीकॉप्टर और विमान भी राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं, खासकर उन लड़कियों की तलाश में जो समर कैंप से लापता हैं।

बिलावल पर भड़का आतंकी हाफिज सईद का बेटा

इस्लामाबाद, एजेंसी।
हाफिज सईद के बेटे तलहा सईद ने पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर पाकिस्तान को ग्लोबल लेवल पर बेइज्जत करने का आरोप लगाया। दरअसल, बिलावल ने दो दिन पहले कहा था कि पाकिस्तान हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते भारत इस प्रोसेस में सहयोग करे। तलहा ने कहा कि बिलावल का यह बयान पाकिस्तान की पॉलिसी, राष्ट्रीय हित और संप्रभुता के खिलाफ है। उन्होंने कहा- क्या कोई नेता अपने नागरिकों को दुश्मन देश को सौंपने की बात कर सकता है? तलहा जो खुद एक ग्लोबल आतंकी है उसने अपने पिता का बचाव करते हुए कहा- हाफिज सईद का कोई भी काम पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है। बिलावल का बयान पाकिस्तान की इमेज को ग्लोबल लेवल पर बदनाम करने वाला है। पाकिस्तान

की नेशनल काउंटर टेररिज्म अथॉरिटी के मुताबिक, पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को बैन कर रखा है। हाफिज सईद को लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य चेहरा माना जाता है। वह 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। हाफिज सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में टेरर फंडिंग के लिए 33 साल की सजा काट रहा है, जबकि ग्लोबल आतंकवादी मसूद अजहर पर भी प्रतिबंधित लगाया गया है।

हाफिज सईद और मसूद अजहर के ठिकाने के बारे में पूछे जाने पर बिलावल ने दावा किया था कि हाफिज सईद जेल में है, जबकि मसूद अजहर के बारे में कोई जानकारी नहीं है शायद वह अफगानिस्तान में है। अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में बिलावल ने कहा- अगर भारत यह जानकारी दे कि अजहर पाकिस्तान में हैं, तो पाकिस्तान को उसे गिरफ्तार करने में खुशी होगी। मसूद अजहर भारत में 2001 के संसद हमले, 26/11 मुंबई हमले, 2016 के पठानकोट हमले और 2019 के पुलवामा हमले जैसे आतंकी हमलों में शामिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने उसे 2019 में ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था। बिलावल का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब दो महीने पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। इस हमले में मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मसूद अजहर ने इसके बाद बयान जारी कर कहा था कि मैं भी मर जाता तो खुशनसीब होता।

नाइजीरिया के बोर्नो राज्य के एक गांव में इस्लामी चरमपंथी बोको हरम का हमला, नौ लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी।
नाइजीरिया में इस्लामी चरमपंथी संगठन बोको हरम का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। इसी क्रम में एक बार फिर उत्तर-पूर्वी बोर्नो राज्य में बोको हरम ने एक गांव पर जोरदार हमला किया। हमला इतना खतरनाक था कि इसमें नौ लोगों की मौत हो गई और चार से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह जानकारी राज्य के गवर्नर बाबगाना जुलुम ने रविवार को दी। यह हमला मलम फातोरी नामक गांव में हुआ, जो चाड की सीमा के पास स्थित है और बोर्नो की राजधानी मैदुगुरी से करीब 270 किलोमीटर दूर है।

बता दें कि इस हमले के बाद गवर्नर की ओर से उनके प्रतिनिधि और स्थानीय निकाय मंत्री सुगुन माई मेले ने गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव वालों को चेतावनी दी कि अगर कोई भी व्यक्ति बोको हरम आतंकियों से मिलकर समुदाय के खिलाफ साजिश करता पाया गया, तो उन्हें उनका बुरा परिणाम भुगतना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। बीते कुछ महीनों में बोको हरम के हमले फिर से बढ़ गए हैं। आतंकियों ने कई बार सेना की चौकियों पर हमला किया है, सड़कों पर बम लगाए हैं और आम लोगों के गांवों को निशाना बनाया है। इससे 2009 के चरम बोको हरम आतंक के दौर की वापसी का डर फिर से बढ़ने लगा है, जबकि सेना लगातार अपनी कामयाबी के दावे कर रही है। पिछले महीने भी बोर्नो के कोंडुगा इलाके में एक महिला आत्मघाती हमलावर ने एक रेस्टोरेंट में विस्फोट कर कम से कम दस लोगों की जान ले ली थी और कई घायल हुए थे। गौरतलब है कि बोको हरम ने 2009 में हथियार उठाकर पश्चिमी शिक्षा का विरोध करना और कट्टर इस्लामी कानून लागू करना शुरू किया था। इस हिंसा में अब तक करीब 35,000 लोग मारे जा चुके हैं और 20 लाख से ज्यादा लोग बेघर हो चुके हैं। इस समय नाइजीरिया न सिर्फ उत्तर-पूर्व में आतंकवाद से जूझ रहा है, बल्कि उत्तर-मध्य और उत्तर-पश्चिम इलाकों में भी हिंसा और हमलों से देश में सुरक्षा संकट गहराता जा रहा है।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच यमन में इस्राइल का हवाई हमला, हूती विद्रोहियों का पलटवार

दुबई, एजेंसी।
इस्राइल ने अब ईरान का साथ देने वाले हूती विद्रोहियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। इस्राइली सेना ने सोमवार सुबह यमन में हवाई हमला किया। इस्राइली सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों, बंदरगाह और अन्य स्थानों पर मिसाइल दागी। जवाब में हूती विद्रोहियों ने भी इस्राइल पर मिसाइल हमला किया।

इस्राइल ने हमला हूतियों के लाल सागर में एक जहाज पर किए गए संदिग्ध हमले के बाद किया। हूतियों के हमले के बाद जहाज में आग लग गई और वह पानी में डूब गया। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हूतियों के कब्जे वाले होदेदा, रास ईसा और सालिफ बंदरगाहों पर हमला किया। सेना ने कहा कि इन बंदरगाहों का उपयोग हूती आतंकवादी ईरानी शासन से हथियारों को स्थानांतरित करने के लिए करते हैं। इन हथियारों का उपयोग बाद में इस्राइल और उसके सहयोगियों के खिलाफ आतंकी अभियान चलाने के लिए किया जाता है।

इस्राइली सेना ने कहा कि उसने गैलेक्सी लीडर नामक वाहन पर हमला किया, जिसे हूतियों ने नवंबर 2023 में जब्त कर लिया था। जब उन्होंने इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर लाल सागर गलियारे में अपने हमले शुरू किए थे। हूतियों ने जहाज पर एक रडार प्रणाली स्थापित की है और इसका उपयोग वे अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में जहाजों पर नजर रखने के लिए कर रहे हैं, ताकि आगे की आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने आगे भी हमले की धमकी दी। काट्ज ने कहा कि जो ईरान के लिए सच है, वही यमन के लिए भी सच है। जो कोई भी इस्राइल के खिलाफ हाथ उठाएगा, उसका हाथ काट दिया जाएगा। हूतियों को अपने कामों की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसके बाद हूतियों ने इस्राइल पर मिसाइल हमला किया। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने मिसाइल को रोकने की कोशिश की, लेकिन कोशिश सफल न हुई। हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वहीं हूतियों ने इस्राइली हमलों की बात स्वीकार की, लेकिन नुकसान की जानकारी नहीं दी। हूतियों के सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी

ने दावा किया कि उनके वायु रक्षा बलों ने इस्राइलियों का बेहतर तरीके से सामना किया। यमन के हूती विद्रोही पिछले कई महीनों से इस क्षेत्र में वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों को निशाना बना रहे हैं। उनका दावा है कि वे गाजा में इस्राइल के हमले के विरोध में ऐसा कर रहे हैं। एक जानकारी के मुताबिक, नवंबर 2023 से जनवरी 2025 तक हूतियों ने 100 से ज्यादा जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। इनमें से दो जहाज डूब गए और चार नाविकों की मौत हुई। इस कारण लाल सागर के व्यापार मार्ग पर असर पड़ा, जहां हर साल लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार होता है। बता दें कि, मार्च 2025 में अमेरिका ने हूती ठिकानों पर बड़ा हवाई हमला किया था, जिसके बाद हूतियों ने अपनी खुद के घोषित संघर्ष विराम को तोड़ दिया। हालांकि इसके बाद से उन्होंने सीधे किसी जहाज को नहीं निशाना बनाया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता जरूरी

आतंकवाद आज पूरी दुनिया में मानवता के लिए बड़ा खतरा बन गया है। यह शांति, सह-अस्तित्व, विकास और लोकतंत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती खड़ी कर रहा है। किसी भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारणों से आतंकवाद को जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह एक ऐसा नासूर बन चुका है, जो अपने आप खत्म नहीं होगा। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास की जरूरत है। भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में वैश्विक समुदाय को एकजुट करने की कोशिश करता रहा है। परिणामस्वरूप कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ मुखरता से आवाज उठी है। अब चार देशों के समूह क्वाड ने भी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है।

साथ ही इस हमले की साजिश रचने वालों, उसे अंजाम देने वालों और इसके वित्त पोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कठघरे में लाने का आह्वान किया है। क्वाड के इस कदम से आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति को बल मिला है। यह बात छिपी नहीं है कि पाकिस्तान समेत कुछ चुनिंदा देश आतंकियों का पालन-पोषण कर उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल करते हैं। भारत ने कई मौकों पर पाकिस्तान की इस असलियत को वैश्विक समुदाय के समक्ष सबूतों के साथ उजागर किया है। मगर, पाकिस्तान हमेशा इससे इनकार करता रहा है। हालांकि, आतंकवाद के खिलाफ दुनिया के हर कोने से आवाज उठ रही है, लेकिन इसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो एकजुट प्रयास होने चाहिए, वे अभी नजर नहीं आ रहे हैं।

पिछले माह चीन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन में शामिल देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे को उठाया। मगर, जब साझा बयान जारी करने को लेकर चर्चा हुई, तो पाकिस्तान ने इस मुद्दे को शामिल न करने की बात कही, जिस पर भारतीय पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

मतदाता सूची सुधार अभियान कहीं लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन न बन जाए

इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करने के लिए होने वाले चुनाव में सभी वैध मतदाताओं को मतदान का अधिकार होना चाहिए और नियम के मुताबिक अपात्र लोगों को मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए। इस दृष्टि से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश के मायने समझे जा सकते हैं। सवाल है कि अगर इस सूची को दुरुस्त करने के क्रम में किसी मजबूरी या अन्य परिस्थितियों की वजह से वैसे लोग भी मतदान के अधिकार से वंचित हो जाते हैं, जो वास्तव में इसके हकदार हैं, तो इसकी जवाबदेही किस पर होगी। यह सही है कि समय-समय पर अलग-अलग वजहों से अपात्र हो चुके लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की जरूरत होती है। लेकिन अब नई परिस्थितियों में जिस तरह चुनाव आयोग ने सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया की शुरुआत की है, उसमें इस बात की आशंका खड़ी हो गई है कि क्या इसमें बड़ी तादाद में वैसे लोग भी मतदान के लिए अपात्र करार दिए जाएंगे, जिनके पास आयोग की ओर से मांगे गए दस्तावेज किन्हीं वजहों से उपलब्ध नहीं हैं!

मतदाता सूची को त्रुटियों से रहित बनाने का काम निश्चित तौर पर संवैधानिक रूप से सही है, लेकिन विपक्षी दलों की ओर से इसके औचित्य पर सवाल उठाने के भी अपने आधार हैं। आयोग की ओर से इस सूची में बने रहने के लिए जिन स्वीकार्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, बिहार के बहुत सारे लोगों को लिए यह एक बेहद मुश्किल काम होगा। ऐसे लोगों की भी संख्या अच्छी-खासी होगी, जिनके पास खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज नहीं होंगे और अगर वे इन्हें नए सिरे से बनवाने के काम में लगेंगे तो इसके लिए समय की जरूरत होगी। जबकि बिहार में अक्तूबर में ही विधानसभा चुनाव होने हैं और मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए महज एक माह का समय दिया गया है। स्वाभाविक ही इस समय के चुनाव पर भी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में प्रक्रिया पूरी होने के बाद आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव के लिए जो अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, अगर उसमें शामिल होने के पात्र लोग किन्हीं वजहों से छूट गए, तो उनके दावों और आपत्तियों को निपटाने के लिए क्या व्यवस्था की जाएगी? यह छिपा नहीं है कि बिहार में एक बड़ी आबादी ऐसे गरीब और कम शिक्षित लोगों की है, जिनके पास सरकार की ओर से जारी आधिकारिक दस्तावेज नहीं होंगे।

ठाकरे भाइयों ने अपने 'मिलन' के लिए महाराष्ट्र में समाज को भाषा के नाम पर बाँट दिया

(नीरज कुमार दुबे)

दोनों चचेरे भाइयों ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर भाषा की भावनाओं की लहरों में डोलती दिखाई दे रही है। मराठी अस्मिता के सवाल को फिर से केंद्र में लाते हुए शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने हिंदी भाषा को कथित रूप से 'थोपे जाने' के विरोध में एक समान सुर अपनाया है। यह घटनाक्रम न केवल रा%य की भाषाई राजनीति को गर्मा गया है, बल्कि वर्षों से एक-दूसरे के विरोध में खड़े ठाकरे बंधुओं को साझा राजनीतिक उद्देश्य के तहत साथ भी ले आया है।

वैसे राज ठाकरे और उनकी पार्टी की ओर से हिंदी भाषा का विरोध पहले भी होता रहा है। खासकर मुंबई जैसे महानगर में जहाँ हिंदी भाषी आबादी बड़ी संख्या में है, वहां मराठी भाषी समाज के मन में यह भाव डाला जा रहा है कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और भाषा को धीरे-धीरे हाशिये पर डाला जा रहा है। राज ठाकरे की मनसे ने पहले भी हिंदी भाषियों पर निशाना साधते हुए ऑटो रिक्शा चालकों और बहुभाषी दुकानों के खिलाफ अभियान चलाए हैं। वहीं शिवसेना की स्थापना ही 'मराठी मानुष' की राजनीति पर हुई थी, हालांकि बाद के वर्षों में वह राष्ट्रीय राजनीति और गठबंधनों में आगे बढ़ती चली गई। दोनों भाई दो दशक के बाद एक ही मंच से जिस तरह गरजे हैं उससे हिंदी भाषियों के मन में सुरक्षा को लेकर आशंकाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है इसलिए महाराष्ट्र सरकार को अब और %यादा सतर्कता बरतने की जरूरत है।

आज दोनों चचेरे भाइयों उद्धव और राज ने साथ आकर महाराष्ट्र की राजनीति में एक नई शुरुआत भी कर दी है। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र में अब तक राजनीतिक परिवारों को बंटते देखा गया लेकिन ठाकरे बंधुओं ने एक साथ आकर जो पहल की है क्या उसका विस्तार पवार परिवार तक भी होता है, अब इस पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी। आज की रैली में उद्धव और राज ठाकरे ने अपने भाषण के जरिये वैसे तो कई बड़ी बातें कहीं लेकिन उन्हें हिम्मत करके कुछ जायज सवालों के जवाब भी देने चाहिए।

1. पहला सवाल यह है कि जिस हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा हासिल है उसके खिलाफ नफरत क्यों फैलाई जा रही है?

2. दूसरा सवाल यह है कि हिंदी सिनेमा उद्योग ने जिस मुम्बई को विशिष्ट पहचान दिलाई और जो हिंदी सिनेमा उद्योग महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की तरह है वहां हिंदी का विरोध करना क्या दोहरा रवैया नहीं है? फिल्मों को हिंदी बेल्ट से कमाई चाहिए लेकिन उसी हिंदी बेल्ट का व्यक्ति यदि महाराष्ट्र में हिंदी बोले तो क्या उसकी बेल्ट से पिटाई की जायेगी?

3. तीसरा सवाल यह है कि छत्रपति शिवाजी महाराज से लेकर तमाम अन्य मराठा वीरों ने तो अपने साम्रा%य का उत्तर और दक्षिण तक विस्तार किया था लेकिन उद्धव और राज मराठियों को संकुचित दायरे में ही क्यों रखना चाहते हैं? हिंदी विरोध के बहाने साथ आये उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत की सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर का प्रतीक बन चुकी है। विदेशों में भी भारतीय, हिंदी को अपने मूल से जोड़ने वाली डोर मानते हैं। हिंदी पर मराठी भाषा की जीत का उत्सव मना रहे उद्धव और राज को समझना चाहिए कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान का अभिन्न अंग है।

जन समर्थन खो चुके उद्धव और राज ठाकरे जैसे हिंदी विरोधियों को अपने मन की वह भ्रांति दूर कर लेनी चाहिए कि हिंदी कोई विरोधी भाषा है, उन्हें समझना चाहिए कि हिंदी तो एक सहयोगी भाषा है। यह कभी किसी पर थोपी नहीं जाती बल्कि अपनी उपयोगिता, पहुँच और आत्मीयता के बल पर यह जनमानस में रची-बसी है।

हिंदी तो वह भाषा है जो भारत की भाषायी विविधता को बनाए रखते हुए अन्य भाषाओं के साथ बड़ी आसानी से समन्वय कर लेती है। राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए साथ आये उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी एक लचीली और समावेशी भाषा है जो अन्य भाषाओं के शब्दों को आत्मसात करती है। इसमें संस्कृत, उर्दू, फारसी, बंगाली, क्षेत्रीय बोलियों और यहां तक कि अंग्रेजी के शब्दों को भी आत्मसात करने की अद्भुत क्षमता है। देश और समाज को जोड़ने वाले मुद्दों को उठा कर अपनी राजनीति आगे बढ़ाने की बजाय समाज को बांटने वाले मुद्दे उठा कर उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी किसी को दबाने या हटाने की भाषा नहीं है, बल्कि यह जोड़ने की भाषा है। यह विविधता में एकता के भारतीय दर्शन को व्यवहार में उतारती है।

उद्धव और राज ठाकरे को समझना चाहिए कि हिंदी भारत की आत्मा की आवाज़ है, यह उस किसान की बोली है, उस सैनिक का आदेश है, उस कवि की कल्पना है और उस आम आदमी का माध्यम है जो पूरे देश से जुड़ना चाहता है। इसे समझना, अपनाना और सम्मान देना ही असली भारतीयता है। आज जो लोग उद्धव और राज ठाकरे के एक साथ आने पर नृत्य कर रहे हैं उन्हें भी यह बात समझनी चाहिए कि चचेरे भाई तो आपस में जुड़ गये मगर आपको भाषा के नाम पर भड़का कर अपने पड़ोसियों और अपने सहयोगियों से अलग कर दिया।

बहरहाल, जहां तक उद्धव और राज ठाकरे के साथ आने की बात है तो आपको बता दें कि दोनों नेताओं का एक साथ आना महज भाषाई चिंता नहीं है, बल्कि इसमें एक गहरी राजनीतिक रणनीति छिपी हुई है। उद्धव ठाकरे बीजेपी से अलग होने और एकनाथ शिंदे की ओर से शिवसेना को विभाजित कर देने के बाद नए सिरे से अपनी असली शिवसेना की छवि को फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं राज ठाकरे को भी लंबे समय से राजनीतिक पुनर्जीवन की तलाश है और मराठी अस्मिता का मुद्दा उनके लिए सबसे सहज विकल्प है। देखा जाये तो दोनों के लिए हिंदी विरोध एक ऐसा मंच है, जहां वे एक बार फिर मराठी मतदाता के भावनात्मक जुड़ाव को सक्रिय करने का प्रयास कर रहे हैं, खासकर मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनावों को ध्यान में रखते हुए।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जब नदियां अविरल बहेंगी, तभी जलभराव थमेगा

(पंकज चतुर्वेदी)

बीते डेढ़ महीने में दिगी में कुल चार बार ठीक-ठाक बादल बरसे और बमुश्किल एक घंटे की बरसात में ही राष्ट्रीय राजधानी ठिठक सी गई। तीन दशकों से सरकारों के लाख दावों के बावजूद हर साल देश में जलभराव वाले शहरों और जगहों की संख्या बढ़ती जा रही है। हालिया आंकड़ों पर गौर करें, तो अकेली दिगी में साल 2023 में जहां जलभराव के 308 बिंदु चिह्नित किए गए थे, 2025 में इनकी संख्या बढ़कर 410 हो गई है। अब तो डूबने का दायरा अतिविशिष्ट कहलाने वाली लुटियन दिगी तक बढ़ गया है।

पानी भरते ही दो कारण सबसे पहले गिनाए जाते हैं- एक, इस महीने या इतने कम समय में इतना अधिक पानी कितने वर्षों के बाद बरसा और दूसरा, नालियों की सफाई न होना या सीवर तंत्र का पुराना पड़ जाना। याद रखिए, दिगी बसी ही इसलिए थी कि यहां से यमुना बह रही थी। इसके जलभराव या फिर इसकी प्यास का एकमात्र इलाज यमुना ही है। हमारे पुरखों ने दिगी के हर कोने से जमा जल को यमुना या फिर तालाबों तक पहुंचाने की व्यवस्था की थी, जिसे आधुनिक तंत्र ने उजाड़ दिया। लिहाजा, जलभराव की समस्या का निदान पारंपरिक ज्ञान को फिर से महत्व देने में है। वैसे, मामला सिर्फ दिगी का नहीं है। थोड़ा सा पानी बरसते ही दिगी से सटे शहर भी ठिठक जाते हैं। पिछली चार बारिशों में इन शहरों की सड़कें भी दरिया बन गईं और नाले उफन आए। दिगी से सटे गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम जैसे शहरों के नामचीन इलाके घुटने-घुटने पानी में डूबे दिखे। उत्तर प्रदेश के छोटे से कस्बे हापुड़-खुर्जा हों या हरियाणा का पलवल, सभी पानी-पानी हो गए। ऐसी ही खबरें गोंडा, औरैया, पटना और देहरादून से आ रही हैं। स्मार्ट सिटी घोषित हो गए गोवा की राजधानी पणजी में तो पहली बरसात में ही शहर में तीन-तीन फुट पानी था। दरअसल, शहरी नियोजन के लिए गठित लंबे-चौड़े सरकारी अमले पानी के जमाव के कारण शहरों के ठहर जाने पर खुद को असहाय पाते हैं। सारा दोष नालों की सफाई न होने, बढ़ती आबादी, घटते संसाधनों और पर्यावरण से छेड़छाड़ पर थोप देते हैं। वैसे, इस बात का जवाब कोई नहीं दे पाता कि इन नालों की सफाई साल भर क्यों नहीं होती और इसके लिए मई-जून का इंतजार क्यों किया जाता है? यह सभी जानते हैं कि दिगी में बने ढेर सारे पुलों के निचले सिरे, अंडरपास और सब-वे हल्की बारिश में भी जलभराव के शिकार हो जाते हैं, पर कोई यह जानने का प्रयास नहीं करता कि इनके निर्माण या रखरखाव की वह कौन-सी कमी है?

यह पूरे देश में हुआ है कि जिन जल-तिजोरियों को बरसात की हरेक बूंद को सहेजने के लिए इस्तेमाल किया जाना था, उसे 'रियल एस्टेट' मान लिया गया और कुदरत की नियामत के बरसते ही, बेपानी शहरों की सड़कें, कॉलोनियां पानी से लबालब हो जाती हैं। काश, शहरों की नदियों को अविरल बहने दिया गया होता। उनसे जुड़े तालाबों व नहरों को जीवन दे दिया जाए, तो दिगी हो या रांची, इनसे दोगुने बड़े शहरों को पानी देने और बारिश के चरम पर भी हर बूंद को अपने में समेट लेने की क्षमता इनमें है। नदी किनारे बसे शहरों में जलभराव का एक बड़ा कारण गाद और कचरे के कारण नदी का उथला हो जाना है। नदी की जल-ग्रहण क्षमता को कम करने में बड़ी मात्रा में जमा गाद (सिल्ट), रेत, सीवरेज, पूजा-पाठ की सामग्री, मलबा और तमाम तरह के कचरे का योगदान है। जब बड़े नाले गाद से बजबजाते हैं, तो शहरों पर जलभराव की चोट दोहरी होती है- चूंकि नाले का पानी नदी की तरफ लपकता है और उथली नदी में पहले से ही नाले के मुंह तक पानी भरा होता है, इसलिए नदी के प्रवाह से उपजे प्रतिगामी बल से नाले फिर पलटकर सड़कों को दरिया बना देते हैं। जान लें, यदि दिगी या देश के तमाम बड़े शहरों को जलभराव की समस्या से बचना है, तो उनको सुनिश्चित करना होगा कि उनकी नदियां अविरल बहें और उनकी गहराई व पाट बचे रहें। जलभराव पूरी तरह से मानवजन्य समस्या है। इसका निदान दूरगामी योजनाओं से ही संभव है; यह बात हमारे शहरी नियोजनकर्ताओं को भली-भांति समझनी पड़ेगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5785

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5784

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 5785

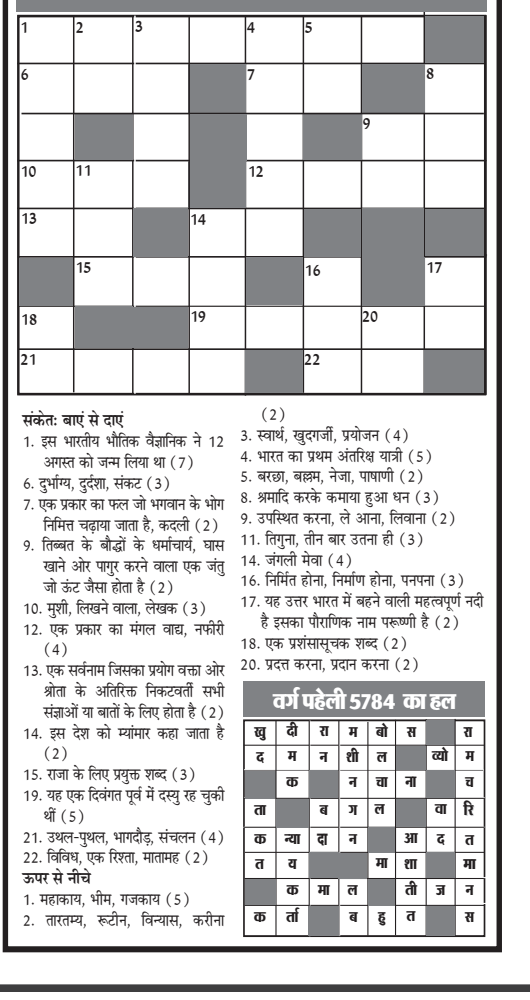

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस भारतीय भौतिक वैज्ञानिक ने 12 अगस्त को जन्म लिया था (7)
6. दुर्भाग्य, दुर्दशा, संकट (3)
7. एक प्रकार का फल जो भगवान के भोग निमित्त चढ़ाया जाता है, कदली (2)
9. तिब्बत के बौद्धों के धर्माचार्य, घास खाने ओर पागुर करने वाला एक जंतु जो ऊंट जैसा होता है (2)
10. मुशी, लिखने वाला, लेखक (3)
12. एक प्रकार का मंगल वाद्य, नफीरी (4)
13. एक सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता ओर श्रोता के अतिरिक्त निकटवर्ती सभी संज्ञाओं या बातों के लिए होता है (2)
14. इस देश को म्यांमार कहा जाता है (2)
15. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
19. यह एक दिवंगत पूर्व में दस्यु रह चुकी थीं (5)
21. उथल-पुथल, भागदौड़, संचलन (4)
22. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)

ऊपर से नीचे

1. महाकाय, भीम, गजकाय (5)
2. तारतम्य, रूटीन, विन्यास, करीना (2)
3. स्वार्थ, खुदगर्जी, प्रयोजन (4)
4. भारत का प्रथम अंतरिक्ष यात्री (5)
5. बरछा, बल्लम, नेजा, पाषाणी (2)
8. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
9. उपस्थित करना, ले आना, लिवाना (2)
11. तिगुना, तीन बार उतना ही (3)
14. जंगली मेवा (4)
16. निर्मित होना, निर्माण होना, पनपना (3)
17. यह उत्तर भारत में बहने वाली महत्वपूर्ण नदी है इसका पौराणिक नाम परूष्णी है (2)
18. एक प्रशंसासूचक शब्द (2)
20. प्रदत्त करना, प्रदान करना (2)

वर्ग पहेली 5784 का हल

खु	दी	रा	म	बो	स		रा
द	म	न	शी	ल		व्यो	म
	क		न	चा	ना		च
ता		ब	ग	ल		वा	रि
क	न्या	दा	न		आ	द	त
त	य			मा	शा		मा
	क	मा	ल		ती	ज	न
क	र्ता		ब	हु	त		स

आज का राशिफल

मेष
आज संभलकर काम करने का दिन है। धन को लेकर सजग रहना होगा, विशेषकर गण लेने या देने के मामलों में। किसी बैंक, संस्था या व्यक्ति से लोन लेने से पहले शर्तों को ध्यान से पढ़ें। निवेश या नई आर्थिक योजना बनाते समय बुजुर्गों या विशेषज्ञों की सलाह लें। पुराने मित्रों के सहयोग से कोई रुका हुआ काम गति पकड़ सकता है। ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जो भविष्य के लिए फायदेमंद होगी।

वृष
आज दिन काफी व्यस्तता से भरा बीतेगा। दिनभर कार्यों की अधिकता बनी रहेगी। व्यापार में चल रही पुरानी योजना को धन निवेश से गति मिल सकती है। जो लोग प्रॉपर्टी या गाड़ी खरीदने की सोच रहे हैं, उनके लिए दिन शुभ रहेगा। पैर में चोट लगने की आशंका बन रही है। सावधानी रखें। कर्ज या बीमा संबंधित कामों में सफलता मिल सकती है। किसी सम्माननीय आयोजन में भाग लेने का भी अवसर मिलेगा, जिससे संपर्क बढ़ेंगे।

कर्क
आज लाभ का दिन है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। ननिहाल पक्ष से आर्थिक या भावनात्मक सहयोग मिलेगा। व्यापार में नई साझेदारी की बात चल सकती है, लेकिन निर्णय सोच-समझकर लें। भाग्य आपके पक्ष में है, जिससे पूर्व में किया गया कोई निवेश अब फल देने लगेगा। प्रॉपर्टी या किराए से लाभ के योग हैं।

सिंह
आज मन ही मन थोड़ा परेशान रहेंगे। कोई भी जिससे निर्णय लेने में कठिनाई होगी। लेकिन व्यापार या नौकरी से जुड़ी समस्याओं का समाधान अनुभव के आधार पर हो जाएगा। नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो थोड़ी प्रतीक्षा करें। आय की तुलना में खर्च अधिक रहेगा, लेकिन खर्च सुख सुविधाओं या प्रतिष्ठा के लिए होगा। मीडिया, कला और शिक्षा से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा।

मिथुन
आज दिन सुख शांति से बीतेगा। धार्मिक कार्यों व आत्मिक शांति की ओर आपका झुकाव रहेगा, जो मानसिक रूप से सकारात्मक परिणाम देगा। धन प्राप्ति के आकस्मिक योग बन सकते हैं, जैसे लॉटरी, बोनस या किसी निवेश से लाभ होगा। हालांकि स्वास्थ्य में गिरावट हो सकती है, खासकर अगर पुरानी बीमारी चल रही हो। संतान से जुड़ी किसी योजना पर खर्च होगा, लेकिन उसका दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

कन्या
आज दिन साहस से भरा होगा। आप कठिन परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेंगे। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण मीटिंग या प्रेजेंटेशन आपको बड़ा अवसर दिला सकती है। व्यापार में साझेदार से मधुर संवाद होगा। माता-पिता का सहयोग मिलने से धन से जुड़े निर्णय और मजबूत होंगे। किसी योजना में निवेश करने का विचार है तो दिन शुभ है।

तुला
आज भाग्य साथ देगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन पदोन्नति और वेतन वृद्धि की संभावना लेकर आया है। नए संपर्क आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं। अगर आप कोई स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं, तो नई योजना बना सकते हैं। निवेश से पहले दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ना जरूरी होगा। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। आपको फालतू खर्च से बचने की सलाह है।

वृश्चिक
आज व्यवसाय में थोड़ी अस्थिरता रह सकती है, खासकर अगर आप निर्माण, ठेकेदारी या तकनीकी सेवाओं से जुड़े हैं। कर्मचारियों से सामंजस्य बनाकर चलें, नहीं तो कार्यस्थल पर मतभेद हो सकते हैं। दोपहर बाद स्थितियां नियंत्रण में आएंगी। पुराने निवेश से कुछ रिटर्न मिल सकता है। सरकारी कार्य या टेंडर प्रक्रिया में थोड़ी देरी संभव है लेकिन प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे।

मकर
आज दिन आर्थिक जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। घर से जुड़ी किसी मरम्मत या सजावट पर खर्चा हो सकता है। पारिवारिक व्यवसाय में निर्णय लेने का समय है। खासकर यदि आप रिटेल, खाद्यान्न या कंस्ट्रक्शन से जुड़े हैं। नौकरीपेशा लोगों को बॉस से अप्रत्याशित सराहना या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। जो लोग सरकारी विभागों या प्रशासनिक सेवाओं में हैं, उन्हें अपने कागज़ात अपडेट रखने की आवश्यकता है।

कुंभ
आज सम्मान में वृद्धि होगी। तकनीक, डिजाइन, एनिमेशन, ऐप डेवलपमेंट या इनोवेशन से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। कोई नया क्लाइंट मिल सकता है या पुराना ग्राहक बड़ा ऑर्डर दे सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको नेतृत्व का अवसर मिल सकता है। टीम को साथ लेकर चलें। भाई-बहनों के साथ कोई संयुक्त योजना बन सकती है जिसमें आप वित्तीय साझेदारी करेंगे। अगर आप ऑनलाइन बिजनस करते हैं, तो वेबसाइट, सोशल मीडिया और ट्रैफिक पर ध्यान देना जरूरी है।

धनु
आज दिन उत्साहवर्धक है और भाग्य आपको हर मोर्चे पर सहयोग देगा। शिक्षकों, शोधकर्ताओं और कंसल्टेंसी सेवाओं से जुड़े लोग नए अवसरों की उम्मीद कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के प्रबल योग हैं, विशेषत: यदि आपने हाल में किसी परीक्षा के लिए आवेदन किया है। व्यवसाय में विस्तार के लिए गण लेना फायदेमंद हो सकता है।

मीन
आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके सामने नई आर्थिक संभावनाएं प्रकट होंगी। व्यापार विस्तार, मार्केटिंग या विज्ञापन से जुड़ी योजनाओं में निवेश करना लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। पति-पत्नी या जीवनसाथी का सहयोग आपको आर्थिक निर्णयों में सही मार्ग देगा। कोई पुराना विवाद सुलझने से मानसिक शांति मिलेगी। शेयर बाजार या क्रिप्टो निवेश से जुड़े लोग सतर्क रहें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

डीपीएल नीलामी में दिग्वेश राठी पर लगी भारी भरकम बोली, आईपीएल 2025 से ज्यादा मिलेंगे पैसे

नईदिल्ली (एजेंसी)। मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी को दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में भारी भरकम कीमत पर खरीदा गया है। हैरानी की बात यह है कि उन्हें डीपीएल में इंडियन प्रीमिर लीग (आईपीएल) 2025 से ज्यादा पैसे मिलेंगे। दिग्वेश को आईपीएल में 30 लाख रुपए में खरीदा गया था जबकि डीपीएल में उन पर 38 लाख रुपए की बोली लगी जिससे जोकि दूसरी सबसे ऊंची बोली थी।

दिग्वेश ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा है। उन्हें खरीदने का मुख्य कारण आईपीएल में उनकी सफलता है। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर

जाइंट्स के लिए खेलते हुए दिग्वेश ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 14 विकेट अपने नाम किए और यही नीलामी में उनकी भारी भरकम बोली की एक बड़ी वजह रही। दिग्वेश ने आईपीएल 2025 में 13 मैचों में 52 ओवर डाले। इस दौरान उन्होंने 429 रन लुटाते हुए 30/2 के साथ 8.25 की इकोनॉमी से 14 विकेट चटकाए। राठी डीपीएल 2024 में भी खेल चुके हैं। उन्होंने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते 10 मैचों में 7.82 की इकॉनमी रेट और 21.71 की गेंदबाजी औसत के साथ 14 विकेट लिए जो टूर्नामेंट में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले और स्पिनरों में दूसरे स्थान पर रहे। विशेष रूप से उन्होंने एक उच्च स्कोरिंग मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को नियंत्रण में रखा, जिसमें अतिरिक्त उछाल निकालने और रन फ्लो को नियंत्रित करने की उनकी क्षमता का पता चलता है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह डीपीएल 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज को 39 लाख रुपए में साइन किया। ऋषभ पंत को पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। इसके अलावा भारत के धमाकेदार ओपनर बल्लेबाज और पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा।

संजोग गुप्ता आईसीसी के नए सीईओ बने

2500 उम्मीदवारों में चुने गए, ओलिंपिक में क्रिकेट को रेगुलर खेल बनाने का लक्ष्य

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने संजोग गुप्ता को नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे सोमवार से ही कार्यभार संभालेंगे। संजोग, आईसीसी के इतिहास में 7वें सीईओ होंगे। यह सिलेक्शन ऐसे समय हुई है जब क्रिकेट ओलिंपिक की ओर आगे बढ़ रहा है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने ऐलान करते हुए कहा, संजोग का खेलों की रणनीति और कॉमर्शियलाइजेशन को लेकर अनुभव, क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा।

2,500 उम्मीदवारों में चुने गए –इस पद के लिए मार्च 2025 से 25 देशों से 2,500 से ज्यादा आवेदन आए। आईसीसी की एचआर और रेम्यूनरेशन कमेटी ने 12 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया। अंतिम चयन नॉमिनेशन कमेटी ने किया, जिसमें, आईसीसी डिप्टी चेयर इमरान ख्वाजा, ईसीबी चेयर रिचर्ड थॉम्पसन, श्रीलंका क्रिकेट प्रेसिडेंट शम्मी सिल्वा, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया शामिल थे। यहां आईसीसी बोर्ड ने सर्वसम्मति से संजोग गुप्ता को चुना।

संजोग गुप्ता वर्तमान में जियो स्टार में स्पोर्ट्स और लाइव एक्सपीरिएंस के सीईओ हैं। उन्हें इस फील्ड में 20 साल से ज्यादा का अनुभव है। संजोग ने करियर की शुरुआत पत्रकार के रूप में की थी। 2010 में वे स्टार इंडिया से जुड़े। 2020 में डिज्नी स्टार के स्पोर्ट्स हेड बने। 2024 में वाइकाम-18 और डिज्नी स्टार के मर्जर के बाद जियो स्टार स्पोर्ट्स के सीईओ बने।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने क्या कहा – संजोग की मीडिया-एंटरटेनमेंट समझ बेहतरीन है। उनके पास क्रिकेट फैन की सोच को समझने की गहरी क्षमता है। हमारा लक्ष्य ओलिंपिक में क्रिकेट को रेगुलर खेल बनाना और क्रिकेट को कोर मार्केट से बाहर ले जाना है। संजोग इसमें अहम भूमिका निभाएंगे।

यह मेरे लिए सम्मान की बात है- संजोग – संजोग गुप्ता में कहा, यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं इस जिम्मेदारी को संभाल रहा हूं, खासकर उस समय जब क्रिकेट विस्तार की ओर है। दुनिया में करीब 2 अरब फैंस इस खेल को प्यार करते हैं। रु 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की एंट्री, महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और टेक्नोलॉजी के तेज उपयोग। इन सब में मुझे योगदान देने का मौका मिलेगा। मैं आईसीसी के सभी मेंबर बोर्ड्स के साथ मिलकर क्रिकेट के अगले चरण में योगदान देना चाहता हूं।

आईसीसी के एजेंडे में क्या है आगे?

क्रिकेट को अधिक देशों में पहुंचाना।

महिला क्रिकेट को मेनस्ट्रीम में लाना।

फैन एक्सपीरियंस को बेहतर करना।

ओलिंपिक में स्थायी एंट्री पाना।

डिजिटल और टेक्नोलॉजी के जरिए युवा दर्शकों से जुड़ना।

विंबलडन क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं नंबर-1 एरिना सबालेंका

- जर्मनी की लौरा सिगमंड भी जीतीं
- मेंस डबल्स में वर्ल्ड नंबर-3 जोड़ी उलटफेर का शिकार

बेलारुस (एजेंसी)। विंबलडन के राउंड ऑफ 16 मुकाबलों में रविवार को वर्ल्ड नंबर-1 एरिना सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने विमेंस सिंगल्स के मैच में बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को सीधे सेट में हरा दिया। मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-5 टेलर फ्रिट्ज ने भी क्वार्टर फाइनल में जगह बना लिया।

विमेंस सिंगल्स में 3 प्लेयर्स जीतीं – वर्ल्ड नंबर-1 बेलारूस की एरिना सबालेंका न मर्टेंस को 6-4, 7-6 (7-4) के अंतर से हरा दिया। विमेंस सिंगल्स में उनके अलावा रूस की एनास्तासिया पाव्ल्यूचेंकोवा ने ब्रिटेन की सोनाय कार्टाल को 7-6 (7-3), 6-4 से हराया। वहीं जर्मनी की लौरा सिगमंड ने अर्जेंटीना की सोलाना सिएरा को 6-3, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

मेंस डबल्स में नंबर-1 जोड़ी जीतीं –मेंस डबल्स में अर्जेंटीना के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर पहुंचा भारत

- ऑस्ट्रेलिया वेस्टइंडीज को हराकर नंबर-1
- इंग्लैंड 12 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया ने 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकल में पहली जीत दर्ज की है। भारत ने इंग्लैंड को एजबेस्टन टेस्ट में 336 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत को 12 डब्ल्यूटीसी अंक मिले और उनका पॉइंट परसेंटेज (पीसीटी) 50.00 हो गया है। भारत अब डब्ल्यूटीसी टेबल में इंग्लैंड के साथ तीसरे स्थान पर है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया है। टीम ने वेस्टइंडीज को उन्हीं के घर पर लगातार 2 टेस्ट हराए हैं। ऑस्ट्रेलिया के 24 पॉइंट्स हैं। दूसरे नंबर पर बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट में हारने वाली श्रीलंकाई टीम है। श्रीलंका के 2 मैच में एक ड्रॉ और एक जीत के साथ 16 पॉइंट्स हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 की बढ़त ले ली है। तीसरा टेस्ट मैच किंग्स्टन में 13 जुलाई से खेला जाएगा।

डब्ल्यूटीसी टेबल की सिचुएशन

- डब्ल्यूटीसी 2025-27 की शुरुआत श्रीलंका-बांग्लादेश के पहले मैच से हुई। यह मैच ड्रॉ रहा था। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच हेडिंग्ले से इस सीरीज की शुरुआत की। टीम को में 5 विकेट से हार मिली थी।
- न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका ने इस सीजन अभी एक भी टेस्ट नहीं खेला है।

- ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर- 100 प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज, वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत ली है, एक मैच बाकी है।
- श्रीलंका दूसरे स्थान पर- 66.67प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज, बांग्लादेश के खिलाफ 1 जीत और 1 ड्रॉ।
- भारत और इंग्लैंड तीसरे और चौथे- संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। दोनों के 50.00प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज हैं। सीरीज में अभी 3 मैच बाकी है।
- बांग्लादेश पांचवें स्थान पर- श्रीलंका के खिलाफ एक ड्रॉ और एक हार के बाद बांग्लादेश 16.67प्रतिशत पॉइंट परसेंटेज के साथ पांचवें स्थान पर है।
- वेस्टइंडीज छठे स्थान पर- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 मैच हारने के बाद वेस्टइंडीज 0 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं।
- न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका- अभी तक डब्ल्यूटीसी 2025-27 साइकिल की शुरुआत नहीं की है।

आकाशदीप ने एजबेस्टन में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया, कमिंस को पछाड़ बने नम्बर 1 गेंदबाज

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट मैच में हरा कर एतिहास रच दिया। भारत की और से बल्लेबाजी में कप्तान शुभमन गिल ने दोनो पारियो में कुल मिलाकर 430 रन बनाए जिसमें पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाकर अच्छी बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। वही भारत की गेंदबाजी से आकाशदीप ने इस मैच में कुल 10 विकेट अपने नाम किए जिसमें पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट शामिल थे। इसी के साथ ही आकाशदीप बर्मिंघम में चौथी पारी में इंग्लैंड के खिलाफ पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में पैट कमिंस का रिकॉर्ड तोड़ा है।

आकाशदीप ने बर्मिंघम में टेस्ट मैच की चौथी पारी में 5 विकेट लेने वाले पहले मेहमान तेज गेंदबाज बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन में आकाशदीप ने दूसरी पारी में 6/99 के शानदार स्पेल से केवल इंग्लैंड की बल्लेबाजी को तहस-नहस किया बल्कि टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय भी लिख दिया।

आकाशदीप के प्रभावशाली आंकड़ों ने बर्मिंघम में चौथी पारी में किसी मेहमान तेज गेंदबाज द्वारा किए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया जो 2019 के बाद से पैट कमिंस (4/32) के नाम था। कमिंस के अलावा तीसरे नम्बर पर क्लाइव लॉयड, चौथे पर वसीम अकरम और पांचवें पर भारत के वेंकटेश प्रसाद हैं जिन्होंने 2-2 विकेट लिए हैं।

गौर हो एजबेस्टन टेस्ट की तो भारत ने पहली इनिंग में गिल के दोहरे शतक की बदौलत 587 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड 407 रन पर ढेर हो गई और भारत ने 180 रन की बढ़त बनाई। दूसरी इनिंग में भी टीम ने 427/6 का बड़ा स्कोर बनाते हुए इंग्लैंड को 608 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में इंग्लिश टीम अपनी दूसरी इनिंग में सिर्फ 271 रन ही बना पाई और ऐसे टीम इंडिया ने ये मैच 336 रनों से जीता। पांच मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है जिसका तीसरा टेस्ट लॉड्स में खेला जाएगा।

बर्मिंघम में चौथी पारी में विदेशी तेज गेंदबाज द्वारा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े : (सभी इंग्लैंड के खिलाफ)

6/99 – आकाशदीप (2025)*
4/32 – पैट कमिंस (2019)
2/26 – क्लाइव लॉयड (1973)
2/41 –वसीम अकरम (1987)
2/50 – वेंकटेश प्रसाद (1996)
2/61 – इमरान खान (1987)
2/71 – ज्योफ अलॉट (1999)
2/74 – जसप्रीत बुमराह (2022)

इस भारतीय ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया, हार के बाद आया स्टोक्स का बयान

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि भारत ने दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में खेल के हर विभाग में उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन किया तथा तेज गेंदबाज आकाशदीप के 'अविश्वसनीय कौशल ने मैच में निर्णायक अंतर पैदा किया। श्रृंखला में अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे आकाशदीप ने 10 विकेट लेकर भारत की 336 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत की इस मैदान पर टेस्ट क्रिकेट में यह पहली जीत है। पांच मैच की श्रृंखला अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि आकाश ने कल रात और आज सुबह पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की उसकी क्षमता अद्भुत है और फिर भी वह इतना सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था। उन्होंने कहा, 'जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी।

लगातार असफलताओं के बावजूद मौका मिल रहा, पूर्व क्रिकेटर ने इंग्लैंड के ओपनर की आलोचना की

बर्मिंघम। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह भाग्यशाली हैं जो उन्हें लगातार असफलताओं के बावजूद टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका मिल रहा है। उन्होंने इसके साथ यह भी सुझाव दिया कि क्रॉली को भारतीय कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी की रणनीति से सीख लेनी चाहिए और अपने खेल में सुधार करना चाहिए।

वॉन ने अपने कॉलम में लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने प्रशंसकों को निराश किया है। इनमें मैं भी शामिल हूं लेकिन वह (क्रॉली) सबसे ज्यादा निराश करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्हें मैं याद कर सकता हूं। जब से मैंने इंग्लैंड की क्रिकेट को करीब से देखा है तब से वह सबसे भाग्यशाली खिलाड़ी है जिसे लगातार असफलताओं के बावजूद इतने अधिक टेस्ट मैच खेलने को मिले। उन्होंने कहा, 'उन्हें खुद को भाग्यशाली मानना चाहिए कि उन्होंने 56 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने सिर्फ 5 शतक बनाए हैं और उनका औसत 31 का है। टेस्ट इतिहास में 2,500 से अधिक रन बनाने वाले सभी सलामी बल्लेबाजों में उनका औसत सबसे कम 30.3 है क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस खिलाड़ी ने गिल का उदाहरण देते हुए कहा, 'बदलाव संभव है। शुभमन गिल को ही देख लीजिए। इस श्रृंखला से पहले उनका औसत 35 था और अब और चार पारियों के बाद उनका औसत 42 है। उन्होंने अपनी मानसिकता और रणनीति के कारण ऐसा किया है। उन्होंने जान लिया था कि वह ख्क्ष्ु के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने अपने डिफेंस पर काम किया और अब परिणाम सबके सामने है।%

डीपीएल नीलामी में सहवाग के बेटे पर लगी 8 लाख की बोली, 39 लाख में सबसे महंगा बिका ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में दिग्गज भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे और स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के भतीजे को खरीदा गया। सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपए की मोटी रकम में खरीदा। 18 साल का आर्यवीर दिल्ली अंडर 19 क्रिकेट टीम का हिस्सा है। दूसरी ओर, कोहली के भतीजे, जिनका नाम भी आर्यवीर है, को डीपीएल 2024 की उप-विजेता साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 1 लाख रुपए में खरीदा है।

इस बीच तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह डीपीएल 2025 की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने तेज गेंदबाज पर बड़ी रकम खर्च करने में संकोच नहीं किया और उन्हें 39 लाख रुपए में साइन किया। सिमरजीत के ठीक पीछे, मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश सिंह को दूसरी सबसे ऊंची बोली मिली। दिग्वेश को साउथ दिल्ली सुपरस्टार ने 38 लाख रुपए में खरीदा।

दिल्ली प्रीमियर लीग के 2024 संस्करण के सेमीफाइनलिस्ट पुरानी दिल्ली 6 ने आधिकारिक तौर पर स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को आगामी सत्र के लिए बनाए रखने की घोषणा की थी, नीलामी से पहले उन्हें अपने मार्की खिलाड़ी के रूप में बनाए रखा था। पुरानी दिल्ली 6 ने डीपीएल 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और पूरे लीग चरण में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

44 साल के हुए धोनी: थाला के शानदार करियर, उपलब्धियों और रिकॉर्ड्स पर डालें नजर

नई दिल्ली- थाला कैप्टन कूल नाम से जाने जाते महान विश्व कप विजेता कप्तान एमएस धोनी सोमवार को 44 साल के हो गए है। हाल ही में आईसीसी हॉल ऑफ फेमर में शामिल होने धोनी अपने शांत स्वभाव और अपनी सामरिक उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं, ने 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण से लेकर अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्य्र) के साथ अपने करियर के इन आखिरी कुछ वर्षों के दौरान अपनी अलग छाप छोड़ी है।

भारत के लिए 17,266 अंतरराष्ट्रीय रन, 829 आउट और विभिन्न प्रारूपों में 538 मैचों के साथ धोनी न केवल दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं, बल्कि एक क्रांतिकारी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट के अलावा, वे पहले विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक थे जिन्होंने दुनिया को दिखाया कि विकेटकीपर वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे समय में जब विकेटकीपर से कैचिंग और स्टंपिंग की न्यूनतम आवश्यकता होती थी, धोनी ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी दिग्गज की निरंतरता और भूख के साथ रन बनाते हुए सीमा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने युवराज सिंह और सुरेश रैना के साथ एक मजबूत मध्य-क्रम बनाया।

वनडे क्रिकेट

धोनी का सबसे मजबूत प्रारूप वनडे है। उन्होंने 350 वनडे में 50.57 की औसत से 10,773 रन बनाए। उन्होंने भारत के लिए 10 शतक और 73 अर्द्धशतक बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183* रहा। वे वनडे में भारत के छठे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं (सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ शीर्ष पर हैं)। तथ्य यह है कि वे निचले क्रम में आते हुए 50 से ज़्यादा की औसत से 10,000 से ज़्यादा रन बनाने में सफल रहे जिससे उनके आंकड़े और भी आश्चर्यजनक हो जाते हैं। उन्होंने 200 वनडे मैचों में भारत का नेतृत्व किया जिसमें 110 जीते और

74 हारे, पांच मैच बराबर रहे, जबकि 11 का कोई नतीजा नहीं निकला। उनकी जीत का प्रतिशत 55 है। धोनी ने कप्तान के तौर पर भारत के लिए ढ्ढष्टष्ट क्रिकेट विश्व कप 2011 और ढ्ढष्टष्ट चैंपियंस ट्रॉफी 2013 जीती है।

टी20 क्रिकेट

चेन्नई सुपर किंग्स के थाला (नेता) के रूप में मशहूर धोनी ने भारत के लिए 98 टी20आई खेले जिसमें उन्होंने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए। उन्होंने इस प्रारूप में दो अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रहा है। वे भारत की आईसीसी टी20 विश्व विजेता 2007 विजेता टीम के विजयी कप्तान थे। माही ने 72 टी20आई में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें 41 जीते, 28 हारे, एक टाई रहा और दो असफल रहे। उनकी जीत का प्रतिशत 56.94 है।

टेस्ट क्रिकेट

क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप टेस्ट के करियर की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। 45.00 के जीत प्रतिशत के साथ वह सभी युगों में भारत के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। धोनी ने टीम इंडिया को टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचाया। वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को वाइटवॉश करने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान भी हैं, उन्होंने ऐसा 2010-11 और 2012-13 सीरीज में किया था।

न्यूज बाइट्स

पूरे समाज की उम्मीद प्रशांत किशोर : प्रो. अनिल

औरंगाबाद (नि. सं.)। औरंगाबाद विधानसभा सीट से जन सुराज पार्टी के टिकट के प्रबल दावेदार पार्टी नेता प्रो. अनिल कुमार सिंह ने सोमवार को औरंगाबाद विधानसभा के क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने शिबू बिगहा, पाठक बिगहा, बजरडीह, रघुबीर बिगहा, चैनपुर, मड़वा, प्रीतम बिगहा और बहुआरा आदि गांवों में लोगों के साथ जन सुराज की विचारधारा को साझा किया। जनसंपर्क के बाद प्रो. अनिल ने बताया कि लगभग सभी गांवों के लोग सिर्फ और सिर्फ परिवर्तन की बात कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें उम्मीद सिर्फ प्रशांत किशोर से ही दिख रही है। ज्यादातर लोग औरंगाबाद और बिहार के नेताओं से निराश और आक्रोशित दिखे और किसी भी कीमत पर वे इन दोनों गठबंधनों का साथ नहीं देना चाहते हैं। वे अब सिर्फ जन सुराज पार्टी से ही उम्मीद कर रहे हैं कि उनको बदतर हालात से जनसुराज ही मुक्ति दिला सकता है।

नहर में डूबने से युवक की हुई मौत

औरंगाबाद (नि. सं.)। नहर में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से हादसा हुआ है। 4 घंटे के बाद गोताखोरों ने शव को बाहर निकाला। घटना राजापुर झिकटिया गांव के पास की है। मृतक सियाराम बिंद(35) नालंदा जिले के इस्लामपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। तीन दिन पहले पत्नी रिजंती देवी के साथ उसके ननिहाल आया था। रविवार को दोपहर पूर्वी सोन उच्च स्तरीय नहर में स्नान करने गया था। इस दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। देर शाम नहर में शव मिला। चार साल पहले शादी हुई थी। 2 बेटी है, एक डेढ़ साल की और दूसरी की उम्र सिर्फ नौ महीने है। थानाध्यक्ष मो. इरशाद ने बताया कि शिनाख्त होने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। बयान के आधार पर पुलिस छानबीन कर रही है।

ट्रेड यूनियनों के भारत बंद में शामिल होगा राजद

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। राजद नीत महागठबंधन की औरंगाबाद में जिला समन्वय समिति की बैठक सोमवार को राजद जिलाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में 9 जुलाई को होनेवाले ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन हड़ताल को सफल करने और हड़ताल को पूर्ण समर्थन करते हुए बिहार बंद कराने का फैसला लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार के इशारे पर भारत निर्वाचन आयोग के तरफ से, गरीब, खेत, मजदूर को मताधिकार से वंचित करने की तैयारी चल रही है।

संदिग्ध हालत में ऑटो चालक की हत्या

चाकू के निशान मिले, रामबाबू का शव सोमवार की सुबह पानी भरे एक गड्ढे में मिला

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र अंतर्गत किशुनपुर गांव के पास एक ऑटो चालक की संदिग्ध परिस्थिति में हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रामबाबू चंद्रवंशी (उम्र 26 वर्ष) के रूप में हुई है, जो अरवल जिले के मेहंदिया थाना क्षेत्र के उपध्या विगहा गांव का निवासी था। रामबाबू का शव सोमवार की सुबह पानी भरे एक गड्ढे में मिला, जो कि उसके ससुराल से लगभग एक किलोमीटर पहले स्थित था। शव पर चाकू और धारदार हथियार के कई निशान पाए गए, जिससे स्पष्ट होता है कि उसकी निर्मम तरीके से हत्या की गई है। घटनास्थल के पास एक बाइक भी गिरी हुई मिली, जिससे आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद सबूत छुपाने के उद्देश्य से शव को गड्ढे में फेंक दिया गया।

परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामबाबू रविवार की रात करीब 10 बजे अपने ससुराल के लिए घर से निकले थे, लेकिन सुबह उनका शव गांव के पास पड़ा मिला। रामबाबू की शादी 2023 में हुई थी और तीन महीने का एक बेटा भी है। वे ऑटो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। बड़े भाई धनंजय चंद्रवंशी ने बताया कि रामबाबू की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, लेकिन जिस तरह से हत्या की गई है, यह सुनियोजित साजिश प्रतीत होती है। फिलहाल यह पूरी घटना जांच का विषय बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही हसपुरा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, एसआई पवन कुमार और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ सुराग जुटाए हैं और बयान के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना की खबर फैलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढाढ़स बंधाया। बीस सूत्री कार्यक्रम के अध्यक्ष चन्द्रकांत मुन्ना, जिप प्रतिनिधि एकलाख खां, मुखिया गोपाल सिंह, पूर्व मुखिया राजकुमार छोटू, पैक्स अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह और जदयू नेता गुड्डू पासवान भी घटनास्थल पर मौजूद रहे।इस घटना ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की है कि हत्या के पीछे की सच्चाई जल्द सामने लाई जाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि बहुत जल्द हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली जाएगी।

पोखरा में डूबने से 10 वर्षीय बच्चे की मौत

रफीगं (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज प्रखंड के औरवां टोला चकलदह से सामने आई है, जहां पोखरा में डूबने से एक 10 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान गया जिले के आंती थाना क्षेत्र अंतर्गत हसनपुर गांव निवासी लालदेव कुमार के पुत्र सचिन कुमार के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, सचिन अपने नाना कृष्णा दास के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। रोज की तरह वह खेलने के लिए बाहर निकला था, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटा। खोजबीन के दौरान परिजनों को सूचना मिली कि गांव के पोखरा में एक बच्चे का शव देखा गया है। मौके पर पहुंचने के बाद बच्चे की पहचान सचिन के रूप में हुई। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोखरे से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

आपसी निदान से समस्या समाधान में मध्यस्थता है कारगर उपाय : डीएलएसए सचिव तान्या पटेल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिम्मेदारी और सामाजिक समरसता की दिशा में कार्य करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), औरंगाबाद की सचिव तान्या पटेल ने कहा कि मध्यस्थता विवाद समाधान का एक प्रभावी और शांतिपूर्ण तरीका है, जिससे ना केवल वाद का हल होता है, बल्कि समाज और परिवार में सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब छोटी-छोटी बातों पर परिवारों में दरार आने लगी है, मध्यस्थता के माध्यम से ऐसे टूटते रिश्तों को बचाया जा सकता है। खासकर पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, दिवानी वाद, अग्रिम जमानत और प्री-लिटिगेशन जैसे मामलों में मध्यस्थता की भूमिका काफी अहम रही है। सचिव तान्या पटेल ने बताया कि जिला जज के निर्देश पर सभी न्यायालयों को यह कहा गया है कि वे अधिकतम वादों को मध्यस्थता केंद्र भेजें ताकि शांतिपूर्ण तरीके से निपटारा हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी कारणवश न्यायालय वाद को मध्यस्थता केंद्र नहीं भेजता, तो पक्षकार या अधिवक्ता खुद पहल करते हुए मामला मध्यस्थता में ला सकते हैं। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता की प्रक्रिया में प्रशिक्षित मध्यस्थ दोनों पक्षों की बात को ध्यान से सुनते हैं और ऐसी सौहार्दपूर्ण स्थिति पैदा करते हैं जिसमें समाधान आपसी सहमति से निकलता है। इससे न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि रिश्ते भी टूटने से बचते हैं।

तान्या पटेल ने यह भी बताया कि वर्तमान में 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए' नाम से एक राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है, जो राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता समिति, और मुख्य न्यायाधीशों के मार्गदर्शन में पूरे देश में चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य 90 दिनों में अधिकतम लंबित मामलों का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से करना है।

उन्होंने बताया कि डीएलएसए के अंतर्गत प्रशिक्षित मध्यस्थ पक्षकारों की मदद करते हैं और प्राधिकार यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें पूरी सुरक्षा, गोपनीयता और सम्मान के साथ मध्यस्थता के लिए वातावरण मिले। साथ ही सभी संबंधित पक्षों, वकीलों व आमजन से अपील की कि मध्यस्थता के प्रति जागरूकता फैलाएं और अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया का लाभ लें। तान्या पटेल ने कहा कि आज के दौर में जब न्यायालयों में मामलों की भीड़ बढ़ती जा रही है, ऐसे में मध्यस्थता एक वैकल्पिक न्याय प्रणाली के रूप में लोकप्रिय और सफल विकल्प बनकर उभरी है। यह न केवल संवेदनशील वादों के हल में कारगर है बल्कि समाज में शांति और स्थायित्व बनाए रखने में भी मददगार है।

जानलेवा हमले के नौ आरोपी दोषी करार, कोर्ट ने दी परिवीक्षा पर रिहाई

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे)-3 अन्नंदिता सिंह ने गोह थाना कांड संख्या-88/10 से जुड़े नौ आरोपियों को जानलेवा हमले का दोषी करार दिया है। हालांकि, अदालत ने उन्हें भादंवि की धारा 323/149 के तहत दोषी मानते हुए परिवीक्षा अधिनियम 1958 के तहत सशर्त रिहाई दी है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि यह मामला 1 जुलाई 2010 का है। पीड़ित शकील अहमद (सुग्गी बिगहा, गोह) ने थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि वह अपने पिता और भाई के साथ ईंट-बालू ढोने का काम कर रहे थे, तभी परमेश्वर यादव, मदन यादव, कामेश्वर यादव, रामेश्वर यादव, नरेश यादव (सुखी बिगहा, गोह) एवं रामसेवक यादव, भोला यादव, सोहन यादव, नवी यादव (रामपुर, कोंच, गया) ने लाठी-डंडे से हमला कर उनके पिता और भाई को घायल कर दिया। इस घटना के पीछे पांच वर्षों से चला आ रहा जमीन विवाद प्रमुख कारण बताया गया। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने सभी नौ आरोपियों को दोषी पाया, लेकिन सजा के स्थान पर उन्हें परिवीक्षा पर रिहा कर दिया। अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि परिवीक्षा अधिनियम 1958 एक सुधारात्मक कानून है, जिसका उद्देश्य है कि कम गंभीर अपराधों के दोषियों को समाज से काटने की बजाय, उन्हें सुधार के अवसर दिए जाएं। इस अवधि में दोषी परीवीक्षा अधिकारी की निगरानी में रहते हैं, और कुछ शर्तों का पालन करते हुए समाज में सामान्य जीवन व्यतीत करते हैं। इस फैसले से यह संदेश गया कि न्यायालय सजा देने के साथ-साथ सुधार की संभावनाओं को भी महत्व देता है। साथ ही, जमीन विवाद जैसे मामलों में आपसी बातचीत और समाधान की आवश्यकता पर बल देता है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

संस्कार विद्या नॉलेज सिटी के प्रांगण में आयोजित 'फायरलेस कुकिंग' प्रतियोगिता में 'नो ऑयल, नो बॉयल' ग्रुप रहा टॉपर

• बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

निज संवाददाता | दाउदनगर (औरंगाबाद)

बड़ रचनात्मकता और पर्यावरण चेतना के साथ दाउदनगर अनुमंडल के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान संस्कार विद्या, नॉलेज सिटी के प्रांगण में सोमवार को 'फायरलेस कुकिंग' प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में बच्चों ने न केवल पाक-कला का हुनर दिखाया, बल्कि बिना आग जलाए खाना बनाकर वायु प्रदूषण से बचाव का संदेश भी दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता ने सीईओ आनंद प्रकाश, डिप्टी सीईओ इंजीनियर विद्यासागर, टेक्निकल एडवाइजर विनय प्रकाश और प्रिंसिपल ए.के. मिश्रा की उपस्थिति में मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजा-अर्चना के साथ किया। आयोजन को 'फन टाइम' मानसून सेलिब्रेशन के रूप में मनाया गया, जिसमें बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। इस प्रतियोगिता में कुल 75 से अधिक ग्रुप ने भाग लिया, जिसमें 'नो ऑयल, नो बॉयल' ग्रुप को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। बच्चों ने बिना गैस, बिना चूल्हा जलाए जो विविध व्यंजन तैयार किए, वे सबका ध्यान खींचने वाले रहे। इनमें साउथ इंडियन डिशेज, ओरियो केक, मेवा ब्रेड दहीबड़ा, चौमिन, गुपचुप, केला पत्ता पर परोसा गया दाल-भात-सब्जी-चोखा-चटनी-भुजिया, तिलोरी पापड़, क्रीम ब्रेड रसमलाई, श्रीखंड, मिंट मोजितो आदि विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। बच्चों की सादगी और रचनात्मकता से परिपूर्ण इस प्रदर्शन को देखकर अतिथिगण अभिभूत हो गए। सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता ने बच्चों के प्रयासों को सराहते हुए कहा, 'बच्चों ने यह साबित कर दिया कि स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए केवल चूल्हा नहीं, रचनात्मक सोच और प्रतिबद्धता की जरूरत होती है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह आयोजन मिसाल बन गया है। सीईओ आनंद प्रकाश ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर शिक्षकों और सहयोगी स्टाफ को धन्यवाद देते हुए कहा कि बच्चों को इस प्रकार के नवाचार से न केवल आत्मनिर्भरता की सीख मिलती है, बल्कि वे समाज को भी दिशा देते हैं।

एलजेपी नेता डॉ. प्रकाश चंद्रा का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत, जताया समर्थन

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

आत्मीयता के साथ करमाही गांव के ग्रामीणों ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश उपाध्यक्ष व ओबरा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी डॉ. प्रकाश चंद्रा का स्वागत किया। दाउदनगर प्रखंड के संसा पंचायत स्थित करमाही गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण जुटे और आगामी विधानसभा चुनाव में एक स्वर में डॉ. चंद्रा को अपना समर्थन देने की घोषणा की। गांव की गलियों में उत्साह का माहौल था। ग्रामीणों ने कहा कि वे ऐसा जनप्रतिनिधि चाहते हैं जो सिर्फ चुनावी समय में नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा कि डॉ. चंद्रा इस कसौटी पर पूरी तरह खरे उतरते हैं। पिछली बार चुनाव में भले ही वे दूसरे स्थान पर रहे हों, लेकिन उन्होंने जनसेवा का कार्य कभी नहीं छोड़ा। लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए उन्होंने जरूरतमंदों की मदद की, हर तबके से जुड़ाव बनाया और सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता दी।

जिला जज के तबादले पर अधिवक्ताओं ने दी भावभीनी विदाई

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के जिला जज प्रथम सह स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट एवं एससी-एसटी कोर्ट के न्यायाधीश इसरार अहमद को अधिवक्ताओं द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। जिला विधिज्ञ संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सोमवार को आयोजित समारोह में उन्हें शॉल, माला, बुके और मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया और उनके कार्यकाल को स्मरणीय बताया। जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय, महासचिव जगनारायण सिंह सहित कार्यसमिति के अन्य सदस्यों ने कहा कि न्यायाधीश इसरार अहमद का औरंगाबाद में कार्यकाल अल्पकालीन रहा, लेकिन इस दौरान उन्होंने न्यायिक अनुशासन, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा का उच्च मानक स्थापित किया। 29 मार्च से 07 जुलाई 2025 तक की अवधि में उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की और अपने व्यवहार से अधिवक्ताओं तथा आम जनता दोनों के बीच विशिष्ट स्थान बनाया।

अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने जानकारी दी कि पटना हाईकोर्ट द्वारा इसरार अहमद को पदोन्नत करते हुए उनका तबादला मोतिहारी व्यवहार न्यायालय के परिवार न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश पद पर किया गया है। अधिवक्ताओं ने इस पदोन्नति पर उन्हें ढेरों बधाइयां और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि न्यायमूर्ति इसरार अहमद का सरल, सहज व न्यायपूर्ण स्वभाव और न्यायपालिका के प्रति समर्पण भाव, सभी के लिए प्रेरणा है। उनका कार्यकाल भले ही छोटा रहा, पर उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता व तीव्रता का उदाहरण पेश किया। उनके तबादले से अधिवक्ताओं में जहां एक ओर खुशी है, वहीं उनके जाने का मलाल भी झलक रहा था। विदाई समारोह का माहौल पूरी तरह भावुकता से भरा रहा, जहां अधिवक्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज थाना पुलिस ने यमुना पासवान हत्याकांड में फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान चंदौल गांव निवासी अरविंद पासवान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि यमुना पासवान की हत्या के मामले में मृतक के पुत्र कृष्णा पासवान द्वारा सात लोगों को नामजद किया गया था। इनमें से पूर्व में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तीसरे आरोपी अरविंद पासवान को उसके घर से दबोच लिया गया।

बिहार के चौमुखी विकास में सहकारिता विभाग निभा रहा अहम भूमिका : मंत्री डॉ. प्रेम कुमार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा है कि राज्य के चौमुखी विकास में सहकारिता विभाग की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। सहकारिता के माध्यम से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों तक विकास की रोशनी पहुंच रही है और करोड़ों लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं।

रविवार की देर शाम नगर भवन, औरंगाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि आज बिहार में सहकारिता के माध्यम से 'कंफेड' (बिहार राज्य सहकारी विपणन संघ) ने वैश्विक पहचान बनाई है और यह विश्व के बड़े सहकारी संगठनों में शामिल हो चुका है। इससे न सिर्फ किसानों और उत्पादकों को सीधा लाभ मिल रहा है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि पैक्स (प्राथमिक कृषि साख समिति) को अब बहुउद्देश्यीय सेवा केंद्रों के रूप में विकसित किया जा चुका है। आज ग्रामीण क्षेत्र के लोग पैक्स के माध्यम से बीज, खाद, ऋण, भंडारण, विपणन और तकनीकी सहायता जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर प्राप्त कर रहे हैं। इससे कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा और आत्मनिर्भरता का माहौल तैयार हो रहा है। डॉ. कुमार ने बताया कि सहकारिता विभाग अब सब्जी उत्पादकों के हित में भी काम कर रहा है। कंफेड की तर्ज पर सब्जी उत्पादकों के लिए विशेष सरकारी समितियों का गठन किया जा रहा है, जो उन्हें न केवल उचित बाजार उपलब्ध कराएंगी, बल्कि उत्पादन, संरक्षण और भंडारण के क्षेत्र में भी तकनीकी और आर्थिक सहयोग देंगी। इससे बिचौलियों की भूमिका कम होगी और किसानों को सीधे लाभ मिलेगा। मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग मखाना उत्पादकों के कल्याण हेतु विशेष रूप से मखाना फेडरेशन का गठन कर रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जोरों पर, हर मतदाता को जोड़ने का प्रयास

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूरे देशभर में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर-2025) चलाया जा रहा है। इस क्रम में औरंगाबाद जिले में भी यह कार्यक्रम 25 जून से 26 जुलाई 2025 तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं, गणना प्रपत्र वितरित कर उन्हें भरवा रहे हैं और तत्पश्चात उन्हें प्रखंड मुख्यालय स्थित कैम्प मोड केंद्र पर अपलोड कर रहे हैं। यह प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह से शाम तक जारी है, ताकि एक भी योग्य मतदाता छूट न जाए। इस विशेष अभियान में कई बिंदुओं पर ध्यान दिया जा रहा है—जैसे नए मतदाताओं का नामांकन, पहले से मौजूद मतदाताओं की जानकारी का अद्यतन, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का नाम विलोपन, और मतदाता सूची में त्रुटियों को सुधारना। बीएलओ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समान रूप से सक्रिय हैं, और आम नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने में भी जुटे हुए हैं।

जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री ने स्वयं कई प्रखंडों का दौरा किया और मौके पर जाकर कैम्प स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ और सुपरवाइजर्स से बातचीत कर यह जाना कि काम किस गति से हो रहा है और लोगों की भागीदारी कितनी है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सभी बीएलओ को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी पात्र मतदाता को सूची में शामिल होने से वंचित न रखा जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा, सजगता और पारदर्शिता के साथ करें। डीएम श्री शास्त्री ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने नजदीकी बीएलओ से संपर्क करें, मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जांचें और यदि किसी प्रकार का संशोधन, विलोपन या नया नामांकन आवश्यक हो तो तुरंत निर्धारित फॉर्म भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करें।

13 जुलाई को अष्टभुजी धाम में लगेगा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

बारुण प्रखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित पटना कैनल रोड के समीप अष्टभुजी धाम पिपरा के प्रांगण में 13 जुलाई को महोत्सव रत्न, जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष, सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह के सौजन्य से एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। विश्व स्तरीय अस्पताल मेदांता हॉस्पिटल के योग्य एवं अनुभवी डॉक्टरों के द्वारा जरूरतमंद लोगों को निशुल्क इलाज किया जाएगा।उनकी जांच की जाएगी एवं दवाई भी दी जाएगी इसकी तैयारी के लिए एक बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता पिपरा पंचायत के पूर्व मुखिया अजय कुमार ने किया अष्टभुजी धाम महोत्सव आयोजन समिति के संरक्षक अजीत मिश्रा,अध्यक्ष विजय कुमार सिंह,सचिव राजा दिलीप सिंह, कोषाध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता के आह्वान पर बैठक में उपस्थित दिलकेश्वर सिंह, उपेंद्र प्रसाद,श्रीपति प्रसाद साव, कर्मदेव पाल,संजय सिंह सुरेंद्र प्रसाद,उप सचिव रामेश्वर भगत, राजेश्वर प्रजापति,अकेला सिंह पुजारी नीरज मिश्रा,देवनंदन राम,त्रिवेणी राम रामजी सिंह, मनीष कुमार, संयोजक सुरेश विद्यार्थी सहित अन्य सदस्यों ने निर्णय लिया कि 13 जुलाई को आयोजित चिकित्सा शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

जनता दरबार का आयोजन, डीएम ने सुनी समस्याएं, निष्पक्ष कार्रवाई का दिया भरोसा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान को लेकर सोमवार को औरंगाबाद समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार की अध्यक्षता स्वयं जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री ने की। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं डीएम के समक्ष रखीं, जिन पर तत्परता से सुनवाई की गई और आवश्यक निर्देश भी दिए गए। जनता दरबार में कुल तीन परिवादी अपनी शिकायतों के साथ उपस्थित हुए, जिनमें मुख्य रूप से जीविका समूह में भ्रष्टाचार, ममता कार्यकर्ताओं के लंबित मानदेय भुगतान, तथा आंगनबाड़ी सेविका की बहाली में हो रही देरी जैसे संवेदनशील मुद्दे उठाए गए। सबसे पहले कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत ग्राम फुलवरिया, पोस्ट पिपरा बगाही निवासी सिन्धु देवी ने अपने पंचायत के जीविका समूह में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की गंभीर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि लाभुकों के चयन और राशि के आवंटन में गड़बड़ियां की जा रही हैं, जिससे ग्रामीण महिलाएं ठगी का शिकार हो रही हैं। इसके बाद कलावती कुमारी समेत अन्य ममता कार्यकर्ताओं ने कई महीनों से रुके हुए मानदेय भुगतान को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने बताया कि वे नियमित रूप से कार्य कर रही हैं, लेकिन लंबे समय से मानदेय की राशि नहीं मिली है, जिससे आर्थिक संकट झेलना पड़ रहा है। तीसरी परिवादी पूजा कुमारी, जो देव प्रखंड के ग्राम तेजु बिगहा, पोस्ट केताकी की निवासी हैं, ने आंगनबाड़ी सेविका की बहाली प्रक्रिया में अनावश्यक देरी और मनमानी का आरोप लगाया। उन्होंने डीएम से मांग की कि बहाली प्रक्रिया को जल्द और पारदर्शी ढंग से पूर्ण कराया जाए।

इन सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्री ने संबंधित विभागों को तत्काल जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनदेखी पाई जाती है, तो कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

BAYC Institute स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन
Proposed Green Campus in 60,000 Sq.Ft.
DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy
DY Yoga
DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga
DHMS Herbal Medicine
DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th
अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th
BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet
BTMS Traditional Medicine
BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga
BAcu. Acupuncture
MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2
अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2
MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट
अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS
PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA
TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA
100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।
डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त अध्यक्ष
डा. अजय प्रकाश सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279
Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com